जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 16 संख्याः 234 प्रभात जालोर, बुधवार 1 दिसम्बर, 2021 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

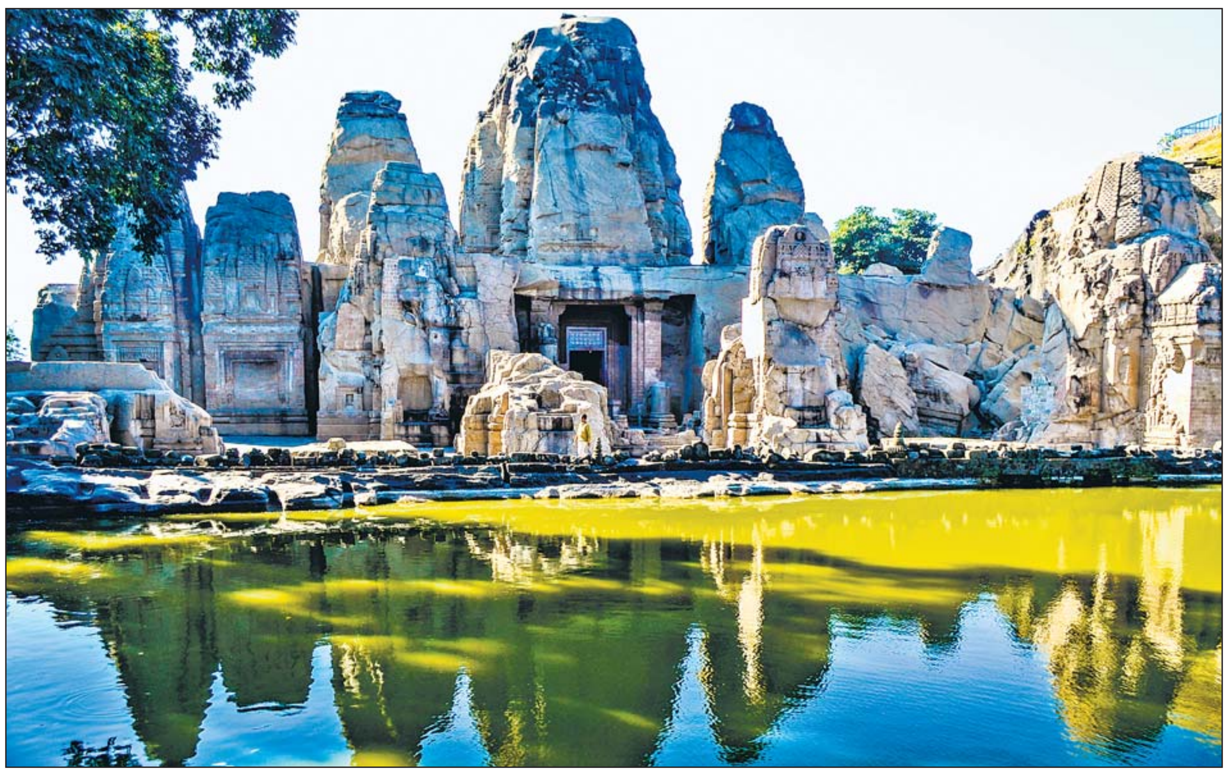

भारत के चार विख्यात रॉक कट टैम्पल्स में से एक हैं मसरुर रॉक कट टैम्पल्स, जो नगर शैली में निर्मित हैं। इन्हें हिमाचल प्रदेश का एलोरा या हिमालयन पिरामिड भी कहा जाता। हालांकि ये टैम्पल्स सबसे बड़े हैं पर इनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है और यहां कम ही लोग ही आते हैं। समुद्र स्तर से 2500 मीटर की ऊंचाई पर एक पहाड़ी पर बने इस मंदिर समूह में 15 मोनोलिथिक रॉक कट टैम्पल्स हैं, जो संभवतया 8वीं -9वीं सदी ईस्वी के बीच में बने थे। समझा जाता है कि ये नगर शैली स्थापत्य के सबसे पुराने उदाहरणों में से एक हैं। ज्ञातव्य है कि नगर शैली का स्थापत्य उत्तरी भारत में हिमालय से विंध्याचल पर्वत श्रृंखला के बीच मिलता है। यहां मंडल पैटर्न में मुख्य मंदिर के चारों तरफ कई छोटे -छोटे मंदिर हैं। मंदिर के गर्भ गृह के चार प्रवेश द्वार हैं। इनमें से पूर्वी द्वार पूरी तरह बना हुआ है, उत्तर व दक्षिण के द्वार आंशिक तौर पर तथा पश्रिमी द्वार अपूर्ण है। पूर्वी द्वार पर एक विशाल मंडप और प्रवेश मार्ग भी था, जो 1905 के कांगड़ा भूकम्प में नष्ट हो गया। इस मंदिर की एक और प्रमुख विशेषता यह है कि, पूर्व की तरफ मंदिर के सामने एक पवित्र सरोवर है। कहते हैं कि यह 8 वीं सदी में बना था। वर्ष भर यह सरोवर पानी से भरा रहता है। स्थानीय किवदंतियों के अनुसार पाण्डवों ने अपने निर्वासन का लम्बा अर्सा यहां बिताया था और इस दौरान उन्होंने इस स्थान पर एक ही दिन में, सुबह होने तक स्वर्ग तक की सीढ़ी बनाने के निर्णय लिया। इससे इन्द्र भयभीत हो गए और कौवा बनकर सुबह होने से पहले ही कांव -कांव करने लगे। पाण्डवों को लगा सुबह हो गई और उन्होंने काम रोक दिया। इस प्रकार सीढ़ी अधूरी रह गई। एक अन्य किवदंती के अनुसार समूचा परिसर एक रात में ही बना था और सुबह हो जाने के कारण काम बंद कर दिया गया, इसलिए परिसर के कुछ मंदिर अधूरे रह गए। मसरुर रॉक कट टैम्पल्स का उत्खनन यशोवर्मन के काल में हुआ था, उसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, पर माना जाता है कि वह समय नगर शैली स्थापत्य की शुरुआत का था।

महासचिव वेणुगोपाल के खिलाफ कांग्रेस की केरल इकाई में भारी असंतोष?

कांग्रेस के पुराने नेता ओमान चांडी व रमेश चेनिनथाला ने सोनिया गांधी व राहुल को इस संदर्भ में पत्र लिखा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 नवम्बर। कांग्रेस पार्टी की केरल इकाई में ए.आई.सी.सी. प्रभारी महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल के खिलाफ एक बड़ा विद्रोह सुलग रहा है।

सूत्र बताते हैं कि कई नेताओं ने राहुल और सोनिया को केरल में पार्टी की स्थिति का विस्तृत वर्णन करते हुए लिखा है कि विचार-विमर्श नहीं किए जा रहे हैं और अधिकांश नेताओं को निर्णय प्रक्रिया से दूर रखा जा रहा है।

- **कांग्रेस के केरल में वरिष्ठ व पुराने कांग्रेसी नेताओं की शिकायत है कि, कांग्रेस संगठन आदि के फैसले लेते वक्त उनसे राय-मशविरा नहीं किया जाता और न ही ''डिसीज़न मेकिंग'' में कोई भूमिका दी जाती है।**
- **इन नेताओं ने विधानसभा में पार्टी के नेता सतीशन व प्रदेशाध्यक्ष सुधाकरण के खिलाफ काफी असंतोष व्यक्त किया। दोनों नेताओं को वेणुगोपाल का संरक्षण प्राप्त होना बताया जाता है।**
- **चांडी व चेनिनथाला सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने चेतावनी भी दी कि, अगर हाई कमान ने उनकी बात नहीं सुनी तो, वे जी-23 से जुड़ सकते हैं।**

ज्ञात हुआ है कि सीनियर नेता ओमन चाण्डी और रमेश चैनिनतला विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के. सुधारकरण की कार्यशैली के विरोध में सोनिया और राहुल को लिख रहे हैं। सतीशन और सुधाकरण, दोनों ही के.सी. वेणुगोपाल खेमे के हैं।

केरल में कांग्रेस की गुटबाजी चरम पर है और पार्टी दो भागों में विभाजित है। वेणुगोपाल राजस्थान से राज्यसभा सांसद हैं और इसका श्रेय राहुल गांधी को जाात है। इससे पहले हुए संकट के दौरान वेणुगोपाल ने ताल ठोक दी थी और उन्हें एक सर्वानुमति से मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी बनने की उम्मीद थी, लेकिन कांग्रेस राज्य में बहुमत प्राप्त करने में विफल रही और वाम मोर्चे की सरकार राज्य में फिर से सत्ता में आई।

ऐसी ही अटकल है कि ओमन चाण्डी और रमेश चैनिनतला यहां कांग्रेस की कार्यशैली से इतने ऊब गए हैं कि वे जी-23 के समर्थन में जा सकते हैं।

ए.आई.सी.सी. में ऐसी अटकलें चल रही हैं कि राहुल गांधी वेणुगोपाल के पर कतरने और उन्हें संगठन, महासचिव जैसे पद से हटाने के जबर्दस्त दबाव में है क्योंकि संगठन महासचिव के पद को पार्टी में कांग्रेस अध्यक्ष के बाद दूसरा सबसे महत्वपूर्ण पद माना जाता है।

इस वास्तविकता के बावजूद कि वेणुगोपाल के खिलाफ विविध राज्यों और कांग्रेसियों की कई शिकायतें हैं, राहुल को महत्वपूर्ण मौकों पर उनके समर्थक के रूप में जाना गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तृणमूल एक साल में 15 राज्यों में अपनी इकाई स्थापित करेगी

इस संदर्भ में तृणमूल अपनी पार्टी के संविधान में संशोधन भी करेगी, इन नयी इकाइयों के नेताओं को पार्टी की ''वर्किंग कमेटी'' में सदस्य बनाने के लिये

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 नवम्बर। सभी संकेत बता रहे हैं कि तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) नेता ममता बनर्जी के विस्तार-अभियान में कोई कमी नहीं आयेगी। एक साल की अवधि में 15 राज्यों में पार्टी-इकाई स्थापित करने की योजनाओं को अंतिम रुप दे दिया गया है।

टी.एम.सी. ने पार्टी संविधान में संशोधन करने का भी निर्णय लिया है, ताकि अन्य राज्यों के नेताओं को पार्टी की वर्किंग कमेटी में समायोजित किया जा सके।

ऐसी संभावना है कि पार्टी-संविधान में किये जाने वाले परिवर्तनों एवं संशोधनों पर टी.एम.सी. की कार्य समिति की मीटिंग में चर्चा होगी। यह मीटिंग ममता की मुम्बई के दौरे से लौटने के बाद आयोजित की जायेगी।

- **जैसा कि विदित ही है, ममता बनर्जी दो दिवसीय यात्रा पर हैं, महाराष्ट्र में पवार, आदित्य ठाकरे आदि नेताओं के अलावा जाने-माने शायर जावेद अख्तर व अटल बिहारी वाजपेयी के मीडिया सलाहकार सुधीन्द्र कुलकर्णी से भी मुलाकात करेंगी।**
- **महाराष्ट्र में उद्योगपतियों व व्यापारियों से भी मुलाकात करेंगी, बंगाल में उद्योगों में पूंजी निवेश करवाने के लिये तथा कोलकाता में अप्रेल में आयोजित बंगाल ग्लोबल बिज़नैस सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित भी करेंगी।**

मुम्बई दो दिन के प्रवास में ममता एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार तथा महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे से भेंट करेंगी। इसके अलावा, वे बहुत सारे आयोजनों में शामिल होंगी, जिनमें उद्योगपतियों के साथ होने वाली कॉन्फ्रेंस भी शामिल है। वे ''यंग प्रैसिडेन्ट्स ऑर्गनाइजेशन'', जो अमेरिका का एक वैश्विक नेतृत्व संगठन है, के द्वारा आयोजित उद्योगपतियों की एक कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगी। बंगाल के लिये निवेश प्राप्त करने की कोशिश में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अगले वर्ष अप्रैल में कोलकाता में आयोजित होने वाली ''बंगाल ग्लोबल बिजनैस सम्मिट'' के लिये उद्योगपतियों को आमंत्रित भी करेंगी।

ममता महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से भेंट नहीं करेंगी। ज्ञातव्य है कि वे एक सर्जरी के उपरान्त, अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं तथा डॉक्टरों ने उन्हें आइसोलेशन की सलाह दी है।

उल्लेखनीय है कि बनर्जी, गीतकार जावेद अख्तर तथा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मीडिया सलाहकार सुधीन्द्र कुलकर्णी से भी भेंट कर सकती हैं। बनर्जी की पिछली दिल्ली-यात्रा के दौरान, कुलकर्णी और अख्तर दोनों ही उनसे मिले थे तथा ऐसी अफवाहें एवं चर्चाएं हैं कि वे तृणमूल में शामिल भी हो सकते हैं।

टी.एम.सी. की वर्किंग कमेटी की मीटिंग में, जो सम्भवतः नई दिल्ली में होगी, पार्टी-संविधान में किये जाने वाले बदलावों पर चर्चा होगी, ताकि मणिपुर, असम, त्रिपुरा, गोवा, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार तथा तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों के नेताओं को वर्किंग कमेटी में जगह दी जा सके। बनर्जी ने पार्टी में शामिल होने वाले नये नेताओं को पार्टी के विभिन्न पदों पर नियुक्ति देना शुरु कर दिया है। उन्होंने अभी हाल ही चार्ल्स पिन्हरोप को पार्टी की मेघालय इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है। ऐसी संभावना है कि सुष्मिता देव को त्रिपुरा एवं असम की पार्टी इकाई का अध्यक्ष पद स्वीकार करने के लिये कहा जा सकता है।

पत्रकारों ने संसद तक पैदल मार्च किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 नवम्बर। प्रैस के वैधानिक पास रखने वाले पत्रकारों तक को प्रवेश से इन्कार कर मीडिया कवरेज पर एक तरह से प्रतिबंध लगाने के खिलाफ राजधानी के विविध मीडिया संगठनों ने गुरूवार को संसद तक मार्च निकालने का निर्णय लिया है।

- **पत्रकारों ने, संसद की कार्यवाही कवर करने के लिये वरिष्ठ पत्रकारों को प्रवेश न देने के प्रति भी विरोध व्यक्त किया।**

ये संगठन पसंदीदा पत्रकारों के चयन की नीति, पत्रकारों के एक चयनित समूह को पास जारी करने और संसद के सैन्ट्रल हॉल में सीनियर पत्रकारों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने का विरोध करेंगे। पत्रकारों को लामबंद करने वाले संगठनों में एडिटर्स गिल्ड ऑफ इण्डिया, प्रैस क्लब ऑफ इण्डिया, दिल्ली पत्रकार संघ और प्रैस एसोसिएशन शामिल है।

इनके नेताओं का कहना है कि सरकार संसद लोकसभा और राज्यसभा प्रशासन पर दबाव डाल रही है संसद भवन में पत्रकारों की मौजूदगी न्यूनतम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सांभर में 13 दिनों में 85 पक्षियों की मौत की पुष्टि हुई

18 नवम्बर को 23 कौवों के शव मिलने के बाद उठाये गये प्रभावी कदम के बाद पक्षियों के मौत के आंकड़ों में कमी जरूर आ रही है

सांभरझील, 30 नवम्बर (निसं)। सांभर कस्बे में पिछले तेरह दिनों में बर्ड फ्लू से अभी तक 85 पक्षियों की मौत की सरकार की ओर से पुष्टि की गयी है।

18 नवम्बर को एक ही दिन में सर्वाधिक 23 कौवों के शव मिलने के बाद उठाये गये प्रभावी कदम के बाद लगातार पक्षियों के मौत के आंकड़ों में कमी जरूरी आ रही है, लेकिन रोजाना दो से तीन पक्षियों के शव व उनके घायल अवस्था में पाये जाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

- **लेकिन रोजाना दो से तीन पक्षियों के शव व उनके घायल अवस्था में पाये जाने का सिलसिला बदस्तूर बना हुआ है।**
- **मंगलवार को एक कौवा, एक इंडियन कोयल व एक बुलबुल का शव मिला।**

कौवों के अलावा विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की अधिक संख्या में हो रही मौतों में जबरदस्त गिरावट आने के बाद वन व पशुपालन विभाग के अफसरों ने भी राहत की सांस ली है। कौवों की मृत्यु का कारण एच-5 एन-1 एवियन इंफ्लूंजा वायरस होने तथा इस वायरस के संक्रमण को इंसानों में जाने से रोकने के लिये सरकार की ओर से उक्त दोनों विभागों के अलावा स्वास्थ्य विभाग को खास सतर्कता बरतने के निर्देश प्रदान किये गये थे, उसी अनुरूप सभी विभागों के अधिकारियों व उनकी टीम की ओर से विर्शेष नजर रखी जा रही है।

डीएफओ वीरसिंह ओला व एएफओ ओमप्रकाश गुप्ता से बात करने पर बताया गया कि सांभर कस्बे के अलावा झील परिक्षेत्र में हमारी टीम को पहले ही तैनात किया जा चुका है उनकी ओर से लगातार काम किया जा रहा है। अभी तक 85 पक्षियों की मौत हुयी है, लेकिन उसके बाद हालात पर काबू पा लिया गया है। पशुपालन विभाग के एडिशनल डायरेक्टर उम्मेद सिंह व डिप्टी डायरेक्टर पदमचन्द कानखेड़िया ने बताया कि सरकार की ओर से जो गाईडलाइन जारी की गयी है उसी अनुरूप पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

मृत पक्षियों को सुरक्षित व वैज्ञानिक तरीके से दफनाया जा रहा है ताकि किसी भी प्रकार के संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। वाल्डलाइफ क्रिएचर ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष ओमप्रकाश पिण्टी व उनकी टीम की ओर से भी इस काम में मदद की जा रही है। वन विभाग की काचरोदा नर्सरी में तैनात श्यामश्री शर्मा ने बताया कि मंगलवार को 1 कौवे, 1 इंडियन कोयल व 1 बुलबुल के शव मिले तथा 1 कोयल व 1 घायल कौवे का उपचार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

निलंबित सांसद सत्र के अंत तक धरना देंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 नवम्बर। संसद के पूरे शीतकालीन सत्र से निलम्बित कर दिये गये विपक्ष के 12 सांसद, निलम्बन से राहत न मिलने पर शीतकालीन सत्र की समाप्ति, अर्थात् 23 दिसम्बर तक संसद-परिसर में स्थापित महात्मा गांधी की मूर्ति के नीचे रोजाना धरना देंगे।

- **विपक्ष ने खड़गे के कक्ष में आयोजित बैठक में पूरे सत्र का बायकॉट करने के निर्णय को सही नहीं माना व अस्वीकार किया। पर निलंबित सांसद राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखकर निलंबन की प्रक्रिया में खामियाँ उजागर करेंगे व निलंबन में ''पिक एण्ड चूज़'' का सिद्धांत अपनाए जाने का विरोध करेंगे।**

मंगलवार को, विपक्ष ने राज्यसभा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'19 विधायकों के जाने के बाद सरकार को बचाने वाले व सरकार का साथ देने वाले विधायकों को शिकायत नहीं होने दूंगा'

मुख्यमंत्री ने एक और मंत्रिमण्डल फेरबदल के संकेत देकर बसपा से आये व निर्दलीय विधायकों को सांत्वना दी

जयपुर, 30 नवम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस में माना जा रहा था कि मंत्रिमंडल पुनर्गठन के बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। पहले जहां विधायक और मंत्रियों में ही नाराजगी नजर आ रही थी, वहीं अब तो मुख्यमंत्री के 2 बयानों के बाद लग रहा है कि वे खुद भी इस पुनर्गठन से संतुष्ट नहीं हैं। यही कारण है कि मुख्यमंत्री ने शपथ ग्रहण वाले दिन और अपना साथ देने वाले विधायकों के दर्द को मंगलवार को भी दोहराया और संकेत दिए कि राजस्थान में चार-पांच महीने बाद एक बार फिर से मंत्रिमंडल फेरबदल होगा।

मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश प्रभारी अजय माकन और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई मंत्री और विधायकों की मौजूदगी में जब 12 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली रैली की तैयारियों की बैठक थी,तब मुख्यमंत्री ने एक बार फिर कहा कि जब 19 विधायक छोड़ कर चले गए थे, उस समय यदि बसपा से कांग्रेस में आए विधायक और निर्दलीय साथ नहीं देते तो सरकार को बचाना मुश्किल हो जाता। ऐसे में उनको नहीं भूला जा सकता। इसी के साथ मुख्यमंत्री ने कहा कि आलाकमान से फिर इजाजत लेंगे और एक बार फिर मंत्रिमंडल में लोगों को जगह देंगे। साथ देने वाले विधायकों को शिकायत नहीं होने देंगे।

- **मूल प्रश्न है, क्या मुख्यमंत्री मंत्रिमण्डल में हाल ही में हुए फेरबदल से संतुष्ट नहीं हैं। क्योंकि वे जिन विधायकों को मंत्री बनाना चाहते थे, उनको नहीं बना सके।**

उल्लेखनीय है कि जिस दिन राजस्थान में शपथ ग्रहण समारोह था, उससे पहले जब प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मंत्रियों के स्वागत का कार्यक्रम था, तब मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में इस बात को दोहराया था कि 34 दिन तक होटलों में हमारे साथ रहने वाले विधायकों को नहीं भुलाया जा सकता। यानी कि कहीं ना कहीं हाल ही हुए मंत्रिमंडल पुनर्गठन को लेकर मुख्यमंत्री संतुष्ट नहीं है, क्योंकि वे जिन विधायकों को मंत्री बनाना चाहते थे, उनको नहीं बना सके।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मुख्यमंत्री मंत्रीमंडल के अलावा विधायकों को अपना सलाहकार बनाकर मंत्री पद का दर्जा देने की बात सोच रहे थे, और कुछ विधायकों को संसदीय सचिव बनाए जाने की तैयारी थी, लेकिन पोस्ट प्रॉफिट का मामला आने के कारण जहां सलाहकारों को अब मुख्यमंत्री कोई दर्जा या सुविधाएं नहीं दे पा रहे हैं। वहीं संसदीय सचिवों के मामले में भी नियुक्ति तो की जा सकती है लेकिन उन्हें भी मंत्री पद का दर्जा या सुविधाएं नहीं दी जा सकती।

अतः जिन विधायकों को मंत्री पद नहीं मिलने के बाद दूसरी जगह समायोजित होने की उम्मीद थी, वह पूरी होती नजर नहीं आ रही है। कहा यह भी जा रहा है कि अब राजनीतिक नियुक्तियों में कुछ विधायकों को एडजस्ट करने के लिए मुख्यमंत्री प्रयासरत है।

वहीं कुल 39 जिला कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति में भी आधे से ज्यादा जिलों में विधायकों को मौका दिए जाने की तैयारी की जा रही है, ताकि उन्हें संतुष्ट किया जा सके।

संयुक्त किसान मोर्चा चुनाव नहीं लड़ेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 नवम्बर। दिल्ली की सीमाओं पर किसानों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे ''संयुक्त किसान मोर्चा'' (एस.के.एम.) ने मंगलवार को स्पष्ट कर दिया कि उसने ''कहीं भी किसी भी चुनाव में'' अपना कोई उम्मीदवार खड़ा नहीं किया है। मोर्चा ने जनता से अपील की कि लोग ऐसे किसी भी व्यक्ति द्वारा गुमराह नहीं हों, जो स्वयं के एस.के.एम. का उम्मीदवार होने का दावा करे।

- **मोर्चे ने जनता को आगाह किया कि, मोर्चा किसी चुनाव में कोई भी उम्मीदवार खड़ा नहीं करेगा, अतः वे गुमराह न हों, अगर कोई प्रत्याशी मोर्चे का उम्मीदवार होने का दावा करे।**

एस.के.एम. ने कहा कि यह स्पष्टीकरण इसलिये आवश्यक था क्योंकि राजस्थान के स्थानीय चुनावों में, कुछ उम्मीदवार यह दावा कर रहे हैं कि वे एस.के.एम. का प्रतिनिधित्व कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सब इंद्रियों को वश में रखकर सर्वत्र समत्व का पालन करके जो दृढ़-अचल और अचिन्त्य, सर्वव्यापी, स्वर्णीय, अविनाशी स्वरुप की उपासना करते हैं, वे सब प्राणियों के हित में लगे हुए मुझे ही पाते हैं।

–भगवान कृष्ण

नौकरी, चाकरी और जोकरी (मसखरी) में विकृति वृद्धि पर

देश में बेरोज़गारी की समस्या सदा से रही है, कभी-कभी इसका हो-हल्ला ज्यादा मचता है और कभी कम। लेखक की राय में स्वतंत्रता के बाद यह समस्या बढ़ी है। बचपन में लेखक का समय गाँव में ही बीता है और वह भी स्वतंत्रता के पूर्व। गाँव में ऐसा बहुत कम सुनने में आता था कि युवा बेरोज़गार हैं। हाँ, निश्चित ही शिक्षा का प्रचार-प्रसार कम था। प्राथमिक, उच्च प्राथमिक स्तर के व्यक्ति को भी शिक्षक या क्लर्क की नौकरी सरलता से मिल जाती थी। यूँ मानिये कि सामान्यत: बिना स्कूली शिक्षा के पढ़े-लिखे, शिक्षित लोगों को नौकरी मिल जाती थी। गाँव में भूखों मरते किसी को नहीं देखा। निष्कर्ष यह है कि देश में स्वतंत्रता के बाद हमारी शिक्षा नीति और आर्थिक नीति ज़िम्मेदार थी। बड़े-बड़े उद्योग धंधों को प्रारंभ करने के साथ गाँवों की आत्मनिर्भरता पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया। चीन का उदाहरण है कि उसने गाँवों में कोई न कोई ऐसा छोटा-मोटा उद्योग प्रारंभ किया कि उन्होंने उसी उद्योग में महारत प्राप्त कर और उत्पाद बढ़ा कर चीनी वस्तुओं से सारे विश्व को चनी उत्पाद से भर दिया। इसके विपरीत भारत में ऐसा कोई प्रयास नहीं हुआ।

महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा में गाँवों को आत्म निर्भर बनाने की भावना थी, परंतु उसे सतही तौर पर लागू किया गया और उसकी भावना को न समझ कर धीरे-धीरे बंद कर दिया। मानव जीवन की संपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति गाँव में हो जाती थी। मात्र कुछ वस्तुओं, उच्च शिक्षा तथा चिकित्सा के लिये नगर की ओर भागना पड़ता था। लेखक उदयपुर ज़िले के ऊंटाला (वल्लभनगर) गाँव में रहता था, 50 किलोमीटर पर उदयपुर शहर था। पहले ऊंटाला से मावली जंक्शन तक पैदल, बैलगाड़ी, घोड़ा, ऊंट, तांगा आदि से जाते और वहाँ से उदयपुर की ट्रेन थी। बाद में ऊंटाला का नाम वल्लभनगर हो गया और मावली तक भी ट्रेन संपर्क हो गया। लेखक की ससुराल भी ठेट चम्बल के बीहड़ के गाँव रैपुरा में थी, 1-1/2 किलोमीटर पर जैतपुर कस्बा था, उससे 8-10 किलोमीटर पर बाह तहसील और 50 किलोमीटर पर आगरा ज़िला मुख्यालय है। इस प्रकार इन सुदूर अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों में भी कभी कोई असुविधा नहीं हुई। शहरीकरण की अंधी दौड़ में गाँव उजड़ व बरबाद हो गये। आत्मनिर्भर भारत का सपना बड़ी-बड़ी चीज़ों के अलावा गाँवों में वास्तव में साकार हो रहा था।

गाँवों में किसान थे और वे आबादी के 80 प्रतिशत थे एवं आत्मनिर्भर थे। लुहार, सुथार, कुम्हार, स्वर्णकार, किराना, कपड़े के व्यापारी, नाई, बारी, धोबी, सफाईकर्मी, मज़दूर, किसान सभी एक-दूसरे पर निर्भर थे और घोर भाईचारा था। चूड़ीगर, जुलाहे व अन्य दुकानदार मुस्लिम समुदाय से भी होते। सभी प्रेम से रहते। शादी-ब्याह, सुख-दुख में एक-दूसरे की मदद करते। शिक्षा ऐसी होती थी जो इसी ग्राम की आत्मनिर्भरता में उपयोग हो जाती। परंतु 75 वर्षों में शिक्षा ने श्रम की निष्ठा खोई, श्रम साध्य कार्यों से दूर किया। लोग कृषि व मज़दूरी को हेय समझने लगे। केवल सफेद कॉलर व्यवसाय और नौकरी की चाह बढ़ने लगी, इसी चाह में शहर की ओर भागना प्रारंभ हुआ। विज्ञान और तकनीक की सही शिक्षा से ही गाँव समृद्ध, संपन्न व आत्मनिर्भर हो सकते थे, उसके बजाय बेरोज़गारी और शहरीकरण बढ़ता गया। आवश्यकता है ऐसी शिक्षा नीति की जो कृषि व श्रम के प्रति रुझान बढ़ाये। तभी प्रधानमंत्री का आत्मनिर्भर भारत का सपना पुन: साकार होगा।

आजकल अभिनय और राजनीति दोनों क्षेत्रों में जोकरों-मसखरों का प्राधान्य होता जा रहा है। राजनीति में माहिर राजनेता स्व.राजनारायण ने गांधी के विरुद्ध चुनाव लड़कर प्रसिद्धि प्राप्त की थी। वे केन्द्रीय मंत्री भी रहे। ऐसे राजनेता तो हमें स्वीकार हैं, परंतु ऐसे शीर्ष राजनेता जो अनावश्यक व असमय अपने विरोधियों के गले मिलें या आँख बिचकायें एवं समय-असमय कुछ भी कहें, देश व समाज में हास्यास्पद ही बनते हैं। नुकसान ही करते हैं–अपना भी, समाज का भी और राजनीति का भी।

हमारे पिछड़ेपन में नौकरी की चाह के साथ चाकरी का चस्का भी जुड़ा हुआ है। हमने नौकरी में अतिरिक्त आय तथा लाभ कमाने के लिये ही चाकरी शब्द गढ़ा है। नौकर तो कुछ लोगों को करना ही होगा, परंतु चाकरी में चापलूसी, दासता, बंधुआपन आदि की भावना आ जाती है। बावजी चतरसिंह जी कहते हैं, 'धन खेती, ध्रुक चाकरी, धन-धन है व्यापार।' आशय यह कि खेती में धन है या वह धन्य है, क्योंकि कृषक अन्नदाता है चाकरी में व्यक्ति स्वतंत्र नहीं है, जबकि कृषि और व्यापार में वह स्वतंत्र है। कृषि और व्यापार में अपनी इच्छानुसार कार्य करने की बहुत छूट है, जबकि 'चाकरी' तो 'मालिक' की इच्छानुसार करनी होगी। नौकरी के साथ चाकरी का अर्थ वर्तमान संदर्भ में निष्ठा व ईमानदारी तथा निष्पक्षता के बजाय अंध राजनीतिक प्रतिबद्धता से हो गया है। इस अंध राजनीतिक प्रतिबद्धता में उचित-अनुचित, सही-गलत का विवेक नहीं रहता। मात्र वह कार्य जो सत्ता का समर्थन, सत्ता के स्थायित्व और स्वार्थ सिद्धि में सहायक हो वही अभीष्ट हो जाता है। इसमें राजनेताओं और नौकरशाही में एक दुरभि संधि हो जाती है और यह दुरभि संधि नाना रूपों से भ्रष्टाचार को जन्म देती है। नौकरशाही के तंत्र के एक पुर्जे के रूप में नौकर सत्ता की सही रीति-नीति का क्रियान्वयन करे यह तो उचित है। परंतु चाकरी में अंध राजनीतिक प्रतिबद्धता में राजनेता व नौकर मिलकर जनता का शोषण करने लगते हैं। हमें ऐसा तंत्र विकसित करना है जो नौकरी करे परंतु चाकरी नहीं।

नौकरी-चाकरी की ललक के साथ एक नई जमात इस देश में मसखरों की बढ़ रही है। नौकर-चाकर तो भ्रष्टाचार फैला रहे हैं तो ये मसखरे इस देश के सम्मान को घोर क्षति पहुंचा रहे हैं। मसखरे हर काल में रहे हैं। नाटक में इसे विदूषक कहते हैं। जब वातावरण काफी उदास, दुखांत तथा गंभीर हो जाता है तो मसखरे बनाम विदूषक का प्रवेश होता है। अंग्रेज़ी में इसे 'जोकर' कह सकते हैं। सर्कस में भी 'जोकर' हुआ करता है। जोकर का कार्य बड़ा कठिन होता है। सामान्यतया वह सबसे निपुण अभिनेता या पात्र होता है। आजकल अभिनय और राजनीति दोनों क्षेत्रों में जोकरों-मसखरों का प्राधान्य होता जा रहा है। राजनीति में माहिर राजनेता स्व.राजनारायण ने श्रीमती गांधी के विरुद्ध चुनाव लड़कर प्रसिद्धि प्राप्त की थी। वे केन्द्रीय मंत्री भी रहे। ऐसे राजनेता तो हमें स्वीकार हैं, परंतु ऐसे शीर्ष राजनेता जो अनावश्यक व असमय अपने विरोधियों के गले मिलें या आँख बिचकायें एवं समय-असमय कुछ भी कहें, देश व समाज में हास्यास्पद ही बनते हैं। नुकसान ही करते हैं–अपना भी, समाज का भी और राजनीति का भी।

फिल्म जगत में राजकपूर एक ऐसे सफल अभिनेता थे जिन्हानें गंभीर अभिनेता के साथ एक सफल हास्य अभिनेता के रूप में भी प्रसिद्धि प्राप्त की। उन्होंने एक फिल्म 'जोकर' भी बनाई थी जो काफी प्रसिद्ध हुई। वे स्वयं पर हास्य करके दूसरों को हंसाते पर कभी दूसरों की भावना को आहत नहीं करते। जॉनी वॉकर भी प्रसिद्ध हास्य अभिनेता रहे हैं। परंतु आजकल हास्य अभिनेताओं की एक नई जमात का उदय हुआ है जो देश और समाज का अपमान कर प्रसिद्धि प्राप्त करना चाहते हैं। ऐसे ही एक अभिनेता हैं 'वीरदास'। ये वीर हैं नाम से, काम से नहीं। ये विकृत मानसिकता और दासता के शिकार हैं। ऐसे लोग विदेशों में लोकप्रियता हेतु कहते हैं कि भारत ऐसा देश है जहाँ पुरुष दिन में महिलाओं का आदर दर्शाते हैं और रात्रि में उन पर बलात्कार करते हैं। आराम यह कि भारत बलात्कारियों और चरित्रहीनों का देश है। क्या विदेश में जाकर अपने देश की बुराई करना उचित है? यही नहीं कुछ वरिष्ठ राजनेताओं ने भी उनके सुर में सुर मिलाया। एक वे हैं जो देश के शिक्षा मंत्री रहे और दूसरे वे जो पाश्चात्य रंग में रंगे हुए हैं। हालांकि एक बुद्धिमान राजनेता ने इससे असहमति प्रकट की। हमें इस कुत्सित जोकरी की भर्त्सना कर निरुत्साहित करना चाहिये।

–अतिथि सम्पादक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

जीवन के तीन रंग: आपको कौन-सा रंग पसंद है?

अभी कुछ समय पहले की बात है कि सुबह सुबह मेरी क्लिनिक पर एक युवक आया, बेहद घबराया हुआ। कुर्सी पर बैठते ही बोला– 'जल्दी कीजिए, मेरा बीपी देखिए, मेरे हृदय की जांच कीजिए।' मैंने जांच के बाद में उसे पूछा कि– 'वह इतना घबराया हुआ क्यों है?' उसने बताया कि– कल रात को वह जयपुर के एक चिकित्सा विशेषज्ञ को दिखाने गया था। रात के कोई 11:00 बजे के आस-पास उसका नंबर आया। जब वह डॉक्टर साहब के कमरे में प्रविष्ट हुआ तो वे उसको देखकर ही बड़ी बेचारगी से बोले– अरे भाई, तुम लोग मुझे इतना क्यों सताते हो? मैं थक के चूर हो गया हूं। मैंने अपनी जिंदगी का एक भी दिन अपने लिए नहीं जिया है। मैं काम करते-करते अधमरा हो गया हूं। तुम लोग क्यों आते हो इतनी रात को इलाज करवाने? रोगी चकित हो गया, खैर, जैसे-तैसे उनको दिखाया। सुबह जब अखबार खोला तो पाया कि रात में उन डॉक्टर साहब को हृदयाघात हो गया था और वे दिवंगत हो गए। उस युवक ने सोचा कि देखो यह व्यक्ति इतना बड़ा डॉक्टर होकर एक भी दिन अपने लिए नहीं जी पाया, तो क्या मैं जी पाऊंगा? यही उसकी घबराहट का एकमात्र कारण था ।

अब दूसरी तरफ देखें तो मेरे एक मित्र एक ऐसे युवक को बहुत नज़दीक से जानते हैं जो कि जब भी मर्जी आती, अपनी साइकिल उठाता और जयपुर से दिल्ली तक चला जाता। अजमेर चला जाता, कहीं भी चला जाता। फिर उसके मन में आया कि साइकिल से ही विश्व भ्रमण किया जाए तो थोड़े बहुत पैसे इकट्ठे करके वह दुनिया घूमने निकल पड़ा। आज कई साल हो गए वह पूरी दुनिया घूम रहा है। जहां भी जाता है गांव के लोगों के पास रुक जाता है, कहीं दो दिन रुकता है,कहीं चार दिन। गांव के लोग उसको खाना खिलाते हैं, उसकी साइकिल की मरम्मत करते हैं और वह आगे बढ़ जाता है। वह अपने जीवन से बहुत संतुष्ट है। कहता है कि मेरा धरती पर आना सफल हुआ। अब उसके पास धन-दौलत तो नहीं है पर अनुभव है, उमंग है, जज्बा है और वह अपनी मस्ती में अपनी जिंदगी संतुष्टि के साथ जी रहा है।

अब एक तीसरी तरह का व्यक्तित्व भी होता है जिसका एक उदाहरण मैंने दो-तीन बार पढ़ा है। प्रसिद्ध उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला की पत्नी नीरजा बिड़ला के बारे में करीब 25 साल पहले एक पत्रिका में पढ़ा था। उन्होंने शादी के बाद का पहला हिस्सा अपने तीन बच्चों को पालने में लगाया। उनके बच्चे भी व्यापारिक घराने से संबंधित होने के बावजूद अपना अलग जीवन जीते हैं। बेटा क्रिकेटर है, जो रणजी खिलाड़ी है और आईपीएल में भी चयनित हो चुका है। एक बेटी गीतकार है और दूसरी बेटी मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। बच्चों के स्थापित होने के बाद नीरजा बिड़ला ने अपना व्यक्तिगत जीवन प्रारंभ किया। वे साइकिल की शौकीन हैं और उन्होंने अपने ग्रुप के साथ केरल और राजस्थान में बिना किसी पूर्व सूचना के गांवों की यात्रा की। उन्होंने लोगों के घरों में रुक कर खाना खाया, उनके जीवन को समझा। इसके अलावा नीरजा बिड़ला एक मोटिवेशनल स्पीकर भी हैं और मानसिक रोगों के क्षेत्र में भी काम कर रही हैं।

मोटे तौर पर देखें तो ये जीवन के तीन तरह के अंदाज हमें अपने चारों तरफ नजर आते हैं। एक तरफ तो काम ही काम, पैसा ही पैसा। दूसरी तरफ निष्क्रिक साहस, भ्रमण और जीवन को जानने की ललक। तीसरा जो है वह मध्य मार्ग है। जीवन की जिम्मेदारियों को पूरा किया जाए, सामाजिक और पारिवारिक पूर्णता प्राप्त की जाए और उसके बाद में जीवन को अपने अनुसार जिया जाए। आमतौर पर देखा गया है कि जो प्रसिद्ध हो, धनी हो, बड़े मकान में रहता हो, लंबी ऊंची कार रखता हो, बच्चे विदेश में शिक्षा प्राप्त कर रहे हों तो लोग कहते हैं कि बंदा बड़ी शानदार जिंदगी जी रहा है पर क्या वास्तव में यह सच है? या फिर सब बार्बी गुड़िया बने फिर रहे हैं। बकौल निदाफ़ाज़ली: –बाहर से गुड़िया हंसे, भीतर पोलमपोल/ गुड़िया से है प्यार तो, टांकों को मत खोल।।

धन, बल और प्रसिद्धि सुविधाएं दे सकते हैं, लेकिन इस बात की कोई गारण्टी नहीं है कि इनसे सुकून भी हासिल हो जाएगा। बड़े-बड़े धनिक, बड़े-बड़े राजा सम्राट, नामी-गिरामी लोग ऐसी जिंदगी जी कर गए हैं जिसमें उन्हें कभी भी पूर्णता का एहसास नहीं मिला। एक समय की प्रसिद्ध हिंदी फिल्म अदाकारा मीना कुमारी उन्होंने अपनी जिंदगी को अपनी एक रचना में सिर्फ चंद शब्दों में समेटा है :"सांस लेने को तो जीना नहीं कहते यारब"।

प्रसिद्ध डॉक्टर साहब थे उनकी जिंदगी उन्हीं के शब्दों में अपूर्ण रही। अब कहने को तो यह काम का जुनून या कर्तव्य का निर्वाह है पर वास्तविकता में धन कुबेर बनने की इच्छा भी मन के किसी कोने में छुपी रहती है। पर हम भूल जाते हैं कि कोई अकेला व्यक्ति चाहे कितने ही मेहनत करे, वह जीवन की सामान्य सुख-सुविधाएं तो अर्जित कर सकता है, धनकुबेर नहीं बन सकता है। ऐसा सोचना ही नादानी है और तकरीबन पूरा जीवन ही बिना जिए समय के गर्भ में समा जाता है। जो दूसरा उदाहरण है वह कई माने में ठीक है पर कुछ अन्य मापदंडों पर खरा नहीं उतरता है। इस तरह का जीवन तभी संभव है जब या तो आप वैराग्य का जीवन जीने का साहस रखते हों या पुश्तैनी तौर पर आपको आर्थिक संपन्नता विरासत में मिली हो वरना जीवन की विकटता और निष्ठुरता आप का इंतजार कर रही होती है।

जो तीसरा उदाहरण है नीरजा बिड़ला का, वह एक संतुलित जीवन है। अपनी जिम्मेदारियां पूर्ण की, अपने जीवन को विकसित किया और उसके बाद में अपनी इच्छाएं पूरी की लेकिन इसके लिए एक विशिष्ट स्थिति का होना आवश्यक है कि आपके लिए धन का उपार्जन कोई और लोग करें। जो अति धनिक लोग हैं वे आबादी का एक बहुत थोड़ा-सा प्रतिशत होते हैं जहां लोग कॉरपोरेशन बना कर काम करते हैं। इन लोगों के लिए हजारों दूसरे लोग काम करते हैं और उनके श्रम के फलस्वरूप ये लोग जिंदगी को दूसरे व्यक्तियों से अलग तरह से जीने की क्षमता रखते हैं। इन लोगों का मुख्य कार्य योजना बनाना, उसके लिए धन की व्यवस्था करना और योजना को सफल बनाना है। धन कुबेर ऐसे ही लोग बन सकते हैं बाकी की मंजिल धनी हो जाने तक सीमित होती है।

वैसे देखा जाए तो दुनिया के हर प्राणी का जीवन को जीने का अपना-अपना अलग अंदाज होता है । मानव जीवन के लिए देखा जाए तो धन-संपत्ति का संग्रहण एक अति प्रमुख आकर्षण होता है पर धन भी आवश्यक है और कार्य करना भी ज़रूरी है मगर किस हद तक और किस कीमत पर?

मनुष्य जीवन का कोई न कोई विशिष्ट उद्देश्य होना चाहिए। उद्देश्य बड़े छोटे हर तरह के होते हैं। जिस समाज की वजह से आपने धन कमाया, नाम कमाया, सुख-सुविधाएं भोगी तो एक समयोपरांत कुछ हिस्सा वापस भी समाजोपयोगी कार्यों में लगाओ। जीवन में यदि आपने अनुभव इकट्ठे किए तो उसकी पूंजी भी उम्र के एक मोड़ पर आकर चारों तरफ बांटो, एक जीवन दर्शन लोगों को भी उपलब्ध करवाओ। आपने क्या जाना, क्या जान कर भी नहीं माना, कहां गलतियां हुई, कहां कुछ और किया जा सकता था – इसी तरह के बहुत सारे आयाम हैं जिनको कि आदमी उम्र के साथ सबके साथ बांट सकता है।

याद रहे सिर्फ नारे लगाने से, जोर-जोर चीखने से देश का निर्माण नहीं होता है। देश या समाज का निर्माण सदा ही छोटी-छोटी बातों से अपने चारों तरफ परिवर्तन लाने पर ही होता है। सबको धन, मान-सम्मान, ज्ञान प्राप्त करने का अधिकार है और उस की कोशिश भी करनी चाहिए, लेकिन यह सब हमारे आसपास के जीवन को समझने की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

हर सफल और संपन्न व्यक्ति के जीवन में वह मोड़ जरूर आता है जब उसको महसूस होता है कि धन और सफलता के माने अब उसके जीवन में वैसे नहीं रहे जैसे प्रारंभिक अवस्था में थे। बेहतर जिंदगी जीने के लिए हमें उस मोड़ को, उस परिवर्तन को पकड़ना होता है। पर हम उससे आगे निकल जाते हैं और फिर एक ऐसे भटकाव में चले जाते हैं जहां से हम वापस जीवन में लौट नहीं पाते या फिर लौटने के लिए बहुत देर हो चुकी होती है।

डॉ. रामावतार शर्मा,
चिकित्सक एवं लेखक

पानी पिलाने वाली सहायककर्मी को एईएन ने हाथों से पिलाया पानी

राजगढ़, (निसं)। अलवर कस्बे के जेवीवीएनएल सहायक अभियंता कार्यालय में 38 वर्षों तक के विभागीय कर्मचारी अधिकारियों के साथ आमजन को पानी पिलाने वाली सहायक कर्मचारी सरियम को सहायक अभियंता दीपक शर्मा ने अपने हाथों से पानी पिला कर सहायक कर्मचारी की सेवानिवृत्ति को यादगार बना दिया। पिनान निवासी सहायक कर्मचारी सरियम पत्नी सुभान पिछले 38 वर्षों से सहायक अभियंता कार्यालय राजगढ़ में कार्यरत रही। इस दौरान अधिकारी एवं आमजन को पानी पिलाने के कार्य में सेवा भाव को ऊंचाई प्रदान करने में महिला ने कसर नहीं छोड़ी। इधर 30 नवंबर को उनकी सेवानिवृत्ति पर सेवा भाव से किए गए कार्यों की सभी ने सराहना की वहीं सहायक अभियंता दीपक कुमार ने अपने हाथों से पानी पिला कर गाड़ी में बिठा सम्मान पूर्वक विदाई दी।

उत्तरप्रदेश से आए मंदबुद्धि युवक को परिजनों से मिलाया

सादुलपुर, (निसं)। उत्तर प्रदेश के शामली जिले से भटक कर आए हुए एक मंदबुद्धि युवक को उसके परिजनों तक पहुंचाकर स्थानीय आरपीएफ कांस्टेबल कर्मपाल चौधरी तथा बेवड गांव के इंजिनियर महेश ने मानवता का परिचय दिया ।

सोनू नाम का मंदबुद्धि युवक दो रोज पूर्व बेवड गांव में पहुंचा। तथा उक्त युवक को गांव में महेश ने देखा। पूछताछ पर वह अपने बारे में पूरा विवरण नहीं दे पाया। इंजीनियर महेश ने उसे घर पर रखा। प्रयास करने पर पता लगा कि युवक शामली जिले के गागोर गांव निवासी है तथा अपने पिता का नाम शौकीन बताने के अलावा कुछ और नहीं बता पाया । जानकारी मिलने के बाद महेश ने सादुलपुर रेलवे पुलिस बल के सिपाही कर्मपाल चौधरी को इस बारे में जानकारी दी । कर्मपाल इससे पहले भी उत्तर प्रदेश के कई लापता व्यक्तियों को उनके परिजनों तक पहुंचा चुका है।

तीन माह पूर्व घर से लापता मंदबुद्धि युवक की पहचान कर उसके परिजनों को सुर्पूद किया।

कर्मपाल ने दिन रात एक कर शामली आरपीएफ को इत्तला पहुंचाई। इसके बारे में पूरी जानकारी मिल सकी। मंगलवार को सोनू के पिता शौकीन तथा भाई मोहन बेवड पहुंच गए, जहां पर तस्दीक तसल्ली करने के बाद युवक को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। परिजनों ने बताया कि सोनू तीन माह से लापता चल रहा था। उसकी खोज करने के बाद भी इसका पता नहीं लग पाया। इस बारे में पुलिस रिपोर्ट भी की हुई है।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 : नवलगढ़ जिले में टॉप

झुंझुनूं/नवलगढ़, (निसं)। स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में जिले में प्रथम तथा प्रदेश में 14 वें स्थान पर नवलगढ़ नगरपालिका रही है। इस सर्वे में देश के करीब चार हजार से ज्यादा शहरों को शामिल किया गया है। नवलगढ़ नगर पालिका स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 अभियान के तहत भारत सरकार द्वारा जारी किए गए परिणाम में नगर पालिका नवलगढ़ प्रशासन के अथक प्रयासों से जोन रैंकिंग में झुंझुनूं जिले में प्रथम व राजस्थान में 14वें स्थान पर रही है। वहीं पूरे भारत में 119वें स्थान पर रही।

इधर, परिणाम जारी होने के बाद पालिकाध्यक्ष शोयब खत्री ने प्रसन्नता जताते हुए पूरी नगर पालिका टीम के साथ-साथ सफाई कर्मचारियों को इस महत्वपूर्ण योजना में महत्वपूर्ण रोल अदा करने पर आभार जताया। वहीं ईओ राकेशकुमार रंगा ने सफाई निरीक्षक ललित शर्मा सहित सभी सफाई कर्मचारियों को इस मुकाम के लिए धन्यवाद दिया।

बैलगाड़ी से पहुंची बरात, देखने वालों की भीड़ लगी

परंपरा को जीवित रखने और पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। आधुनिक दौर में जहां दूल्हा पक्ष के लोग लग्जरी गाडियों से दुल्हन के दरवाजे पर बारात लेकर पहुंचते हैं वहीं मंगलवार को दूल्हा व गुर्जर बारातियों को बैलगाडी में बैठाकर दुल्हन के घर जा पहुंचा। इस दृश्य को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान लोग अपने मोबाइल में सेल्फी लेते नजर आए

बता दे कि दूल्हा अपनी पुरानी परंपरा को जीवित रखने और पर्यावरण को बचाने के लिए बैलगाडी से बारात लेकर दुल्हन के घर तक पहुंचा । यह बारात आसींद के झामरा का बाडीया निवासी एकलिंग गुर्जर पुत्र तेजमल गुर्जर ने डोली और बैलगाड़ी को आकर्षक ढंग से सजाकर ब्याह रचाने निकले थे जो 4 किलोमीटर दूरी स्थित कटार गांव की मीना देवी गुर्जर पिता तेजू गुर्जर के घर पहुंची । जहां विधि विधान से तेजू राम गुर्जर की पुत्री मीणा का विवाह संपन्न हुआ।

- **लोग अपने मोबाइल में सेल्फी लेते नजर आए**

वर्तमान समय में अगर कोई यह कहे कि किसी की बारात बैलगाड़ी में जाएगी तो लोगों को विश्वास नहीं होगा कई वर्षों बाद पुरानी परंपरा से निकली बारात आज चर्चा का विषय बन गई है । बारात जिस गांव और चौराहे से निकली वहां लोग बरात को देखने के लिए अपने अपने घरों से बाहर निकल गए। बैल गाडियों को खींच रहे सभी बैलों के गले में घंटी बंदी थी जो शुभ बेला की घड़ी की याद दिला रही थी। दूल्हा एकलिंग गुर्जर ने बताया कि प्रदूषण से जनजीवन पर पड़ रहे प्रभाव को लेकर लोग जागरूक हो इसलिए मैंने पुरानी परंपरा को जीवित करने की पहल की है।

बैलगाड़ी में जाती बारात।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 1 दिसम्बर, 2021

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2078, चित्रा नक्षत्र सायं 6:47 तक, सौभाग्य योग रात्रि 8:44 तक, कौलव करण दिन 12:55 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 7:45 पर तुला राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

आज राजयोग सायं 6:47 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:34 तक, शुभ 10:17 से 12:16 तक, चर 2:52 से 4:11 तक, लाभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:02, सूर्यास्त 5:29

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बढ़ेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में आपसी वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

सिंह
परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
धार्मिक-मांगलिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। शुभ कार्य पर धन खर्च हो सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु
अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा ठीक रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ
अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन खर्च पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ का सम्मेलन संपन्न

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के दो दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन के दूसरे दिन मंगलवार को प्रातः साढ़े दस बजे बांगड़ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पाली में प्रदेश उपाध्यक्ष राधेश्याम सोनी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संगठन के जिलाध्यक्ष संजीव शर्मा जिलामंत्री रतन बारूपाल ने बताया कि बैठक में शिक्षकों से गैर शैक्षिक कार्य जैसे बी एल ओ, वैक्सिनेशन रजिस्ट्रेशन आदि करवाने का विरोध किया गया। गैर शैक्षिक कार्यो से विद्यार्थियों की पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

संघ के जिला कोषाध्यक्ष दलपतराज रांकावत ने कहा कि शिक्षकों का मूल कार्य पढ़ाना है, गैर शिक्षक कार्य करते रहने से शिक्षण कार्य समय पर नहीं होता, जिससे पाठ्यक्रम समय पर पूरा करवाने में समस्या आती है।

जिला सभाध्यक्ष नीमाराम देवासी ने व्याख्याता में पदोन्नित के लिए स्नातक व स्नातकोत्तर में समान विषय होने की बाध्यता हटाने का समर्थन किया।

संघ के प्रयोगशाला प्रतिनिधि नरेश बोहरा, घनश्याम चौहान व बृजमोहन गहलोत ने वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक पद की डीपीसी हर वर्ष समय पर करवाने की मांग की।

संयुक्त मंत्री दिलदार बागवान, नारायणलाल जोशी ने शिक्षकों और विभाग के कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति जिला प्रशासन के विभिन्न कार्यालयों से तुरंत हटाने को कहा। महिला जिलाध्यक्ष नीलिमा अचलावत, संयुक्त मंत्री ललिता मूलचंदानी, महिला मंत्री हिम्मत पटेल ने नयी पेंशन योजना बंद कर पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग की।

कार्यकारिणी की बैठक में घनश्याम चौहान, भगवतीलाल जोशी का बहुमान किया गया।

वही आकस्मिक कारण से कल के अधिवेशन में नहीं आ पाये सम्मेलन के मुख्य अतिथि पाली विधायक ज्ञानचंद पारख, अति विशिष्ट अतिथि नगर परिषद् सभापति रेखा भाटी व पार्षद राकेश भाटी का उनके आवास पर साफे, शॉल व माला द्वारा सम्मान किया गया। दूसरे दिन की बैठक में राजेंद्र राखेचा, धीरज शर्मा, धीरज, प्रकाश, निरंजन, श्रवण चौहान, संध्या दवे आदि कई शिक्षक उपस्थित थे।

राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों ने पाली विधायक ज्ञानचंद पारख का सम्मान किया। फोटो-राष्ट्रदूत

राज्य जूनियर एथलेटिक्स प्रति. के लिए जालोर की टीम घोषित

जालोर, (कासं)। श्रीगंगानगर में 9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय जूनियर एथलेटिक प्रतियोगिता के लिये जालोर जिले के खिलाड़ियों की अन्तिम चयन सूची एथलेटिक संघ के जिलाध्यक्ष भरत मेघवाल ने जारी की गई।

जिला एथलेटिक संघ के सचिव कन्हैयालाल मिश्रा ने बताया कि 21 नवम्बर को जिला क्रीडा स्थल पर आयोजित हुई। जिला स्तरीय जूनियर एथलेटिक प्रतियोगिता के परिणाम व उचित मानदण्ड पूरा करने वाले धावकों का चयन राज्य स्तर के लिये किया गया है। राज्य स्तर के लिये जिले की टीम में 20॰वर्ष आय ुवर्ग बालक विकास मेघवाल, वेरसीराम, विशाल कुमार, प्रकाश कुमार, 18वर्ष आयुवर्ग बालक सादलाराम,जामाराम देवासी, सुरेन्द्र नाथ, विकास, 16 वर्ष आयुवर्ग बालक अजयपाल सिंह का चयन किया।

14 वर्ष आयु वर्ग बालक केशव शर्मा,प्रणव खत्री,आदित्य सिंह का चयन किया गया। वही 20॰वर्ष आयुवर्ग बालिका नीता कुमारी,कृष्णा कँवर,तनु राठौड़, 18 वर्ष आयुवर्ग बालिका विधी जांगिड, विजेता धोलिवाल, मनीषा कंवर, 16 वर्ष आयु वर्ग बालिका सुनीता, नेहा सुथार, 14 वर्ष आयुवर्ग बालिका रवीना राव, कुसुम सुथार, राधिका सेन का चयन किया गया।

शिविर मे बच्चों के लिए चित्र प्रतियोगिता हुई

जोधपुर में हर माह आयोजित होने वाले निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर की कड़ी में 277 वें कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में 287 जनों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर दवा का वितरण किया गया।

जोधपुर, (कासं)। हर माह आयोजित होने वाले निःशुल्क मिर्गी रोग की कड़ी में 277वें कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में 287 मरीजों का परीक्षण कर दवा का वितरण किया गया।

इस बार डूर्फा फार्मा के एम डी के के खत्री ने कंपनी की तरफ से बच्चों के लिए चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया। बच्चों को स्वच्छ भारत और पर्यावरण बचाने की पेंटिंग या कोई स्लोगन लिखने को कहा गया। 15 बच्चों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। अगले माह आयोजित कैंप में इसमें से तीन बच्चो को पुरस्कार के रूप में धन राशि दी जाएगी। डॉ. नगेंद्र शर्मा ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता हर दो साल में एक बार उन बच्चो में करवाई जाती है जो इलाज के दो वर्ष पूरे कर लेते हैं।इससे इन बच्चो के बौद्धिक स्तर का पता लगाया जा सकता है और यह भी पता लगता है कि बीमारी के साथ साथ ये मानसिक स्तर पर भी स्वस्थ हो रहे हैं की नहीं।

शिविर संयोजक किशन प्रजापत के अलावा दौलत सोनी , कमलेश व्यास, वंदना राठौड, राहुल सेन, कैलाश दइया, दिलबाग सिंह, हरीश कुमार ने अपनी सेवाएं दी। डॉ. नगेन्द्र शर्मा ने लायंस क्लब के सभी पदाधिकारियों का व्यवस्था के लिए आभार व्यक्त किया।

आशा सहयोगिनियां बेहतर स्वास्थ्य सेवा दें : भाटी

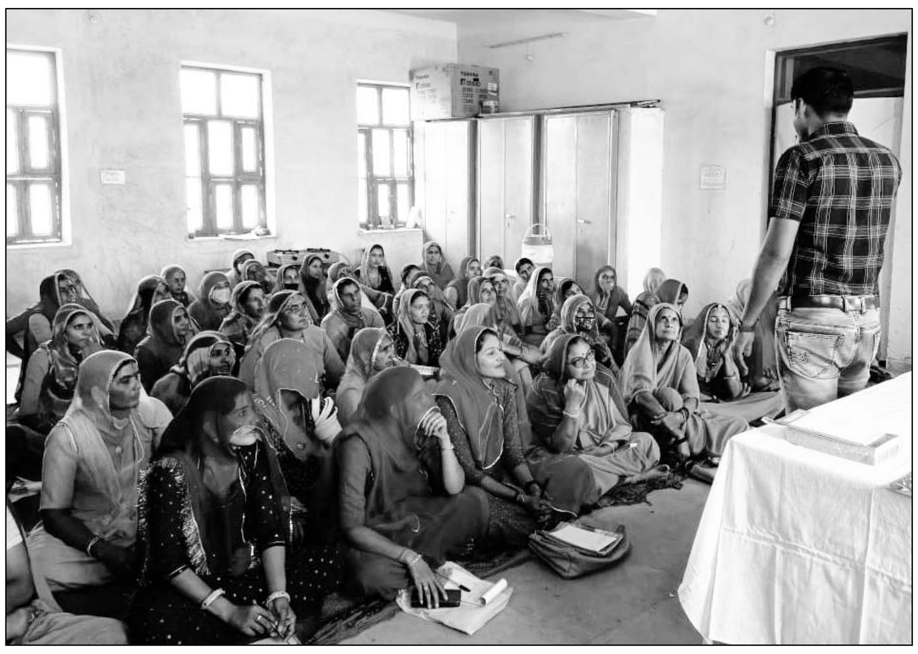

बाड़मेर के धोरीमन्ना में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पेयजल पोषण समिति (वीएचएसएनसी) सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। फोटो-राष्ट्रदूत

बाड़मेर, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग बाड़मेर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एल बिश्नोई के निर्देशन में खण्ड धोरीमन्ना में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पेयजल पोषण समिति (वीएचएसएनसी) सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया।

प्रशिक्षण के दौरान जिला आशा समन्वयक राकेश भाटी ने उपस्थित सदस्यों को वीएचएसएनसी के उद्देश्य एवं कमेटी के गठन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भाटी ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करते हुए स्वास्थ्य सूचकांकों में वांछित परिवर्तन लाना है, इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य संस्थाओं को सक्षम बनाने के अलावा समुदाय स्तर पर अनेक कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

मिशन के तहत प्रत्येक राजस्व गांव में ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता पेयजल एवं पोषण समिति वीएचएसएनसी का गठन किया गया है। इस समिति में 15 सदस्य होते है। जिसमे सरपंच या वार्ड पंच इस कमेटी के अध्यक्ष एवं आशा सहयोगिनी सचिव होती है। ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता पेयजल एवं पोषण समिति के सदस्यों को समूह के रूप में कार्य करने के लिए सक्षम बनाना, गांव के स्वास्थ्य मुद्दो पर कार्य करने के लिए योजना का निर्माण करना है।

भाटी ने प्रशिक्षण के दोरान उपस्थित सदस्यों को बताया की ग्राम स्तर पर गठित कमेटी के माध्यम से स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा की जानी चाहिये एवं समुदाय को स्वास्थ्य सेवाओ से जोड़ कर आमजन को स्वास्थ्य सेवाये उपलब्ध करवानी चाहिए। उक्त प्रशिक्षण जिला स्तर से जिला आशा समन्वयक राकेश भाटी, बीएचएस खियाराम, राजेश कुमार कुमार, बीएचएस रमेश कुमार एवं पीएचएस करण सिंह द्वारा दिया गया।

कक्षा कक्षों का शिलान्यास

जसवंतपुरा,(निसं)।स्थानीय राजकिय महात्मा गांधी अंग्रजी माध्यम विद्यालय में भामाशाहों के सहयोग से कक्षा कक्षों का विधिवत शिलान्यास किया गया। भामाशाहों, शिक्षा प्रेमी एवं विद्यालय परिवार की उपस्थिति में भूमि पूजन किया गया।

संस्था प्रधान सौभागचंद जोशी ने सभी भामाशाहों का आभार प्रकट कर धन्यवाद दिया एवं कहां कि मुझे खुशी है कि भामाशाहों द्वारा अल्प समय में निर्णय लिया एवं कक्षों का निर्माण शुरू हुआ। साथ ही संस्था प्रधान ने कहां कि सर्दी होने के कारण विद्यार्थियों को विशेष कर कक्षा प्रथम से पांच तक के छात्र छात्राओं को समस्या होती है।

उन्होंने उपस्थित भामाशाहों से स्वेटर की व्यवस्था करने का आग्रह किया तो तुरन्त सरपंच प्रतिनिधि मोडाराम प्रजापत ने सभी कक्षा प्रथम से पांच के छात्र छात्राओं के लिये स्वेटर देने की घोषणा की। भगवतसिंह राणावत ने निर्माणाधीन कक्षा कक्षों के बारे में बताया कि कक्ष प्रथम मंजिल पर एक सांसद कोटे से एवं एक कमरा स्थानीय भामाशाहों के सहयोग से बनेगा।

खण्ड शिक्षा अधिकारी त्रिकमाराम देवासी ने भामाशाहों को धन्यवाद दिया।

सांसद देवजी पटेल, रामसिंह जीतपुरा, मोतीलाल राजपुरोहित, धनाराम प्रजापत, मोडाराम प्रजापत, विक्रम पुरोहित, नगाराम प्रजापत, भगवत सिंह राणावत, जेतमल खंडेलवाल, जसवंत प्रजापत, पोमाराम चौधरी, भैराराम चौधरी गजापुरा, सोमताराम चौधरी, नथाराम चौधरी पादर, जवानाराम आदि भामाशाहों के सहयोग से कक्षा कक्षों का निर्माण हो रहा है। प्राचार्य विक्रमसिंह चारण, रामसिंह धुरपडा, फुलचंद खंडेलवाल, विक्रम पुरोहित ने भी संबोधित किया।

जालमसिंह देवल, महेन्द्रसिंह राव, नेताराम चौधरी आदि उपस्थित रहे।

जोधपुर में एम.जी.एच. अस्पताल के पूर्व अधीक्षक पी.सी. व्यास को सेवानिवृति पर भावभीनी विदाई दी गई।

बिजलीकर्मी की करंट से मौत

जोधपुर, (कासं)। बोरानाडा सालावास बिजलीघर में लगे बिजलीकर्मी की करंट लगने से मौत हो गई। वह विद्युत खंभे पर चढक़र लाइन दुरूस्त कर रहा था। घायलावस्था में एमडीएमएच लाया गया। कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। मृतक के चचेरे भाई की रिपोर्ट पर बोरानाडा पुलिस ने मर्ग की कार्रवाई की।

थानाधिकारी किशनलाल ने बताया कि घटपार शिवपुरा निवासी नरेंद्र पटेल की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका चचेरा हरिश पुत्र सांवलराम पटेल सालावास स्थित बिजलीघर में हैल्पर के पद पर कार्यरत था। वह विद्युत लाइन दुरूस्त करने के लिए खंभे पर कार्य कर रहा था। तब करंट लग गया।

जालोर के प्रद्युम्न भटनागर ने देश में पांचवा, राज्य में पहला स्थान पाया

जालोर, (कासं)। ज्ञानदीप शिक्षा मंच (एक सार्थक पहल) की ओर से राष्ट्र स्तरीय ऑनलाइन फैंसी ड्रैस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जालोर के प्रद्यम्न भटनागर ने भारत में पांचवा व राजस्थान में प्रथम स्थान हासिल किया।

संस्था की उपाध्यक्ष अनिशा बानु सिलावट ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भारत के विभिन्न राज्यों से भाग लिया उसके तहत 5 से 9 वर्ष में जालोर के प्रद्युम्न भटनागर पुत्र नितेश भटनागर ने पूरे भारत मे पाँचवा वा स्थान व राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त कर के जिले का ही नही पूरे राजस्थान का नाम रोशन किया है।

ऑनलाइन फैंसी ड्रैस प्रतियोगिता में 5 से 9 व 10 से 16 वर्ष के 24॰ बच्चों ने भाग लिया। सबसे पहले संस्था के अध्यक्ष लखविन्द्र सिंह रतन ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज किया। वहीं मुख्य अतिथि, विशेष अतिथि, प्रतिभागियों और कार्यक्रम में जुड़े अध्यापकों व अन्य सभी का स्वागत करते हुए संस्था के उद्देश्यों से अवगत करवाया।

इसके पश्चात गुजरात से मुख्यातिथि के रूप में कार्यक्रम से जुड़े डॉ. आर. बी. संगानी का परिचय करवाया गया। प्रतियोगिता में विजय हुए प्रतियोगी 5 से 9 वर्ष समूह में प्रथम स्थान पर दिल्ली की दीक्षा, द्वितीय स्थान पर कर्नाटक की टी. नंदिनी व तृतीय स्थान पर जम्मू कश्मीर की आलिया थापा रही। 10॰ से 16 वर्ष समूह में प्रथम स्थान पर मध्य प्रदेश की वेदांशी गोयल, द्वितीय स्थान पर असम की रीज कश्यप व तृतीय स्थान पर कर्नाटक की अंजुम डी. के. रही।

प्रतियोगिता में भाग ले रहे प्रत्येक बच्चे को ई-सर्टिफिकेट दिया गया। विशेष रूप से आमंत्रित उभरती गायिका तरन्नुम वशिष्ठ ने अपने गीतों से बच्चों का हौंसला बढ़ाया।

मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस प्रतियोगिता में बच्चों का जोश देखते ही बनता है। उन्होंने बच्चों का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि आज के बच्चे कल के चमकते हुए सितारे है।

निर्णायक मण्डल में पंकज पसरीजा, वीणा चौबे, प्रवीण भाई खाचर व डॉ. सीमा मोहन ने अपनी भूमिका निभाई। किशोर सिंह जडेजा ने कार्यक्रम का ऑनलाइन संचालन किया। जबकि मंच का सफल संचालन संजय कुमार ने किया।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष अनिशाबानु सिलावट, सैयद मंजर हसन, सरिता शर्मा, चेतना जोशी, माधुरी चौबे, अजय शर्मा, नत्थू राम, गगनदीप सिंह तग्गड, दिनेशचंद्र सिंह, सुषमा थापा, चित्ररेखा जाधव सहित कई अन्य अध्यापक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

मजदूरों ने सी.एम.का पुतला फूंका

पाली, (नि.सं.)। कलेक्ट्रेट के सामने पिछले 2 वर्ष से धरने पर बैठे रीको जल परिशोधन संयंत्र कर्मचारी संघ के कर्मचारियों ने मंगलवार को अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का पुतला फूंका और कांग्रेस सरकार के विरुद्ध नारे लगाए। इसके बाद जिला कलेक्टर के नाम एसडीएम को सीईटीपी फाउंडेशन द्वारा गत 1 अगस्त 2020 को रोजगार से मुक्त किए गए श्रमिकों का रोजगार बहाल करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि 2 साल पहले हम कर्मचारियों को सीईटीपी ट्रस्ट ने रोजगार से मुक्त कर दिया था। जिनकी शासन और प्रशासन द्वारा आज तक कोई समाधान नहीं किया जा रहा है। श्रमिक लगभग 25 साल से निरंतर वहीं पर कार्यरत थे। आए दिन मैनेजमेंट नए नए श्रमिकों को रोजगार दे रहा है लेकिन जिला मुख्यालय के बाहर बैठे श्रमिकों को किसी प्रकार से कोई समाधान नहीं चाह रहा। इस मामले में हस्तक्षेप करके जल्द से जल्द समाधान करवाने की कृपा करें अन्यथा श्रमिकों को बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होना पड़ेगा। इस मौके पर अध्यक्ष अशोक बाल्मीकि, विक्रम परिहार, कुंदन सिंह, कालूराम, रोशन लाल, डूंगरराम, पेमाराम, जगदीश, हनसा राम आदि मजदूर मौजूद रहे।

पोकरण में भाजपा पदाधिकारियों का स्वागत

पोकरण, (निसं)। भाजपा नगर मंडल पोकरण के तत्वावधान में मंगलवार को मंडल कार्यकारिणी में नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत सम्मान कार्यक्रम शहर के जोधपुर रोड स्थित सुगन गार्डन में आयोजित किया गया।

आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश सारडा, पूर्व जिलाध्यक्ष जुगलकिशोर व्यास, पूर्व विधायक शैतानसिंह राठौड, प्रधान भगवतसिंह तंवर, नगर मंडल अध्यक्ष मुकेश शर्मा, महंत प्रतापपुरी के शिष्य मदन देवासी, पालिका अध्यक्ष मनीष पुरोहित, जिला महामंत्री सवाईसिंह गोगली, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष उदयसिंह भाटी, नगर मंडल उपाध्यक्ष सुरेन्द्रसिंह चंपावत व रमेश टावरी सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजित समारोह में नवनियुक्त भाजयुमो के नगर मंडल अध्यक्ष अनिल रंगा, ओबीसी मोर्चा के नगर मंडल अध्यक्ष चंद्रप्रकाश माली, नगर मंडल मंत्री अचलाराम प्रजापत, लीलाधर जीनगर, भाजयुमो के जिला मंत्री दीपक गहलोत, सांगसिंह छायण, कार्यालय प्रभारी मनीष सैन व नगर मंडल मंत्री हरीश छिपा का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुशील व्यास ने किया।

महामंत्री व मीडिया प्रभारी भोमराज माली ने आगुंतकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश सारडा ने कहा कि भाजपा में परिवारवाद नहीं है, यही उसे दूसरी पार्टियों से अलग बनाता है। पार्टी का आधार सेवा, संकल्प और समर्पण पर टिका है। बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष जुगल किशोर व्यास ने कहा की ज्ञान सिर्फ किताबों से नहीं मिलता, लोगों के बीच काम करने से तजुर्बा आता है। इसलिए पार्टी में सभी कार्यकर्ता व पदाधिकारी एकजुट होकर कार्य करे। पूर्व विधायक शैतानसिंह राठौड व मंडल अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने कहा कि भाजपा ने आज केंद्र में जो स्थान पाया है, उसका बहुत बड़ा कारण ये है कि पार्टी सामान्य व्यक्ति से हमेशा जुडी रहती है। उन्होंने कहा की बीजेपी देश की सबसे पुरानी पार्टी है। पार्टी में कार्यकर्ता से लेकर संगठन तक के पदाधिकारियों सबकी भूमिका होती हैं। युवा उद्यमी व उपाध्यक्ष सुरेन्द्रसिंह चंपावत ने भी पार्टी के लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान पार्षद दिनेश व्यास, जितेन्द्रदयाल बोहरा, माणक चंदेल,शिवसिंह चंपावत, कुंभसिंह चंपावत,आशीष जोशी, देवेन्द्र व्यास, दमाराम प्रजापत, अशोक सैन, गोविंद चावला, नकताराम ओड व सुमेरसिंह उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि दी

रानी, (निसं)। उपखंड कार्यालय रानी में कार्यरत कनिष्ठ सहायक ताराराम मीणा का आकस्मिक निधन हो जाने पर कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।वरिष्ठ सहायक दलपतसिंह ने बताया कि उपखंड अधिकारी रविकान्त सिंह , तहसीलदार सुनीता चारण आदि ने दो मिनट का मौन रखा।

साइबर अपराधों से बचने के गुर बताए

जोधपुर, (कासं)। लगातार बढ़ते जा रहे साइबर अपराध से जुड़े मामलों पर अंकुश लगाने के लिए सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर कई तरह के प्रयास चल रहे हैं। इसी बीच जोधपुर के सामाजिक संगठन सत्यमेव जयते सिटीजन सोसायटी और इंस्टिट्यूट ऑफ लीडरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट के तत्वावधान में कॉलेजों और स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मथुरादास माथुर अस्पताल परिसर में स्थित नर्सिंग कॉलेज में साइबर अपराध रोकथाम जागरूकता सेमिनार में नेशनल सिक्योरिटी डेटाबेस से इंटरवेंशन ऑफिसर अमृता एस दूदिया ने साइबर अपराधों से बचने की गुर बताए। सत्यमेव जयते सिटीजन सोसायटी की अध्यक्ष विमला गट्टानी, एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर एस एस राठौड़ अदि मौजूद थे।

धमकाने व पैसा मांगने का आरोप लगाते हुए सरपंचों ने ज्ञापन दिया

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर जिले की ग्राम पंचायत सावलोर में चल रहे मनरेगा कार्यों की शिकायत की जांच करने आए जांच अधिकारी पर सांवलोर सरपंच ने धमकाने व पैसा मांगने सहित मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए जिला सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष हिन्दू सिंह तामलोर के नेतृत्व में कलेक्टर को मुख्यमंत्री एवं पंचायती राज विभाग को ज्ञापन सौंपा।

जिला सरपंच संघ की और से जिला कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि ग्राम पंचायत सावलोर पंचायत समिति चौहटन में आयुक्त (ईजीएस) ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग राजस्थार जयपुर के आदेशो के क्रम में निदेशक, सामाजिक लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं पारदर्शिता सोसायटी राजस्थान जयपुर के द्वारा एक जांच दल का गठन कर लेखाधिकारी (एसएसएएटी) जयपुर के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच कमेटी को शिकायत की जांच के लिए ग्राम पंचायत सांवलोर में 27 से 29 सितंबर के लिए भिजवाया गया था। जिसमें जांच अधिकारी द्वारा जानबूझकर ग्रामीणों व ग्राम पंचायत के कार्मिकों को दबाव देकर खाली कागज पर हस्ताक्षर करवाकर उस पर मनमाने ढंग से बयान लिखकर जांच के नाम पर प्रताड़ित करने, बार – बार जयपुर आकर मिलने एवं जांच अधिकारी द्वारा संचालित अनाथ आश्रम के नाम पर 51 हजार रुपये का चंदा देने का अनुचित दबाव बनाया गया। जिसको सरपंच द्वारा मना करने पर उनके विरूद्ध लाखों रूपयों की वसूली निकालने की धमकी दी गई। ज्ञापन में बताया गया कि उपरोक्त जांच कमेटी द्वारा जिस शिकायत की जांच की गई। उसकी जांच पूर्व में जिला परिषद बाड़मेर से अधिशाषी अभियंता एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा की जा चुकी थी। इसके बाद भारत सरकार द्वारा गठित केन्द्रीय दल जिसमें श्रीमती नीता केजरीवाल, संयुक्त सचिव व एस .आर. मीना, उपसचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा भी शिकायत की जांच मौके पर आकर की गई तथा शिकायत को पूर्णतयाः असत्य व निराधार मानते हुए ग्राम पंचायत द्वारा किये हुये कार्यों की सराहना की। कार्यों के संबंध में किसी प्रकार की शिकायत नहीं हैं। ग्रामीणों ने पुनः अपना लिखित में बयान दिया, जिसे ज्ञापन के साथ सौंपा गया। सरपंच संघ ने मांग की है कि जांच अधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई हुए इस शिकायत की जांच पूर्व में जिला स्तर एवं केन्द्रीय दल द्वारा की गई जांच के आधार पर शिकायत निरस्त करवाये। चेतावनी दी कि खुमाराम भील सरपंच ग्राम पंचायत सांवलोर को परेशान किये जाने के विरोध में सरपंच संघ को आन्दोलन के लिए उतरना पड़ेगा।

आज डिगाडी कलां व पाल के खसरों के लिए शिविर

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा प्रशासन शहरों के संग अभियान के अन्तर्गत बुधवार को जोन पूर्व ग्राम डिगाडी कलां के पूर्व अनुमोदित एवं नवीन प्रस्तावित खसरों के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, डिगाडी कलां, जोधपुर तथा जोन दक्षिण ग्राम पाल खसरा संख्या 235/1, 212, 209/4/1 व 209/4/2, 236, 272 मय बट्टा नं. 199 मय बट्टा नं 173, 250, 234 व 234/1, 496, 239, 235, 187 व 188, 100, 209/3, 178 बट्टा नं 84/3, 84/4, 72 मय बट्टा नं., 82, 250/1 के लिए ग्राम पंचायत भवन पाल में प्रातः 10 बजे से सांय 6 बजे तक शिविर का आयोजन रखा गया है।

इसी प्रकार गुरूवार को जोन उत्तर ग्राम जोधपुर के समस्त अनुमोदित खसरों हेतु सामुदायिक भवन, तिलक नगर-।। भदवासिया जोधपुर तथा शुक्रवार को जोन दक्षिण ग्राम पाल खसरा संख्या 235/1, 212, 209/4/1 व 209/4/2, 236, 272 मय बट्टा नं. 199 मय बट्टा नं 173, 250, 234 व 234/1, 496, 239, 235, 187 व 188, 100, 209/3, 178 बट्टा नं 84/3, 84/4, 72 मय बट्टा नं., 82, 250/1 के लिए ग्राम पंचायत भवन पाल में शिविर का आयोजन रखा गया है।

प्राधिकरण द्वारा आयोजित शिविरों में उपायुक्त नीरज मिश्र, राजेन्द्रसिंह चांदावत, अनिल कुमार पूनिया, चंचल वर्मा अपने-अपने जोन में अधिनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित मौजूद रहे। प्राधिकरण के मंगलवार को शिविर के दौरान ग्राम उचियारडा, खारडा रणधीर, बासनी बैंदा, गैंवा, चौपासनी, खोखरिया के विभिन्न खसरों के लिए शिविरों को आयोजन कर आमजन को आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करते हुए पट्टों का वितरण किया गया। शिविर में पट्टा, नाम हस्तांतरण, भवन निर्माण अनुमति, उपविभाजन, संयुक्तिकरण, बेचना अनुमति, लीज राशि जमा करवाने इत्यादि कार्यों निस्तारण हो रहा है।

हाईकोर्ट में आदर्श सोसाइटी के निवेशकों की सुनवाई के बाद पैसे मिलने की आस जगी

कोर्ट ने नब्बे दिन में नियुक्त लिक्विडेटर को निपटारे के आदेश दिए हैं

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने आज आदर्श के्रडिट कॉपरेटिव सोसायटी से जुड़े निवेशकों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए उसे निपटाने के आदेश नियुक्त लिक्विडेटर को दिए हैं । ऐसे में अब निवेशकों को उनकी डूबी रकम मिलने के आसार नजर आने लगे हैं।

उच्च न्यायालय ने देश के सबसे बड़े को-ऑपरेटिव घोटाले में अपनी जमा पूंजी लुटा चुके सैकड़ों निवेशकों को राहत प्रदान की है। राजस्थान हाईकोर्ट ने संभवतया अब तक की सबसे बड़ी 1573 निवेशकों की याचिका का निस्तारण करते हुए इस मामले में नियुक्त लिक्विडेटर को इन निवेशकों का मामला नब्बे दिन में निपटाने का आदेश दिया।

बता दें कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने कुछ दिन पूर्व संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के निवेशकों को इसी प्रकार राहत प्रदान की थी। अब उसी तर्ज पर आदर्श क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी के 1573 निवेशकों को राहत प्रदान की है। हाईकोर्ट के न्यायाधीस दिनेश मेहता के समक्ष 1573 निवेशकों की तरफ से एडवोकेट गिरीश सांखला ने याचिका पेश कर बताया कि इन लोगों ने आदर्श क्रेडिट को्ॅपरेटिव सोसायटी में निवेश किया था।

घोटाले के बाद यह सोसायटी बंद हो गई। इसके बाद निवेशकों की पूंजी अटक गई। जबकि सरकार इस मामले में लिक्विडेटर नियुक्त कर चुकी है ताकि निवेशकों का पैसा लौटाया जा सके। लेकिन बार-बार आग्रह करने के बावजूद लिक्विडेटर की तरफ से इन निवेशकों के मामले का निस्तारण नहीं किया जा रहा है। जबकि कुछ अन्य निवेशकों को उनकी राशि का भुगतान कर दिया गया। न्यायाधीश दिनेश मेहता ने दोनों पक्ष को सुनने के बाद लिक्विडेटर को आदेश दिया कि इन लोगों से जुड़े मामले का नब्बे दिन के भीतर समाधान किया जाए ।

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने राजस्थान की ऐसी 3 क्रेडिट सोसाइटियों आदर्श, संजीवनी और नवजीवन क्रेडिट सोसाइटी के खिलाफ कुल 96 हजार पेज की चार्जशीट पेश कर रखी है। इन तीन सोसायटी के संचालकों ने करीब सत्रह हजार करोड़ रुपए का घोटाला किया। इनमें से सबसे बड़ा 14682 करोड़ का घोटाला आदर्श क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी का है जबकि संजीवनी में 1100 करोड़ व नवजीवन में पांच सौ करोड़ रुपए का घोटाला किया गया।

आदर्श क्रेडिट सोसाइटी ने 28 राज्यों में 806 शाखाएं खोलीं, इनमें से 309 राजस्थान में थी। लोगों को झांसा दिया कि उनकी निवेश की हुई रकम कंपनियों व लोगों को रकम की ऊंची ब्याज दर पर लोन के रूप में दिया जा रहा है मगर निवेशकों की रकम घोटाले के चलते फंस गई।

खाद लेने के लिए घंटों लाइन में लगे रहे किसान

कोऑपरेटिव सहकारी समिति में खाद आने की सूचना पर किसानों की लगी लाइन

को ऑपरेटिव समिति के सामने यूरिया खाद के लिए लगी भीड़।

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा के कोऑपरेटिव सहकारी समिति कार्यालय में यूरिया खाद वितरण की खबर लगते ही किसानों की लंबी कतार लग गई।

लोगों की भीड़ को देखते हुए कोऑपरेटिव सहकारी समिति व कृषि विभाग द्वारा खाद वितरण किया गया। जहां खाद लेने के लिए किसान घंटों तक लाइन में लगे रहे। खाद का यह वितरण दोपहर 2.30 बजे तक चला। सहायक कृषि अधिकारी ओम भारती ने बताया कि खाद पाने के लिए किसानों में आपाधापी देखकर लाइन में लगवाकर खाद का वितरण कराया।

प्रत्येक किसान को एक आधार कार्ड पर दो बैग यूरिया का वितरण किया गया। जिससे सभी लोगों को पर्याप्त मात्रा में कृषि कार्यों के लिए खाद उपलब्ध हो सके। कोऑपरेटिव सहकारी समिति पावटा मैनेजर कैलाश चंद व लोन सुपरवाईजर सीताराम सैनी ने बताया कि शाहपुरा क्रय विक्रय सहकारी समिति से प्राप्त 360 कट्टे व कोऑपरेटिव सहकारी समिति पावटा से 350 कट्टे कुल 710 यूरिया खाद के कट्टे किसानों को बांटे गए। इस मौके पर कृषि पर्यवेक्षक रमेश भारद्वाज, कृषि पर्यवेक्षक कैलाश चंद गुर्जर उपस्थित रहे।

पचेरी कलां में नाजिरियन स्टूडेंट्स की दबंगई!

पुलिस से उलझते नाइजीरियन स्टूडेंटस ।

- सेल्फी की बात पर कर डाली दुकानदार से मारपीट
- स्टूडेंट्स ने पुलिस और मीडियाकर्मियों के साथ भी बदतमीजी की

पचेरी कलां, (निसं)। झुंझुनूं के पचेरी कलां में बीच बाजार में नाजिरियन स्टूडेंट्स ने जमकर बवाल मचाया। दरअसल एक दुकान पर एक बच्चे ने नाइजिरियन स्टूडेंट्स के साथ बिना पूछे सेल्फी ले ली। जिससे ये छात्र गुस्से में आ गए और मारपीट करना शुरू कर दिया। जब छात्रों के इस गुस्से से डरे हुए व्यक्ति ने पुलिस को फोन मिलाया तो उसका भी फोन छीनकर फेंक दिया। देखते ही देखते बाजार में भीड़ हो गई।

नाइजिरियन स्टूडेंट्स ने मौके पर पहुंची पुलिस के साथ भी जमकर बदतमीजी की। उन्होंने मौके पर मौजूद मीडियाकर्मियों के साथ भी बदतमीजी की। इसके बाद पुलिस चारों नाइजिरियन स्टूडेट्स व दुकानदार को थाने लेकर पहुंची । जहां पर सभी को समझाइश के बाद छोड़ दिया गया लेकिन करीब आधे घंटे तक पचेरी के बाजार में ये स्टूडेंट्स हंगामा करते रहे। ये सभी पचेरी कलां में संचालित सिंघानिया यूनिवर्सिटी के छात्र हैं।

नशीली गोलियां रखने वाले को 11 साल की सजा

श्रीगंगानगर, (निसं)। नशीली गोलियां रखने के साढ़े तीन साल पुराने मामले में मंगलवार को एडीजे कोर्ट ने एक आरोपी को ग्यारह साल कठोर कैद की सजा सुनाई। इसके साथ ही एक लाख 11 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया गया। आरोपी को मुकलावा थाना क्षेत्र में नशे की गोलियों के साथ गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में सुनवाई और सभी तथ्यों को जांचने के बाद फैसला सुनाया गया। एडीजे सुरेंद्र खरे की अदालत ने नशीली गोलियां अवैध रूप से रखने के आरोपी को दोषी करार देते हुए 11 वर्ष के कठोर कारावास और एक लाख ग्यारह हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। मुकलावा थाना प्रभारी सुरेंद्र राणा ने पदमपुर इलाके के गांव 26 बीबी निवासी आरोपी रविंद्र उर्फ मोनू पुत्र गोपी राम मेघवाल को मुकलावा थाना क्षेत्र के गांव 14 एनपी करड़वाली से नशीली गोलियों सहित पकड़ा था। उसके पास 1960 गोलियां मिली थी। आरोपी के पास इन गोलियों को रखने से संबंधित कोई लाइसेंस भी नहीं था। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच समेजा थाना प्रभारी को सौंपी थी। जांच अधिकारी ने मामले में जांच कर आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया। कोर्ट ने सुनवाई के बाद मंगलवार को दिए फैसले में आरोपी रविंद्र उर्फ मोनू को 11 वर्ष कठोर कैद और एक लाख ग्यारह हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

रेजीडेंट डॉक्टर्स ने ओपीडी का दूसरे दिन भी बहिष्कार किया

- हड़ताल से ओपीडी के साथ आईपीडी के कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं

जोधपुर, (कासं)। शहर में डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज से संबंधित अस्पतालों में कार्यरत रेजीडेंट डॉक्टर्स का मंगलवार को ओपीडी में कार्य का बहिष्कार जारी रहा। मगर उनकी मांगे नहीं मानी गई। मरीजों की देखभाल का जिम्मा सीनियर्स डॉक्टर ने संभाला है। आगे कार्य बहिष्कार को लेकर ऑल इंडिया के पदाधिकारियों का निर्णय रहेगा। नीट की काउंसलिंग को लेकर डॉ एस एन मेडिकल कॉलेज से संबधित अस्पतालों में रेजिडेंट की हड़ताल का दूसरा दिन रहा। रेजिडेंट डॉक्टर्स ने आईपीडी के कार्यो का बहिष्कार किया। अब ओपीडी के साथ आईपीडी के कार्य भी प्रभावित हो रहा है। हालांकि अस्पतालों की ओपीडी का मोर्चा सीनियर डॉक्टर्स ने संभाल रखा है। मंगलवार को आईपीडी में भी ज्यादा जरुरत होने पर रेजिडेंट मौजूद रहे।

मरीजों की संख्या कम देखी गई: कार्य बहिष्कार के चलते ओपीडी में मरीज की संख्या थोडी कम नजर आई। सोमवार को इलाज के लिए आए मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा ऐसे में ओपीडी में मंगलवार को मरीज कम दिखे। महात्मा गांधी अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की संख्या कम नजर आई। हालांकि ओपीडी में सीनियर डॉक्टर्स उपस्थित थे लेकिन मरीज हमेशा से कम नजर आए। वहीं मथुरा दास माथुर अस्पताल में अधीक्षक स्वयं ओपीडी में मरीजों से परामर्श करते नजर आए।

वार्ड में भर्ती मरीज हुए परेशान: रेजिडेंट डॉक्टर्स ने वार्डो में भी मरीजों को नहीं संभाला, ऐसे में मरीजों को खासी परेशानी हुई। अस्पताल के वार्ड रेजिडेंट डॉक्टर्स के अधीन ही रहते है। वार्डो की अधिकांश व्यवस्था रेजिडेंट संभालते है ऐसे में वार्डो के मरीज बिना डॉक्टर के परेशान हुए। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ सेदीप देवात के अनुसार आईपीडी के कार्यो का बहिष्कार किया गया। ओपीडी व वाडों में रेजिडेंट नहीं गए। उन्होंने कहा कि हड़ताल आगे जारी रखने के संबंध में ऑल इंडिया के पदाधिकारियों का निर्णय रहेगा।

डिस्कॉम ने काटे 60 जनों के कनैक्शन

बयाना । डिस्कॉम की ओर से विद्युत निगम की बकाया राशि की वसूली के लिए गठित की गई। टीम की ओर से अब बकाएदार उपभोक्ताओं से डोरटूडोर सम्पर्क कर बकाया राशि जमा नही कराने पर विद्युत कनैक्शन काटने के साथ ही ट्रांसफार्मरों को भी हटाने की कार्रवाही की जा रही है। सहायक अभियंता विवेक शर्मा ने बताया कि सरकार की ओर से एमनेस्टी योजना में बकाया राशि में बडे पैमाने पर रियायत देते हुए यह राशि जमा कराने की छूट दी गई है। उन्होंने बताया कि गांव खेडलीगडासिया, बरखेडा, बाजौली, ऐंचोली, लहचौरा कलां, बांसरौली, वीरमपुरा, महमदपुरा, सामरी व थानाडांग, एवं कस्बा बयाना में ऐसे बकाएदारों की ओर से राषि जमा नही कराने पर 60 जनों के विद्युत कनैक्शन काटने व विधुत ट्रांसफार्मरों को हटाने की कार्रवाही की गई है। इन 60 उपभोक्ताओं की ओर विद्युत निगम का करीब 10 लाख रूपया बकाया बताया है।

ग्यारह साल की बच्ची से दुष्कर्म

- बच्ची पास ही अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी उठा ले गया आरोपी

श्रीगंगानगर, (निसं)। मां के साथ शादी में शामिल होने आई एक ग्यारह साल की बच्ची से सोमवार रात दुष्कर्म का मामला सामने आया है। इस संबंध में मंगलवार को पुलिस में मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। विवाह समारोह में आए लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। इस मामले में पुलिस के हाथ अब तक को पुख्ता सुबूत नहीं लगा है।

गांव 11 पी पतरोड़ा में मंगलवार को विवाह समारोह था। विवाह समारोह में शामिल होने के लिए गांव सोलह पीटीडी की महिला आई थी। सोमवार रात परिवार में गीत संगीत का कार्यक्रम था। परिवार के सभी लोग डांस और म्यूजिक का मजा ले रहे थे। इस दौरान बच्ची पास ही अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी। अज्ञात व्यक्ति आया और बच्ची को उठा ले गया । बच्ची की सहेलियों ने शोर मचाया लेकिन इसके बावजूद आरोपी बच्ची को उठा ले जाने में सफल हो गया। बच्ची की सहेलियां पास ही मौजूद परिवार के लोगों के पास गई और घटना की जानकारी दी। इस पर परिवार के लोगों ने बच्ची की तलाश शुरू की। काफी ढूंढने के बाद देर रात बच्ची पास ही बने खेत के खाले में पड़ी मिली । उसने रोते हुए परिजनों को घटना की जानकारी दी।

एसएचओ फूलचंद शर्मा ने बताया कि सोमवार देर रात गांव 11 पी पतरोड़ा में ग्यारह साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। इस मामले में जांच महिला अपराध निवारण के डीएसपी नरेंद्र पूनिया को सौंपी गई है। विवाह समारोह की वीडियो रिकॉर्डिंग आदि की जांच की जा रही है।

बाइक सवार महिला की मौत

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के जयपुर-अलवर सड़क मार्ग पर विराटनगर बिजली ग्रिड के पास राजस्थान रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई वहीं एक पुरुष व एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें विराट नगर थाना पुलिस व ग्रामीणों की सहायता से तुरंत विराटनगर सीएससी ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने पर जयपुर रेफर कर दिया। दुर्घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सड़क मार्ग को जाम कर दिया। जाम की सूचना मिलते ही विराटनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आक्रोशित लोगों को समझा कर सडक मार्ग को खुलवाया गया। वहीं ग्रामीणों ने हादसे का कारण दोनों तरफ डिवाइडर नहीं होना बताया जा रहा है।

बीकानेर में एक और कोरोना पॉजिटिव

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर में कोरोना रोगियों का ग्राफ एक बार फिर बढ़ता जा रहा है। मंगलवार सुबह की रिपोर्ट में एक 55 वर्षीय पुरुष की आरटीसीपीआर रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, जो जस्सूसर गेट क्षेत्र में धर्मकांटा के पास रहता है । इसके साथ ही जिले में एक्टिव केस की संख्या बढ़ कर पंद्रह तक पहुंच गई है। एक रोगी अभी भी पीबीएम अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है।

कोरोना प्रभारी डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि कोरोना रोगी लगातार बढ़ रहे हैं। जस्सूसर गेट पर रहने वाले जिस शख्स ने कल अपनी जांच करवाई थी, वो पॉजिटिव है। इसके अलावा पांच सौ से ज्यादा रिपोर्ट नेगेटिव भी आई है। जिले में आने वाले यात्रियों की कोरोना जांच की जा रही है। बीकानेर और लालगढ़ रेलवे स्टेशन पर लगातार कोविड जांच हो रही है। यहां तक कि यात्रियों से कोरोना जांच व वैक्सीनेशन का सर्टिफिकेट भी लिया जा रहा है।

सीएमएचओ डॉ. ओ.पी. चाहर ने बताया कि सभी डिस्पेंसरी में कोरोना जांच की किट उपलब्ध है। रेपिड टेस्ट के साथ ही आरटीसीपी जांच के लिए भी किट उपलब्ध है। बड़ी संख्या में लोग स्वयं अपनी जांच नहीं करवा रहे हैं। कोरोना के लक्षण होने के बाद भी रोगी सामान्य बुखार कहकर जांच को टाल रहा है। डॉ. चाहर ने बताया कि जिन लोगों को कोरोना हुआ है, उनमें अधिकांश में ए सिम्टोमेटिक लक्षण है ।

शेखावाटी में सर्दी ने दिखाए तीखे तेवर

चूरू, (कासं)। शेखावाटी में सर्दी ने अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। आज यहां शाम ढलने से पहले ही सर्दी ने लोगों को गर्म वस्त्र पहने के लिए मजबूर कर दिया। मौसम विभाग के अनुसार आज यहां न्यूनतम तापमान 6.0 डिग्री सेल्सियस व अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। वर्ष 2020 की बात करें तो आज के दिन यहां न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस व अधिकतम तापमान 29.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। इस हिसाब से आज का दिन काफी ठण्डा रहा। पिछली रात्रि को भी लोगों ने रेलवे स्टेशन के पास, कलेक्ट्रेट के निकट, पंखा सर्किल सहित कई स्थानों पर अलाव जलाए गए।

नॉन इंटरलाकिंग कार्य के चलते जोधपुर भोपाल ट्रेन रहेगी निरस्त

कोटा, (निसं)। जोधपुर मंडल के मेड़ता रोड़ तथा डेगाना रेलखंड के बीच रेल दोहरीकरण के कारण नॉन इंटरलॉकिंग तथा प्री नॉन इंटरलॉकिंग कार्यों के चलते रेल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर कुछ रेलगाड़ियों को निरस्त करने और कुछ रेलगाड़ियों को परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अजय कुमार पाल ने बताया कि जोधपुर मंडल में मेड़ता रोड़ से डेगाना रेलखंड में रेल दोहरीकरण के कार्य के चलते इंटरलॉकिंग का कार्य प्रगति पर है, इसलिए निम्नलिखित रेलगाड़ियां प्रभावित रहेंगी। गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर से भोपाल की ओर जाने वाली गाड़ी अपने प्रारंभिक स्टेशन से 14 दिसंबर 2021 से लेकर 30 दिसंबर 2021 तक पूरी तरह निरस्त रहेगी। इसके अलावा वापसी में गाड़ी संख्या 14814 भोपाल जोधपुर आगामी 15 दिसंबर 2021 से लेकर 31 दिसंबर 2021 की अवधि में अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 22981 कोटा श्रीगंगानगर आगामी 20 दिसंबर से 28 दिसंबर की अवधि में परिवर्तित मार्ग जयपुर रींगस सीकर चूरू बीकानेर परिवर्तित मार्ग से चलेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 22982 श्री गंगानगर से कोटा आगामी 19 दिसंबर से 30 दिसंबर की अवधि में (अपने प्रारंभिक स्टेशन से रवाना होने वाली ट्रेन) इसी परिवर्तित मार्ग बीकानेर-चूरू-सीकर-रींगस-जयपुर से चलेगी। गाड़ी संख्या 22997 झालावाड़ सिटी से श्रीगंगानगर आगामी 19 दिसंबर से 30 दिसंबर की अवधि में तथा वापसी में गाड़ी संख्या 22998 श्री गंगानगर सेझालावाड़ सिटी आगामी 21 दिसंबर से 29 दिसंबर की अवधि में परिवर्तित मार्ग जयपुर रींगस सीकर चूरू बीकानेर से होकर चलेगी।

चैनपुरा के जंगलों में युवक का शव मिला

बस्सी, (निसं)। राजधानी जयपुर के बस्सी थाना इलाके में मंगलवार को एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है । शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी। युवक के सिर पर चोट के निशान है। शुरुआती जांच में हत्या का मामला प्रेम प्रसंग से जोड़कर देखा जा रहा है। बस्सी थाना पुलिस ने बताया कि शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। मृतक के सिर पर हमला कर उसकी हत्या की गयी है। मृतक के पास से एक प्रेम पत्र भी बरामद हुआ है। मौके पर एफएसएल की टीम की ओर से भी जांच करवायी गयी है। शुरुआती जांच के बाद मृतक के शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

सॉरी मम्मी पापा लिख बीएससी छात्रा ने लगाया फंदा

जोधपुर, (कासं)। शहर के दिलीप नगर लालसागर इलाके में बीएससी की एक छात्रा ने अपने चाचा के घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण सामने नहीं आया है। मरने से पहले छात्रा ने एक सुसाइड भी लिखा है जिसमें सॉरी मम्मी पापा लिखा है। सूचना पर पुलिस ने एफएसएल टीम को भी बुलाया। मृतका नाबालिग बताई जाती है। उसके चाचा की तरफ से मंडोर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। फिलहाल पुलिस की तरफ से अनुसंधान किया जा रहा है।

मंडोर पुलिस थाने एएसआई परसाराम ने बताया कि लालसागर स्थित दिलीप नगर में 17 साल की किशोरी ने अपने चाचा के घर में फंदा लगाकर जान दे दी। उसने हाल में ही मंडोर में खुले नए महाविद्यालय में दाखिला लिया था। मरने से पहले उसने एक सुसाइड नोट भी अपने माता पिता के नाम लिखा और मम्मी पापा आईएम सॉरी का जिक्र किया। वह बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा थी। परिजन को घटना का पता लगने पर पुलिस को सूचना दी गई। इस पर एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। सुसाइड नोट में किसी अन्य के बारे में कोई जिक्र नहीं किया गया है। पुलिस ने मृतका के चाचा की रिपोर्ट पर मर्ग की कार्रवाई की। शव का एमजीएच में पोस्टमार्टम करवाया गया। मृतका के मां पिता भीतरी शहर में रहते है।

दयोदय एक्सप्रेस के यात्री एलएचबी रैक से लेंगे सफर का आनंद

कोटा, (निसं)। अजमेर जबलपुर अजमेर से यात्रा करने वाले रेलयात्रियों को आगामी 6 दिसंबर से नई सौगात मिलने जा रही है। अब यह ट्रेन जर्मन तकनीक से निर्मित अत्याधुनिक एलएचबी यानि लिंक हाफमेन बुश रैक के साथ चलाई जाएगी। इन कोचों में रेलयात्रियों का सफर ज्यादा आरामदायक और सुहाना रहेगा।

इस नए अत्याधुनिक कोचों के रैक से चलने पर गाड़ी की संरक्षा, सुरक्षा, गति में उल्लेखनीय सुधार होगा। नए एलएचबी कोचों की लंबाई अपेक्षाकृत ज्यादा होती है इसलिए इनमें बर्थ की संख्या भी अधिक होती है। इनमें उच्च गति क्षमता होती है और वजन में हल्के होते हैं।

इन कोचों की एन्टी क्लाइम्बिंग विशेषताएं होती हैं अर्थात अप्रत्याशित दुर्घटनाओं के दौरान ये कोच एक दूसरे पर नहीं चढ़ ते। इससे यात्रियों को नुकसान कम होने की संभावना रहती है। नए डिजाइन में तैयार किये गए यह कोच यात्रा का सुखद एहसास कराते हैं। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों से अपील की जाती है कि अभी कोरोना का संकट टला नहीं है। इसलिए यात्रीगण यात्रा से पूर्व एवं यात्रा के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सरकार द्वारा जारी सभी दिशा निर्देशों का पालन करें। हमेशा मास्क पहनकर रखें। स्टेशन एवं ट्रेन में आपस में उचित दूरी बना कर रखें। किसी भी वजह से भीड़भाड़ ना करें, ताकि वायरस के संक्रमण से बचा जा सके।

उदयपुर में दो संक्रमित मिले

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में दो दिन से लगातार संक्रमितों का मिलना जारी है। सोमवार को एक संक्रमित मिलने के बाद मंगलवार को दो संक्रमित मिले है वहीं जिले में एक्टिव केसेस की संख्या 08 हो गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी ने बताया कि जिले में आज प्राप्त 783 सैम्पल जांच रिपोर्ट में से 781 नेगेटिव व दो पॉजीटिव मिले है। इन संक्रमितों में अशोक नगर क्षेत्र का एक 48 वर्षीय पुरूष व वार्ड 31 सेक्टर 4 निवासी एक 70 वर्षीय वृद्धा है। वृद्धा का पति एक दिन पूर्व ही पॉजीटिव मिला था इसी के तहत वृद्धा का सैम्पल लिया गया जिसमें वह भी पॉजीटिव मिली है। दोनों ही संक्रमितों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। जिले में अब तक 56419 संक्रमित मिले है इनमें से 55657 रिकवर हो चुके है। जिले में एक्टिव केस की संख्या 8 हो गई है। सभी एक्टिव केस होम आइसोलेशन में है। अब तक जिले में कोरोना से 754 मृत्यु हुई है।

राजसमंद में चोरी करने वाली गैंग का खुलासा, 300 से अधिक वारदातें स्वीकारी

पुलिस ने गैंग व खरीदारों सहित एक दर्ज लोगों को गिरफ्तार किया

राजसमंद, (निसं)। शहर सहित जिले भर में खादानों, गैंगसों व फैक्ट्रियों आदि में चोरी, लूट व नकबजनी करने वाली गैंग का बडा खुलसा करते हुए राजनगर पुलिस ने गैंग एवं खरीददारों सहित एक दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए गैंग के सभी आरोपी सदस्य शराब व गांजा के नशे के आदी है औरा चोरी से प्राप्त पैसों से अय्यासी करते है।

गैंग के सभी सदस्य पहले बंद पडी खान, गैंगसा, फैक्ट्री आदि की रैकी करते तथा रात के समय केबल मोटर तार को जलाकर उसके अंदर से कॉपर को निकालते तथा ज्यादा भंगार होने पर ट्रेक्टर में भरकर ले जाते उसके बाद भंगार की दुकान पर जाकर बेचते थे। वहीं पुलिस द्वारा गिरफ्तार सभी एक दर्जन आरोपियों के रिकोर्ड खंगाले गए तो सभी के खिलाफ उनके थाना क्षेत्र सहित अन्य थानों में चोरी, नकबजनी के करीब 300 से अधिक मुकदमें दर्ज हैं।

- सभी सदस्य शराब व गांजा के नशे के आदी हैं

राजनगर पुलिस ने गैंग के चोरों को गिरफ्तार कर सामान बरामद किया ।

पुलिस ने पूछताछ के बाद भंगार के गोदमों से मोटरें, ताम्बे के वायर, एल्यूमिनियम प्लेटें आदि भी बरामद की गई हैं। राजनगर थानाधिकारी डॉ. हनवंतसिंह ने बताया कि गत 16 अक्टूबर को रफीक मोहम्मद निवासी राजनगर ने राजनगर थाने में मोटर बाईडिंग की दुकान की दीवार तोडकर चोरी करने की जानकारी दी थी । पुलिस टीम ने थाना सर्कल में जगह-जगह दबिश देकर हर जगहों के सीसी टीवी फुटेज खंगाले तथा हाथ लगे सुरागों के आधार पर चोरी, लूट व नकबजनी करने वाली गैंग के करीब एक दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों द्वारा बाताए अनुसार भंगार गोदामों से मोटरें, तांबे के बायर, एल्यूमिनियम प्लेटें बरामद कर चोरी का माल खरीदने वालों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा और भी कई मामले के सामने आने की संभावना है।

कचरा डालने को लेकर दो परिवारों में हुई फायरिंग

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के राजेंद्र नगर में मंगलवार को दो पड़ोसियों के बीच नाली व कचरा डालने को लेकर फायरिंग हो गई । इस फायरिंग से पहले फायरिंग करने वाले युवकों ने पड़ोस में रहने वाले बच्चे से मारपीट कर उसकी कनपटी पर तमंचा लगा दिया था। इतना ही नही उन्होंने पड़ोसी के घर के बाहर गालियां देते गेट पर खड़े पड़ोसी की पत्नी और बच्चे के ऊपर फायरिंग कर दी। वो तो किस्मत अच्छी थी कि वे बाल-बाल बच गए। वकील गजराज सिंह ने बताया की उनके सामने राजेंद्र सिंह का मकान है। उनसे सड़क पर कचरा डालने को लेकर कई महीनों से विवाद चल रहा है। राजेंद्र के परिवार ने 4 जून को गजराज सिंह के परिवार पर हमला भी किया था। इसमें उनकी मां और उनसे मारपीट की गई थी।

बताया गया कि आज गजराज सिंह का बेटा स्कूल से पढ़ कर अपने घर आ रहा था, तभी राजेंद्र सिंह के बेटे अभिलाष ने उसे रास्ते में अपने दोस्तों के साथ पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। उसके कनपटी पर कट्टा लगाकर उसे जान से मारने की धमकी देने लगे। उनका बेटा सीधा घर आ गया। कुछ देर बाद अभिलाष अपने दोस्तों के साथ उनके घर पहुंच गया। इसी बीच अभिलाष के एक साथी ने कट्टा निकालकर गजराज सिंह के परिवार के ऊपर फायरिंग कर दी।

कांग्रेस की दिल्ली रैली के लिए मंत्री, विधायकों को दिया टारगेट

हालांकि बैठक से गायब रहे आधे से ज्यादा मंत्री और विधायक

- मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश जिलों में जाएं तो जिला कांग्रेस कार्यालय भी जाएं मंत्री, करें जनसुनवाई
- 15 दिसंबर से कांग्रेस मुख्यालय पर भी सप्ताह में 3 दिन तक मंत्री करेंगे जनसुनवाई

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस की 12 दिसंबर को दिल्ली में प्रस्तावित महंगाई हटाओ रैली के सिलसिले में प्रदेश प्रभारी अजय माकन ने सीएम अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ बैठक की और तैयारियों का फीडबैक लिया। कांग्रेस मुख्यालय पर हुई बैठक में बसपा से कांग्रेस में शामिल हुए मंत्री राजेंद्र गुढ़ा सहित चार विधायकों ने बैठक से दूरी बना ली। बसपा से जीत कर आने वाले दीपचंद खेरिया बैठक में शामिल हुए।

बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभी मंत्रियों को निर्देशित किया कि वे जिलों में जाएं तो स्थानीय संगठन को सूचित करें और जिला कांग्रेस कार्यालय में जाकर बैठक करें। इसी के साथ आमजन तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जनसुनवाई भी करें। वहीं बैठक के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर एक बार फिर से मंत्रियों की जनसुनवाई शुरू की जा रही है। इसके लिए 15 दिसंबर की तारीख तय की गई है, जिस दिन से मंत्री प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बैठकर जनसुनवाई करेंगे। डोटासरा ने बताया कि अभी सप्ताह में 3 दिन 2-2 मंत्री प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय बैठेंगे और कांग्रेस कार्यकर्ता आम जनता की सुनवाई करेंगे। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास रहेगा कि हम पूरा डाटा तैयार करें कि कितनी समस्याएं आईं, कितनी समस्याएं दूर की गई। उन्होंने कहा कि आमजन की जो भी वाजिब समस्या हैं, उसका समाधान किया जाना चाहिए। इसके लिए ही यह प्रयास शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि जो भी मंत्री निर्धारित दिन जन सुनवाई के लिए नहीं आ पाए, उसे मुख्यमंत्री को सूचना देनी होगी।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए सचिन पायलट ने पीसीसी में मंत्रियों की जन सुनवाई शुरू की थी लेकिन बाद में यह जनसुनवाई बंद कर दी गई थी। इधर 12 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली महंगाई के खिलाफ रैली को लेकर तैयारी बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य, मंत्रियों, विधायकों, पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों और पार्टी के अग्रिम संगठनों के प्रमुखों को बुलाया गया। बैठक में प्रदेश कांग्रेस की ओर से निवर्तमान जिला अध्यक्षों और प्रभारी मंत्रियों को एक फॉर्मेट भी दिया गया। जिसमें पदाधिकारियों को वाहन और कार्यकर्ताओं की संख्या की जानकारी देनी होगी। हालांकि, बैठक में कांग्रेस पार्टी के सभी विधायकों को बुलाया गया था, लेकिन आधे से ज्यादा मंत्री और विधायक बैठक में नहीं पहुंचे। मंत्रियों की बात की जाए तो बैठक में प्रताप सिंह खाचरियावास, शकुंतला रावत, ममता भूपेश, शांति धारीवाल, बृजेंद्र ओला, सुखराम बिश्नोई, महेश जोशी ,गोविंद राम मेघवाल, भजन लाल जाटव ,परसादी लाल मीणा, बीडी कल्ला, रामलाल जाट, हेमाराम और राजेन्द्र यादव मौजूद रहे। हालांकि विधायकों और मंत्रियों की गैरमौजूदगी के बारे में कहा जा रहा है कि कांग्रेस कमेटी का फोकस दिल्ली से जुड़े हुए 7 जिलों जयपुर, अलवर, दौसा, झुंझुनूं, सीकर, भरतपुर और चूरू जिले पर हैं। इन जिलों के जुड़े नेताओं को ही ज्यादा भीड़ ले जाने का टारगेट दिया जाएगा। ऐसे में इन जिलों के नेताओं की जिम्मेदारी ज्यादा बनती है। वैसे तो सभी मंत्रियों को कहा गया है कि वह अपने जिलों के अलावा आसपास के जिलों में भी कार्यकर्ताओं के दिल्ली जाने की व्यवस्थाओं को निर्धारित करें।

बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों को सरकार में कोई पद नहीं देने से नाराज चल रहे मंत्री राजेंद्र गुढ़ा तो इस बैठक से दूर रहे ही, उनके साथ ही बसपा से कांग्रेस में आए सभी विधायकों में दीपचंद खेरिया को छोड़कर संदीप यादव, वाजिब अली, जोगिंदर अवाना और लखन मीणा भी इस बैठक से दूर रहे। बैठक में शामिल होने के लिए विधायक बाबूलाल बैरवा भी प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे, लेकिन स्वास्थ्य खराब होने के कारण प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में तो आए, लेकिन बैठक में शामिल होने नहीं पहुंच पाए, क्योंकि बैठक पहली मंजिल पर थी।

मुख्यमंत्री जिद पर अड़े रहे तो हम उनकी जिद कानून के सहारे पूरी होने से रोकेंगे : राठौड़

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने एक बार फिर दोहराया है कि देश में अशोक गहलोत पहले मंत्री हैं जिन्होंने अपने ही विधायकों को सलाहकार बनाया है। मगर राज्यपाल को मेरे द्वारा आपत्ति जताने के बाद यह साफ हो गया है कि इन सलाहकारों को राज्यमंत्री का दर्जा नहीं दिया जाएगा। ऐसे में इन लोगों के पास पत्रावली नहीं भेजी जा सकती है। इसलिए ये लोग बिना सलाह मांगे सलाह देने वाले सलाहकार बन गए हैं।

राठौड़ ने कहा कि मैंने राज्यपाल को संविधान और कोर्ट के निर्णयों का हवाला देते हुए हस्तक्षेप की मांग की थी। अब भी मुख्यमंत्री जिद पर अड़े रहे तो हम भी कानून का सहारा लेते हुए उनकी जिद को रोकने का पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही कहा था कि मंत्रिमंडल के गठन के बाद असंतोष का लावा फूटेगा। अभी से धुंआ उठने लगा है। पहली बार किसी मंत्री ने मंत्री पद की शपथ लेकर वाहन को लौटाने का काम किया है। एक वरिष्ठ विधायक ने सीएम से मंत्री बनने की अहर्ताएं पूछी हैं। धुंआ उठा है तो आग भी लगेगी। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री ने 18 महीने पहले जिन लोगों को संसदीय सचिव बनाने का आश्वासन दिया था। मंत्रिमंडल पुनर्गठन के इतने दिन बाद भी उनके नामों की घोषणा नहीं हुई है।

भारत टीकाकरण में अग्रणी बन के उभरा है : दीया कुमारी

सांसद राजकुमारी दीयाकुमारी ने स्पेन के मैड्रिड में अंतर संसदीय संघ की असेंबली को संबोधित किया।

जयपुर, (का.सं.)। भारत टीकों के उत्पादन के साथ-साथ रिकॉर्ड समय में एक अरब से अधिक टीकाकरण के साथ अग्रणी देशों में से एक के रूप में उभरा है। यह विशेष रूप से सराहनीय है क्योंकि दुनिया की 17.7 फीसदी आबादी भारत में रहती है। यह बात राजसमंद सांसद दीया कुमारी ने स्पेन के मैड्रिड में आयोजित अंतर संसदीय संघ की 143वीं असेंबली में संबोधित करते हुए कही।

टीकाकरण उत्पादन में भारत के प्रयासों और उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, दीया कुमारी ने कहा कि हमारा कोविड-19 वैक्सीन उत्पादन केवल टीकों के घरेलू उत्पादन के लिए ही नहीं है, बल्कि उन देशों में वितरण के लिए भी है जो पश्चिमी दुनिया से महंगे टीके खरीदने में असमर्थ हैं। भारत में 7 स्वीकृत टीके हैं और 13 टीकों का परीक्षण चल रहा है। अब तक भारत ने 93 देशों और दो संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं को 70 मिलियन से अधिक ड़ोज की आपूर्ति की है और आने वाले महीनों में कोवैक्स और पार्टनर देशों को आपूर्ति में लगातार वृद्धि होगी।

सांसद ने आगे कहा कि वैक्सीन डवलपमेंट प्रोग्राम में संयुक्त रूप से प्रयास करने की आवश्यकता है और आपूर्ति चेन को मजबूत करने और ग्लोबल साउथ के लिए किफायती टीके उपलब्ध कराने के लिए, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को विचाराधीन आईपी-छूट के मुद्दों को हल करने की आवश्यकता है।

अनिता भदेल के वायरल वीडियो पर पूनिया का टिप्पणी से इनकार

- जेईसीसी का मौका मुआयना कर भाजपा कार्यसमिति और जनप्रतिनिधि सम्मेलन के स्थान को देखा

जयपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जयपुर दौरे की तैयारियों को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी सहित कई पदाधिकारियों ने सीतापुरा स्थित कार्यक्रम स्थल जेईसीसी का मौका मुआयना किया। उन्होंने प्रदेश कार्यसमिति और जनप्रतिनिधि सम्मेलन के स्थान को देखा और आवश्यक सुझाव दिए। पूनिया ने कहा कि अमित शाह के संबोधन को सुनने के लिए सभी उत्साहित हैं। इस वजह से प्रतिनिधि सम्मेलन में 10 हजार लोगों को जुटाया जाएगा। इसमें पचांयती राज, सहकारिता सहित कई सेक्टर से जुड़े जनप्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। उनके स्वागत में कोई कसर नहीं रहे, इसलिए उनके आने से लेकर जाने तक और रोड शो व भोजन सहित सभी कार्यों को नेताओं में बांटा गया है। तीनों नेताओं ने रोड के रूट को भी देखा।

शाह के स्वागत में राजस्थानी संस्कृति को साकार किया जाएगा। कालबेलिया, कच्छी घोड़ी नृत्य, पुष्कर के नगाड़े, मांगणियार, मांड गायकी से शाह का जयपुर की सड़कों पर स्वागत होगा। पूरे प्रदेशभर से 40 हजार लोग उनके स्वागत में जुटेंगे।

पूर्वमंत्री और भाजपा प्रवक्ता अनिता भदेल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की उपस्थिति में भदेल नारा लगा रही है कि अगला मुख्यमंत्री कैसा हो। इस पर भीड़ से आवाज आ रही है वसुंधरा राजे जैसा हो। इस वायरल वीडियो को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने किसी भी तरह की टिप्पणी से इनकार कर दिया। पूनिया ने कहा कि मैं इस वीडियो पर कुछ नहीं कहूंगा। मुझसे पहले कई वरिष्ठ नेता कह चुके हैं कि पार्टी का संसदीय बोर्ड तय करता है कि कौन नेता होगा। मुझे लगता है कि चुनाव तक यह चर्चाएं चलती रहेंगी, मगर जो आलाकमान तय करेगा, उसकी हम पालना करेंगे।

प्रदेश में नवम्बर के महीने में साढ़े तीन सौ से अधिक नए करोना संक्रमित मिले

अक्टूबर में इनकी संख्या केवल 102 ही रही थी

- राज्य में नवम्बर में सबसे ज्यादा 196 संक्रमित जयपुर जिले में मिले, वहीं एक बच्चे की इस बीमारी से मौत भी हो गई थी।
- प्रदेश में मंगलवार को 15 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें जयपुर में 11, उदयपुर में 2 तथा अजमेर व बीकानेर में 1-1 नया रोगी मिला है।
- राज्य में फिर रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 193 हो गए हैं।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में नवम्बर के महीने में करोना संक्रमण के साढ़े तीन सौ से अधिक नए मामले सामने आने के साथ ही एक बच्चे की मौत हुई है। वहीं अक्टूबर में इनकी संख्या 102 रही थी। इधर मंगलवार को राज्य में 15 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 11 रोगी जयपुर में मिले हैं।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में नवम्बर के महीने में 356 नए करोना संक्रमित मिले हैं।

इनमें सबसे ज्यादा 196 मामले जयपुर जिले में पाए गए थे। वहीं इनकी तुलना में राज्य में अक्टूबर के महीने में केवल 102 मरीज ही पाए गए थे। राज्य में पिछले महीने करोना से जयपुर में एक बच्चे की मौत भी हुई थी। इससे पहले 31 जुलाई को करोना से श्रीगंगानगर जिले में मौत हुई थी। वहीं राजधानी जयपुर में 30 जून को एक मरीज की मौत हुई थी। राज्य में अब तक इस बीमारी से 8955 लोगों की मौत हो चुकी है।

इधर प्रदेश में मंगलवार को 15 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले सोमवार को 12 रोगी पाए गए थे। पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा 11 नए संक्रमित जयपुर में मिले है। इसके अलावा उदयपुर में 2 तथा अजमेर और बीकानेर में 1-1 नया रोगी मिला है। इस बीच राजधानी जयपुर में सर्वाधिक 4 संक्रमित सोड़ाला इलाके में पाए गए है। वहीं अम्बावाड़ी में 3, प्रताप नगर में 2 तथा जमवारामगढ़ और विद्याधर नगर में 1-1 नया मरीज मिला है।

उधर प्रदेश के 29 जिलों में संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इनमें 20 जिलों में अब न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस बचा है। प्रदेश में मंगलवार को 9 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही अब तक इस बीमारी से 9 लाख 45 हजार 637 लोग स्वस्थ हो चुके है। मंगलवार को फिर रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 193 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 108 मामले जयपुर में तथा 23 केस अजमेर में हैं।

इसके अलावा 11 जिले अलवर, बाड़मेर, बीकानेर, दौसा, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, पाली, राजसमंद और उदयपुर में 20 से कम एक्टिव केस हैं।

जयपुर फल एवं सब्जी थोक विक्रेता संघ मुहाना टर्मिनल के अध्यक्ष राहुल तंवर के नेतृत्व में व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को कृषि विपणन मंत्री मुरारी लाल मीणा से शासन सचिवालय में शिष्टाचार भेंट की। व्यापारियों ने मंत्री मुरारीलाल को साफा और माला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर पुष्प मंडी के अध्यक्ष छुट्टनलाल सैनी, सत्यनारायण सैनी, इमरान क़ुरैशी, विक्की मावर, इरशाद और फ़िरोज़ क़ुरैशी मौजूद थे।

आर.पी.एस.सी. के नए अध्यक्ष के लिए लाठर का नाम ऊपर

- आज-कल में हो सकती है नए अध्यक्ष की नियुक्ति

जयपुर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह यादव के 2 दिसंबर को रिटायर होने को लेकर सरकार ने नए अध्यक्ष की तलाश शुरू कर दी है। संभवतः एक दो दिन में अध्यक्ष की नियुक्ति की जा सकती है।

सूत्रों के अनुसार अध्यक्ष के लिए कई आईएएस और आइपीएस अधिकारियों के नाम चल रहे हैं। इनमें डीजीपी एमएल लाठर का नाम सबसे ऊपर है। चल रहा है। आज-कल में कभी भी नए अध्यक्ष की नियुक्ति की जा सकती है। बताया जाता है कि आईपीएस अधिकारियों में डीजीपी एमएल लाठर, बीएल सोनी, डीजी इंटेलिजेंस उमेश मिश्रा, सौरभ श्रीवास्तव के नाम दावेदारों में हैं। साथ ही दो मौजूदा और रिटायर्ड आईएएस के अलावा आारपीएससी मेंबर भी दावेदार हैं। सूत्रों के अनुसार डीजीपी एमएल लाठर को आरपीएससी का अध्यक्ष बनाया जाता है तो उन्हें मौजूदा पद से इस्तीफा देना होगा। डीजीपी पद पर अभी उनका साल भर का कार्यकाल बाकी है। लाठर अगर आरपीएएसी अध्यक्ष बनते हैं तो बीएल सोनी डीजीपी बन सकते हैं। वहीं उनके जगह पर सौरभ श्रीवास्तव को एसीबी का डीजी बनाया जा सकता है। लाठर को अध्यक्ष बनाया जाता है तो वे 10 मई 2023 तक ही पद पर रहेंगे। वह 2023 में 62 साल के हो जाएंगे। आरपीएससी अध्यक्ष अधिकतम 62 वर्ष की उम्र तक रह सकते हैं।

हरनेक सिंह को स्थाई पैरोल पर रिहा करने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाइकोर्ट ने प्रदेश के चर्चित राजेन्द्र मिर्धा अपहरण कांड के आरोप में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे हरनेक सिंह को स्थाई पैरोल पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने पैरोल कमेटी के गत 14 जुलाई के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें कमेटी ने हरनेक सिंह को पैरोल पर रिहा करने से इनकार कर दिया था।

जस्टिस प्रकाश गुप्ता और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश हरनेक सिंह की पैरोल याचिका पर दिए। अदालत ने कहा कि स्थाई पैरोल के दौरान यदि याचिकाकर्ता किसी अवांछित गतिविधि में शामिल होता है तो स्थाई पैरोल को वापस लेकर उसकी शेष सजा पूरी कराई जा सकती है। याचिका में कहा गया की मामले में उसे 6 अक्टूबर 2017 को आजीवन कारावास की सजा दी गई थी। वहीं वह करीब 15 साल पांच माह से जेल में बंद है।

उसे प्रथम और द्वितीय पैरोल के अलावा करोना में स्पेशल पैरोल पर भी रिहा किया गया था।

पैरोल की रिहाई का उसने कोई दुरुपयोग नहीं किया और तय समय पर वापस जेल में समर्पण भी किया था। वहीं जेल में उसका चाल चलन भी संतोषजनक है।

याचिकाकर्ता की ओर से पैरोल कमेटी के समक्ष स्थाई पैरोल के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया गया था, लेकिन कमेटी ने सिर्फ इस आधार पर प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया की उसे मिर्धा अपहरण कांड में सजा हुई थी। ऐसे में उसे स्थाई पैरोल पर रिहा किया जाए।

29 जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए 8947.48 करोड़ की वित्तीय मंजूरी

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जल जीवन मिशन में 27 जलापूर्ति परियोजनाओं की क्रियान्विति के लिए 8461.76 करोड़ रूपए तथा 2 जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए 485.72 करोड़ रूपए की संशोधित राशि यानि कुल 8947.48 करोड़ रूपए की वित्तीय स्वीकृति के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है। इसमें 5234.84 करोड़ राज्यांश राशि के एवं 3712.64 करोड़ रूपए की केन्द्रांश राशि शामिल है।

राज्यपाल से पूर्व सीएम राजे की मुलाकात

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र से मंगलवार को यहां राजभवन में पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

'मंत्रीजी! बीवीजी कंपनी को कोसते हैं, उधर सरकार दबाव बनाकर अनुबंध बढ़वाती है'

ग्रेटर उपमहापौर पुनीत कर्णावत ने सफाई व्यवस्था का बंटाधार करने वाली बीवीजी कंपनी को सपोर्ट करने का आरोप सरकार पर लगाया

जयपुर (कासं)। ग्रेटर निगम के उपमहापौर पुनीत कर्णावत ने सफाई व्यवस्था का बंटाधार करने वाली बीवीजी कंपनी को सपोर्ट करने का आरोप राज्य सरकार पर लगाया है। उन्होंने कहा कि मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास इस कंपनी के कामकाज को कोसते हैं, उधर राज्यसरकार के इशारे पर स्वायत्त शासन विभाग दबाव बनाकर नगर निगम से इस कंपनी का अनुबंध आगे बढ़वाता है। इस दोहरी नीति के कारण जयपुर में सफाई बंटाधार हैं और बीवीजी कंपनी की मनमानी बढ़ी है, जिसका खामियाजा जयपुर की जनता भुगत रही है।

पुनीत कर्णावत ने कहा कि मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास बीवीजी कंपनी पर कार्रवाई करवाने के बयान दे रहे हैं, लेकिन यह सिर्फ दिखावा है। जब साधारण सभा में 250 पार्षदों और दोनों महापौर ने कंपनी का ठेका निरस्त करने को कह दिया था, तो हैरिटेज निगम के अफसरों ने इसे नियमों के फेर में उलझाकर कंपनी को अनुबंध बढ़ा दिया। इस ग्रेटर निगम के अनुबंध का मुद्दा कोर्ट में पैडिंग हैं, इस कारण यहां भी मामला अटका पड़ा है। जिन शर्तों पर बीवीजी कंपनी को डोर-टू-डोर कचरा उठाने का काम दिया गया था, वह तो दूर रहा, आज कचरा ही नहीं उठ रहा। कंपनी की मनमानी इतनी है कि जब मर्जी आये, तब हड़ताल पर जाकर भुगतान का दबाव बनाती है। इसी कारण जयपुर शहर की स्वच्छता रैंकिंग गिरी। रोजाना हजारों शिकायतें नगर निगम में दर्ज होती हैं, लेकिन कंपनी पर पेनल्टी लगाने के बजाय इन्हें ऐसे ही निरस्त कर दिया जाता है।

उपमहापौर ने कहा मंत्री प्रताप सिंह कोरी बयानबाजी करने के बजाय, कोर्ट में चल रहे बीवीजी कंपनी के मामले में पुरजोर पैरवी करने के लिए अफसरों को कहें और इस कंपनी को जयपुर से दफा करके सफाई का जिम्मा नगर निगम के हवाले करवाएं।

आहना ने भरतनाट्यम में दिखाया श्रीकृष्ण की अठखेलियां और शिव का रौद्र रूप

महाराणा प्रताप सभागार हुआ भक्ति भाव से सराबोर

जयपुर । मुम्बई की आहना गुप्ता ने आकर्षक भाव-भंगिमाओं व मुद्राओं के बेहतरीन संयोजन से दक्षिण भारत के क्लासिकल डांस भरतनाट्यम का लालित्य छलका दिया। इसमें माधुर्य और लय, कविता, नाटक, अभिव्यक्ति समेत मूर्तिकला, रंग और परंपरा का सलोना समावेश देखने को मिला।

महाराणा प्रताप सभागार मंगलवार को संजोए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आर्ट एंड कल्चर डिपार्टमेंट के ज्वाइंट सेक्रेटरी आरएएस पंकज ओझा समेत विशिष्ट अतिथियों में जयपुर कथक केन्द्र की नृत्य गुरु डॉ.रेखा ठाकर व एमजीडी स्कूल के भरतनाट्यम विभाग की एचओडी निकिता मुद्गल मौजूद रहीं। इस मौके पर आहना की नृत्यगुरु हेतल अनुपम करमाकर भी मौजूद थीं।

जयपुर में अपनी पहली प्रस्तुति को लेकर उत्साहित दिखी आहना ने नृत्यगुरु हेतल अनुपम करमाकर से सीखे सबक को मंच पर साकार कर मौजूद दर्शकों की खूब प्रशंसा बंटोरी। उन्होंने अपनी भक्ति भाव से लबरेज प्रस्तुति के दौरान तकनीकी कौशल व तैयारी पक्ष का उम्दा प्रदर्शन किया। आहना ने कृष्णर्पणम प्रस्तुति में भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति को अनुशासित और सुशोभित आंदोलनों से दर्शाया।

इसके बाद इस कलाकार ने आदिताल में निबद्ध राग नतई में पिरोई गणेश गौतम प्रस्तुति में भगवान गणेश से प्रार्थना को नृत्य में साकार किया। आहना ने वैदिक मंत्रों से लबरेज शुद्ध नृत्य अल्लारिपु की सलोनी प्रस्तुति दी। आदिताल में निबद्ध राग भिनशदज में जतिश्वरम प्रस्तुति में सामंजस्यपूर्ण फुटवर्क और मूर्तिकला मुद्रा रूप का लावण्य छलकाया। कार्यक्रम में ताल मिश्र चापू में निबद्ध राग मलिकाई में पिराई शब्दम् की प्रस्तुति बेहद रोचक रही। इसमें कृष्ण और गोपियों का रोचक प्रसंग नृत्य में दर्शाया गया।

जयपुर में चौथे मिठाई नमकीन अधिवेशन और एक्सपो की मेज़बानी दिसंबर में

जयपुर । फेडरेशन ऑफ स्वीट्स एंड नमकीन मैन्युफक्चरर्स चौथे विश्व मिठाई और नमकीन कन्वेंशन और एक्सपो 2021 का आयोजन कर रहा है, जिसमें पूरे मिठाई और नमकीन उद्योग को जयपुर शो में आमंत्रित किया गया है। डब्लूएमएनसी जयपुर, राजस्थान में 15, 16 और 17 दिसंबर को आयोजित होगा, जिसमें उक्त उद्योग का भव्य शो पेश किया जाएगा।

मिठाई और नमकीन उद्योग के जाने-माने बीकाजी ग्रुप इस इवेंट के टाटिल पार्टनर के रूप में प्रस्तुत होंगे। आयोजन का मुख्य लक्ष्य भारत के मिठाई और नमकीन उद्योग को बढ़ावा देना है क्योंकि यह अन्य खाद्य और पेय उद्योगों के साथ-साथ देश की प्रगति में योगदान देता है। मिठाई और नमकीन का कुल बाजार मूल्य 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक, और समग्र खंड 15-18 प्रतिशत साल दर साल बढ़ रहा है।

महामारी के बाद के दौर में लोग स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा जागरूक हो गए हैं और वे पहले से ज्यादा पैकेज्ड फूड का चुनाव कर रहे हैं। पारंपरिक मिठाई की पैकेजिंग और स्वच्छता को मद्देनजर रखते हुए कंस्यूमर्स की बढ़ती चॉइज पैकेज्ड मिठाइयां और नमकीन को लोकप्रिय बना रही है।

डब्लूएमएनसी इवेंट्स पूरे देश से हल्दीराम, बीकाजी, बीकानेरवाला, बालाजी वेफर्स, येलो डायमंड, कार्निटोस, और कई ऐसे उद्योग के दिग्गजो को आकर्षित कर रहे हैं, और ये खिलाड़ी औसतन 25 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं। यह उम्मीद की जाती है कि यह उद्योग 2024 तक 20 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करेगा।

मिठाई व नमकीन निर्माताओं के साथ, संबद्ध क्षेत्रों जैसे पैकेजिंग और कच्चे माल की कंपनियों, खाद्य प्रसंस्करण मशीनरी, बेकरी और कन्फेक्शनरी, संघटक आपूर्तिकर्ताओं, डेयरी प्रौद्योगिकी और रसद, आईटी समाधान, स्वचालन, पैकेजिंग मशीनरी और सामग्री जैसे क्षेत्रों से कई नामचीन दिग्गज भी शामिल होंगे।

इसें 200 से अधिक स्टाल होंगे और पूरे भारत और विदेशों से 8 हजार से अधिक आगंतुकों और प्रतिनिधियों के आने की उम्मीद है।यह कार्यक्रम तीन दिनों के लिए निर्माताओं की उच्च मांग और कार्यक्रम की बढ़ती लोकप्रियता के कारण आयोजित किया जाएगा।

सार-समाचार

विशाल-प्रतिका ने की दहेज मुक्त शादी

जयपुर । ब्रह्मपुरी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में मंगलवार को एक जोड़े का बिना दहेज के सादगीपूर्वक पाणिग्रहण संस्कार हुआ। गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार निवासी प्रमोद शर्मा के पुत्र विशाल और जयपुर निवासी नीरज बापलावत की पुत्री प्रतिका का विवाह मंगलवार दोपहर को बिना दहेज के हुई। दोनों पक्षों ने बिना किसी विशेष उपहार और नकदी के विवाह संस्कार संपन्न किया। बिना किसी तड़क-भड़क और लाइटों की चकाचौंध में हुए विवाह संस्कार को लोगों ने खूब सराहा है। शांतिकुंज से आए परमानंद द्विवेदी ने विवाह संस्कार करवाते हुए कहा कि विवाह उन्हीं युवाओं को करना चाहिए जो आर्थिक रूप से सक्षम हो। कन्या पक्ष के दहेज पर निर्भर रहने वाले दूल्हे, कन्या का सही ढंग से भरण-पौषण नहीं कर सकते। इस मौके पर वर-वधु को आशीर्वाद के रूप में मिली राशि में से कुछ राशि जरूरतमंद बच्चों राजू और पूजा को दी गई। 12 वर्षीय अनाथ राजू सीतापुरा पुलिया के पास स्थित कच्ची बस्ती में रहता है। स्वास्थ्य कल्याण कॉलेज में पढऩे वाले डॉ. ओजस्वी भारत और उनके साथी राजू के खाने-पीने का बंदोबस्त करते हैं। राजू पढऩा चाहता है। वहीं नंदपुरी में रहने वाली नौ वर्षीय पूजा के पिता नहीं है। मां छोटा-मोटा काम कर परिवार का पालन कर रही है। किरण शर्मा पूजा की यहां-वहां से मदद करवाती रहती है। इनके अलावा शक्तिपीठ में रहने वाली कोम्या साहू, दृष्टि मरकाम और सांची सोलंकी को भी शगुन की राशि भेंट की। दूल्हे के पिता प्रमोद शर्मा ने बताया कि उपहार में प्राप्त राशि का एक हिस्सा शांतिकुंज हरिद्वार भी दिया जाएगा।

टी. रविकांत से मिली पूनम छाबड़ा

जयपुर । शराबबंदी और सशक्त लोकायुक्त आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा पूनम अंकुर छाबड़ा ने वित्त सचिव (आबकारी) टी. रविकांत जी से मुलाकात कर प्रदेश की आबकारी समस्याओं से अवगत करवाया। छाबड़ा ने मांग उठाई कि पूर्व विधायक स्व. गुरूशरण छाबड़ा साहब और पिछले दिनों पूनम अंकुर छाबड़ा के साथ हुए समझौतों को तुरंत लागू किया जाये। इस पर टी. रविकांत ने सभी समझौतों को जल्द लागू करने के लिए भरोसा दिया।

दुष्कर्मी को आजीवन कारावास

जयपुर, (का.सं.)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग छात्रा का अपहरण कर उसके साथ कई दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त शेर सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

सार-समाचार

8 महिला को परित्यक्ता प्रमाण पत्र दिए

जालोर, (कासं)। प्रशासन गावों के संग अभियान के तहत रानीवाडा पंचायत समिति की रानीवाडा कलां ग्राम पंचायत में मंगलवार को आयोजित शिविर में आठ परित्यक्ता महिलाओं को परित्यक्ता प्रमाण पत्र जारी किए गए जिससे उन सभी महिलाओं में खुशी की लहर छा गई। शिविर के दौरान जुग्नुदेवी जोगी, रेखा कुमारी ओड, रेखा कुमारी, हसीना देवी मिरासी, मंजुला पुरोहित, किरण कुमारी श्रीमाली, कृष्णाबेन एवं काजल सिंधी द्वारा शिविर प्रभारी प्रकाशचन्द्र अग्रवाल के समक्ष अपनी व्यथा सुनाने पर शिविर प्रभारी द्वारा तुरंत समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी को आदेशित कर सभी महिलाओं को परित्यक्ता प्रमाण पत्र जारी करवाए गए। परित्यक्ता प्रमाण पत्र मिलने पर सभी महिलाओं ने राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे प्रशासन गावों के संग अभियान की सराहना की। इसी प्रकार शिविर में नरेश कुमार पुत्र मफाराम का 28 वर्षों बाद राजस्व रिकॉर्ड में नाम दुरुस्त किया गया। नरेश कुमार का राजस्व रिकॉर्ड में पूर्व में नागजी पुत्र मफाराम नाम दर्ज था। जिससे उसे सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा था। शिविर के दौरान जब नरेश कुमार द्वारा शिविर प्रभारी को नाम दुरुस्तीकरण का आवेदन प्रस्तुत किया तो शिविर प्रभारी ने उसके आवेदन की पटवारी हल्का रानीवाडा व तहसीलदार नारायण लाल सुथार से जांच करवाई। जांच में सही पाये जाने पर दुरुस्ती प्रस्ताव तैयार किया जाकर तत्काल प्रभाव से नाम दुरुस्तीकरण के आदेश जारी किए गए। शिविर में अपना नाम दुरुस्त होने पर नरेश कुमार ने शिविर प्रभारी व कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सरकार के प्रशासन गांवों के संग अभियान की प्रशंसा की।

राष्ट्रीय लोक अदालत 11 दिसम्बर को

जालोर, (कासं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर के अध्यक्ष एवं जिला जज सिया रघुनाथदान के निर्देशन में 11 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां जोरों पर चल रही है। जिले के सभी न्यायालयों में जहां राजीनामा योग्य प्रकरण लंबित है। उन न्यायालयों के अलावा जिला विधिक सेवा सेवा प्राधिकरण जालोर, तालुका विधिक सेवा समिति भीनमाल, सांचोर व रानीवाडा में प्रि लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों के लिए यह लोक अदालत आयोजित की जा रही है। राष्ट्रीय लोक अदालत में सस्ता, शीघ्र एवं सुलभ न्याय मिलता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विरेन्द्र कुमार मीणा ने पक्षकारान व अधिवक्तागण से आह्वान किया है कि वे अपने राजीनामा योग्य प्रकरणों को राष्ट्रीय लोक अदालत में रेफर करवाए एवं लोक अदालत में अपने प्रकरणों का निस्तारण करवाकर समय व धन की बचत करें। राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर सभी न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत से पूर्व पक्षकारान के बीच बातचीत कर काउन्सलिंग भी की जा रही है। इसके लिए पक्षकारान संबंधित न्यायालय जहां उनका मामला चल रहा है। वहां, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर, न्यायालय परिसर तालुका विधिक सेवा समिति भीनमाल, सांचौर व रानीवाडा में भी संपर्क किया जा सकता है। मीणा ने बताया कि विभिन्न बैंकों के वसूली के प्रकरण भी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, तालुका विधिक सेवा समितियों में विभिन्न बैंकों द्वारा पेश किये गये है, उनके लिए प्रि काउन्सलिंग की व्यवस्था की गई है। पक्षकारान प्रि काउन्सलिंग के दिन एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन अपने प्रकरणों को निस्तारित करवा सकते हैं।

नई पेंशन योजना घातक : धर्मेन्द्र गहलोत

आबूरोड, (निसं)। नई पेंशन योजना राज्य कर्मचारियों के लिए घातक है। यह उद्गार राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय में जिला स्तरीय शैक्षिक अधिवेशन के समापन अवसर पर व्यक्त किए। अधिवेशन संयोजक सत्यनारायण बैरवा ने शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षकों की सेवारत समस्याओं के प्रकरण संगठन को प्राप्त होंगे। उसका शीघ्रता से समाधान करवाया जायेगा। सहसंयोजक किशोर कुमार ने शिक्षकों की शिक्षा विभागीय स्तर पर लंबित समस्याओं को प्राथमिकता से समाधान की आवश्यकता जताई। अधिवेशन के खुले क्षेत्र में जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह सोलंकी, उपशाखा अध्यक्ष देवेश खत्री, मनोहर सिंह चौहान, इंद्रमल खंडेलवाल, गुरुदीन वर्मा, धर्मेंद्र खत्री, कांतिलाल मीणा, शांतिलाल लोहार, गणेश कुमार मेघवाल, भंवरलाल, संयोजक सत्यनारायण बैरवा, सहसंयोजक किशोर कुमार, जयकिशन, संध्या राठौर, राजकुमारी माथुर, हेमंत माली, कालाराम, चतराराम, रवीन्द्र कुमार, सविता बैरवा, गीता भाटी, पवित्रा रारिया, सीमा रारिया, सीमा धारु, गीता आदि शिक्षक उपस्थित थे। अधिवेशन के खुले सत्र में शिक्षकों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।

बायतु निवासी दंपति ने देहदान किया

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर के बायतु निवासी दम्पति हिम्मताराम पुत्र खेराजराम गोराडिया एवं उनकी धर्मपत्नि गवरी देवी ने स्वेच्छा से देहदान का संकल्प लेकर समाज में एक सकारात्मक सन्देश दिया है। दम्पति ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.के. आसेरी एवं एनाटोमी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिजीत जोशी को स्वेच्छिक देहदान प्रपत्र सौंपा। मेडिकल कॉलेज प्राचार्य आसेरी ने बताया कि दम्पति का देहदान का संकल्प सभी के लिए देहदान के प्रति जागरूकता का सन्देश प्रदान करता है। देहदानकर्ता हिम्मताराम एवं गवरी देवी ने बताया कि हमारी देह मरणोपरान्त भविष्य के डॉक्टर्स के शिक्षण एवं शोधकार्य में उपयोगी होगी। उन्होने बताया कि उन्हें देहदान की प्रेरणा उनके अतंर्मन से मिली। दंपति का मेडिकल कॉलेज प्राचार्य एवं एनाटोमी विभाग के विभागाध्यक्ष ने आभार जताया।

ओ.बी.सी. मोर्चा के मंडल अध्यक्ष घोषित

जालोर, (कासं)। भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने मंगलवार को जालोर जिला मण्डल अध्यक्षो की घोषणा की। जालोर आईटी जिला संयोजक भीखाराम प्रजापत ने बताया कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पुनिया, ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना, जिला प्रभारी आवडदान चारण, भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह राव के निर्देशानुसार ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष ओबाराम देवासी ने जालोर जिले में मण्डल अध्यक्षों की घोषणा की। जिसमे जालोर शहर मण्डल अध्यक्ष जोगेश सेन, गुडा बालोतान मण्डल पर हरीश कुमावत अगवरी, आहोर मण्डल अध्यक्ष पद पर लालाराम देवासी कांबा, अरणनाय मण्डल पर मांगीलाल देवासी भादरणा को नियुक्त किया। जिलाध्यक्ष ओबाराम देवासी ने भाजपा ओबीसी मोर्चा के नवीन मण्डल अध्यक्षों को पार्टी के हित में कार्य करने की अपील की।

रविकांत ने सतर्कता की अपील की

रानी, (निसं)। कोविड की संभावित तीसरी लहर के खतरे को देखते हुए उपखण्ड अधिकारी रविकांत सिंह ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग मास्क का उपयोग आवश्यक रूप से कर संभावित बीमारी से बचने के प्रयास करें। उन्होंने व्यापारियों से अपील की है कि दुकान में बिना मास्क आने वाले ग्राहकों से मास्क लगाने की अपील करें कि पुनः जब भी दुकान पर आए बिना मास्क नही आये। उन्होंने दुकानदारों से भी बिना मास्क दुकान में नहीं आने की अपील की। बाजार में भीड़ नहीं करने की अपील करते हुए कहा कि सरकार की नई गाइड लाइन के अनुसार प्रशासन एवं पुलिस व नगरपालिका का संयुक्त अभियान कभी भी चलाया जा सकेगा। उन्होंने लोगों से बच्चों का अधिक ध्यान रखने की हिदायत दी।

प्रताप पुरी महाराज ने दौरा किया

पोकरण, (निसं)। पोकरण भाजपा के वरिष्ठ नेता महंत प्रतापपुरी महाराज ने मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र में लगातार ग्रामीण क्षेत्रों एवं पोकरण शहर सहित गांव ढाणियों में आमजन की समस्याओं को लेकर जनसंपर्क कर समस्याओं के निदान में लगे हुए हैं। मोडरडी गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत कर जनसुनवाई की। प्रतापपुरी महाराज नानणीयाई गांव में आयोजित सामाजिक कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

सफाई कर्मी का सम्मान किया

भेडाणा, (निसं)। भेडाणा में मंगलवार को पशु चिकित्सालय सफाई करता चंपालाल हरिजन का सेवानिवृत्त समारोह आयोजित हुआ। जिसमें हॉस्पीटल के डॉक्टर रमेश, कंपाउण्डर मोहनलाल, रूघाराम ने चंपालाल का माला व साफा पहनाई। इस कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य देवाराम चौधरी, उप सरपंच डामराराम, नरीगाराम, आईदानराम, राणाराम, कालूराम दर्जी, मदनलाल दर्जी और भी कई ग्रामीण मौजूद थे। देवाराम चौधरी ने कहा कि हॉस्पीटल में चंपालाल ने बहुत ही अच्छी तरह कामकाज किया।

आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई

जसवंतपुरा, (निसं)। जवाहर नवोदय विद्यालय जसवंतपुरा सत्र 2022-23 के लिए कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन फॉर्म की अंतिम तिथि 30 नवंबर को बढ़ाकर15.12.2०21 कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 15 दिसम्बर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट पर पा सकते हैं।

शैक्षिक सम्मेलन में शिक्षकों की लंबित मांगों पर चर्चा के साथ कई प्रस्ताव पारित किए

राजस्थान समर्ग शिक्षक संघ का जिला शिक्षक अधिवेशन रेवदर के बुढेश्वर महादेव मन्दिर में हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर में शिक्षक संघ शेखावत के शैक्षिक सम्मेलन के दूसरे दिन वक्ताओं ने विचार प्रकट किये। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत जालोर दो दिवसीय जिला शैक्षिक सम्मेलन पंचायत समिति सभागार में दूसरे दिन मंगलवार को खुला सत्र पीईओ लेटा मिश्रीलाल गर्ग मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष शिवदत्त आर्य तथा जिला संयोजक दलपत सिंह आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमें शिक्षकों की लंबित मांगों के साथ विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए।

शिक्षकों की लंबित मांगों को लेकर 6 दिसंबर को संगठन की ओर से हल्ला बोल के तहत होने वाले आंदोलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने का आव्हान किया गया। गर्ग ने कहा कि नए कर्मचारियों को सुविधा लेनी है तो संघर्ष करना पडेगा अन्यथा सरकारे कुछ नहीं देगी। प्रदेश उपाध्यक्ष आर्य ने 6 तारीख को बीकानेर में होने वाले कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने का आहवान किया।

सम्मेलन संयोजक बरकत खान मेहर ने बताया कि अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ द्वारा कर्मचारी मांगों को लेकर आंदोलन तथा प्रशासन गांवों तथा शहरों संग अभियान के बहिष्कार का समर्थन करता है। साथ ही शिक्षक समुदाय का आव्हान करता है। इसी प्रकार महामारी के चलते लंबे अंतराल के बाद विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रारंभ हो पाया है। वर्तमान में विद्यार्थियों के लिए शिक्षकों का साहचर्य और रूबरू भौतिक शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण तथा आवश्यक है। सम्मेलन में प्रमुख मांगों पर चर्चा कर रणनीति बनाई गई। अध्यापक भंवरु खान ने अभियान गीत सुनाया।

जिला सह संयोजक गोविंद सिंह राम ने कविता सुनाएं। कार्यक्रम का संचालन सह संयोजक गोविंद सिंह राव ने किया। इस मौके पर राज्य पुरस्कार से सम्मानित नरसिंह दास वैष्णव का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर जिला संरक्षक ओम प्रकाश खंडेलवाल, गोपाल सिंह मंडलावत, शैलजा माथुर ललिता प्रसाद शर्मा, कपिल मुद्गल, अनन्त प्रकाश लखारा, दिनेश राव, शैलेंद्र कुमार सिंघल, अनीता बानो सिलावट, बरकत खान मंगलिया ने अपने विचार व्यक्त कर शिक्षक समस्याओं पर ध्यान आकर्षित किया।

इस अवसर पर इस मौके पर शिक्षा विभाग में अच्छी सेवा एवं संगठन में अच्छे कार्य करने कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन सह संयोजक बरकत खान मेहर ने आभार जताया। सामूहिक राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रशांत सिंह शैलजा माथुर, दमयंती वैष्णव, अंजना शर्मा, रेखा खत्री, पदमा बाघेला, भूपेश मिश्रा, रतनलाल,अख्तर हुसैन, मनोज चौधरी, राकेश शर्मा, कपिल मुद्गल, देवेंद्र शर्मा, अनन्त प्रकाश लखारा,शंकरलाल माली, नसीर खान, दिनेश राव, शंकर दास, जितेंद्र रामावत, पूनम सिह, नरेन्द्र खत्री रोहिताश शर्मा, राजेंद्र सिंह सहित कई शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

रेवदर संवाददात के अनुसार : राजस्थान समग्र शिक्षक संघ का जिला शिक्षक अधिवेशन रेवदर के बुढ़ेश्वर महादेव मन्दिर में प्रारंभ हुआ।

शैक्षिक सम्मेलन में पूर्व जिला प्रमुख चंदन सिंह देवड़ा, आबूरोड प्रधान लीला राम गरासिया, राजस्थान समग्र शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ उदयसिंह डिंगार, जिला परिषद सदस्य मोतीराम कोली, कांग्रेसी नेता हिमपाल सिंह देवल, भटाना सरपंच भवानी सिंह देवड़ा, भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष गणपत सिंह राठौड़, उप सरपंच संघ प्रदेश संयोजक सुजान सिंह वडवज, शिक्षा अधिकारी पुनमसिह सोलंकी, रेवदर सरपंच अजबाराम चौधरी, पूर्व शिक्षा अधिकारी दलपत राजपुरोहित, पूर्व पचायत समिति सदस्य हंसमुख भाई बोकड़िया, पूर्व उपसरपंच वासन प्रताप पचाल समेत कई जने उपस्थित रहे। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. उदय सिंह डिंगार ने बताया कि समग्र शिक्षक संघ के शैक्षिक अधिवेशन के प्रारंभ अवसर पर उपस्थित शिक्षकों ने एक स्वर में पुरानी पेंशन प्रणाली लागू करने की मांग उठाई। उन्होंने बताया कि शैक्षिक अधिवेशन के अवसर पर संविदा निविदा प्लेसमेंट कर्मियों को नियमित करवाने के लिए रणनीति बनाने पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर पूर्व जिला प्रमुख चंदन सिंह देवड़ा ने समग्र शिक्षक संघ की रीति नीति की सराहना की। आबूरोड प्रधान लीला राम गरासिया ने हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

कांग्रेसी नेता भवानी सिंह भटाणा हिमपाल सिंह देवल ने वर्तमान सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष गणपत सिंह राठौड व सुजान सिंह वडवज ने भी पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में किए गए शिक्षा जगत के कार्यों को याद दिलाया। शिक्षकों ने भी अपनी समस्या को लेकर जनप्रतिनिधियों को अवगत करवाया।

जनप्रतिनिधियों ने भी आश्वासन दिया कि समग्र शिक्षक संघ को हर संभव मदद का पूरा प्रयास करेंगे। शिक्षकों, प्रबोधकों, पैराटीचर शिक्षाकर्मी, पंचायत सहायक, कुक कम हेल्पर सहित निविदा प्लेसमेंट कार्मिकों के हितार्थ प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में शैक्षिक नवाचार और शैक्षिक पाठ्यक्रम शिक्षा विभाग को डिजिटल बनवाने में अत्याधुनिक तकनीक अपनाने पर चर्चा की गई।

भीनमाल के वार्ड 35 व सांचौर के वार्ड 17 में उप चुनाव होगा

जालोर, (कासं)। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से नगरीय निकायों के सदस्यों के रिक्त पदों पर उप चुनाव माह नवम्बर-दिसम्बर, 2021 के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा 30 नवम्बर को करने के साथ ही नगरपालिका भीनमाल के वार्ड सं. 35 एवं नगरपालिका सांचोर के वार्ड सं. 17 निर्वाचन क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता चुनाव प्रक्रिया समाप्ति तक लागू रहेगी।

आदर्श आचार संहिता की पालना के निर्देश दिये है

जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरपालिका) नम्रता वृष्णि ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के अनुसार नगरपालिका भीनमाल के वार्ड सं. 35 एवं सांचोर नगरपालिका के वार्ड सं. 17 में सदस्य के रिक्त पद पर उप चुनाव करवाये जायेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रमानुसार 6 दिसम्बर को लोक सूचना जारी की जायेगी तथा अंतिम तिथि 10 दिसम्बर को प्रातः 10.30 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक नामांकन पत्र प्रस्तुत किये जा सकेंगे। 11 दिसम्बर को प्रातः 10.30 बजे से नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जायेगी तथा 13 दिसम्बर को अपरान्ह 3 बजे तक अभ्यर्थिता वापिस ली जा सकेगी। 14 दिसम्बर को चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जायेगा। 21 दिसम्बर को प्रातः 7.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक मतदान करवाया जायेगा तथा 23 दिसम्बर (गुरूवार) को प्रातः 9 बजे से मतगणना की जायेगी। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को आदर्श आचार संहिता की पूर्ण पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

महिला जन प्रतिनिधियों के लिए कार्यशाला आयोजित

स्वरूपगंज के अचपुरा में आवश्यकता आधारित कार्यशाला का आयोजन हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

स्वरूपगंज, (निसं)। द हंगर प्रोजेक्ट के तत्वावधान में राजीव गांधी सेवा केंद्र अचपुरा में मंगलवार को आवश्यकता आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पांच ग्राम पंचायत से महिला जनप्रतिनिधियों ने भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम समन्वयक कैलाश बंजारा ने दो दिवसीय कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा की स्थिति एवं स्कूल ड्रॉप आउट बच्चों की जानकारी एवं विद्यालय क्रमोन्नत की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुष्पा झा ने बताया कि अक्टूबर माह से दिसंबर 16 तक आयोजित होने वाले विभिन्न ग्राम पंचायतों में प्रशासन गांवों के संग अभियान में पूरा प्रशासन अपने द्वारा रहे हैं एवं 19 विभागों के अधिकारी उन कैंपों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। इस दौरान महिला जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी बनती है कि विभिन्न मुद्दों से जुड़ी हुई समस्याओं को उक्त कैंप में रखें समाधान के लिए साथ ही ग्राम पंचायत के वार्षिक कार्य योजना 2022 एवं 23 के प्लान में मनरेगा से जुड़े हुए मुद्दों को प्राथमिकता से रखे। विकास के साथ में मानव विकास के मुद्दों को भी प्राथमिकता से लेते हुए ग्राम पंचायत के वार्षिक कार्य योजना में जुड़वाने का कार्य करें।

कैलाश बंजारा ने स्थाई समितियों के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि ग्राम पंचायत के कार्यों को लेकर बहुत बड़ा सवाल रहता है। उन कार्यों को आसान करने के लिए ग्राम पंचायतों में स्थाई समितियों का गठन किया गया है।

पुष्पा झा ने शिक्षा की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए स्कूल प्रबंधक कमेटी के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि स्कूल मैनेजमेंट के लिए कमेटी का गठन किया गया है और उन कमेटी की जिम्मेदारी बनती है कि स्कूल से जुड़े हुए विभिन्न मुद्दों को ग्राम पंचायत में उठाएं एवं व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करें। कार्यशाला में बालिकाओं के लिए सरकार की ओर से चला रही विभिन्न योजनाओं के बारे में महिला जनप्रतिनिधि की समझ विकसित की गई। कार्यशाला में विभिन्न महिलाओं ने भागीदारी निभाई।

भविष्य ज्ञान ज्योति राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा पर चर्चा की

जालोर, (कासं)। राज्य स्तरीय भविष्य ज्ञान ज्योति प्रतिभा खोज परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर राजाराम आंजणा समाज छात्रावास, जालोर के बहुउद्देश्य सभागार में जालोर विकास अधिकारी सांवलाराम चौधरी की अध्यक्षता में बैठक हुई।

बैठक उपस्थित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए सांवलाराम चौधरी ने बताया कि आमतौर पर अपने जीवन में हर छात्र सफलता प्राप्त करके आगे बढ़ना चाहता हैं। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में सिर्फ चाहने से कुछ नहीं होता बल्कि सफल विद्यार्थी बनने के लिए हमें पर्याप्त मेहनत करने की जरूरत होती हैं। अगर विद्यार्थीयों की बात करे, तो उन्हें सही दिशा में मेहनत करने और स्मार्ट तरीके से पढ़ाई करने के गुण जरूर सीखने चाहिए, ताकि वे एक निश्चित समय अवधि में सफलता प्राप्त कर सकें। इसके लिए उन्हें प्रभावी अध्ययन की आदत डालने के साथ ही उन सभी नियमों का भी सख्ती से पालन करना होता हैं, जो अंततः हमें सफलता की ओर अग्रसर करते हैं।

बैठक में उपस्थित ओडवाडा प्रधानाचार्य किशनाराम पटेल राखी व व्याख्याता मुकेश चौधरी रामा ने भी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि जीवन में सदैव एक लक्ष्य का निर्धारण कर उस लक्ष्य की प्राप्ति तक कठोर मेहनत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक का शुभारम्भ अतिथियों के द्वारा समाज के आराध्य देव राजेश्वर भगवान की तस्वीर के सम्मुख दीप प्रज्जवलन कर देवों की मंगल आरती के साथ किया। भविष्य ज्ञान ज्योति, राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा 2021-22 के जालोर जिला समन्वयक मालाराम चौधरी ने बताया कि हर वर्ष के भांति इस शैक्षणिक सत्र में भी कलबी समाज के छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक उन्नयन के लिए भविष्य ज्ञान ज्योति, प्रतिभा खोज परीक्षा के तहत् राज्य के 25 ब्लॉक जिसमें सांचोर, पांचला, हाडेचा, भीनमाल, रानीवाडा, जालोर, सायला, बागोडा, रामसीन, आहोर, भाद्राजून, जसवन्तपुरा, जोधपुर, बालोतरा, सिणधरी, समदड़ी, गुड़ामालानी, पाली, भॉवरी, सिरोही, मण्डार, रेवदर, सरूपगंज, शिवगंज व जयपुर में 9 जनवरी को कलबी (आंजणा) समाज छात्रावासों में पूर्णत्या प्रतियोगी परीक्षाओं की तर्ज पर इस सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

जालोर ब्लॉक परीक्षा प्रभारी विनोद चौधरी, संचालक सेंट राजेश्वर कॉन्वेंट सैकण्डरी स्कुल, जालोर ने बताया कि भविष्य ज्ञान ज्योति, प्रतिभा खोज परीक्षा के तत्वावधान में जिले के 12 ब्लॉक जिसमें जालोर, आहोर, सायला, सांचोर, भीनमाल, रानीवाडा, भाद्राजून, जसवन्तपुरा पाँचला, हाडेचा, बागोडा व रामसीन सहित राज्य के 13 अन्य स्थानों पर यह सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की जायेगी। इस प्रतियोगिता में सीनियर एवं जुनियर दो वर्ग होगे। जिसमें सीनियर वर्ग में महाविद्यालय स्तर इसमें स्नात्तक व स्नात्तकोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत नियमित विद्यार्थी एवं जुनियर वर्ग में विद्यालय स्तर जिसमें कक्षा 9 से 12 तक के अध्ययनरत नियमित विद्यार्थियों के लिए इस सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस सामान्य ज्ञान परीक्षा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तर्ज पर ओएमआर शीट के माध्यम से परीक्षा आयोजित की जायेगी। महाविद्यालय स्तर के विद्यार्थियों के लिए सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तथा विद्यालय स्तर के विद्यार्थियों के लिए दोपहर 1.30 बजे से शाम 3.30 बजे तक रहेगा। इस ब्लॉक स्तरीय लिखित परीक्षा के प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता छात्र-छात्राओं के मध्य जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाकर उनका चयन राज्य स्तरीय क्वीज प्रतियोगिता एवं पुरूस्कार वितरण समारोह के लिए किया जायेगा। इस समारोह में राज्य प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारीयों द्वारा प्रतियोगियों को मार्गदर्शन के लिए कैरियर सेमीनार का आयोजन किया जायेगा। भविष्य ज्ञान ज्योति, प्रतिभा खोज परीक्षा द्वारा आयोजित इस सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थी अपने-अपने ब्लॉक स्तर पर कलबी समाज छात्रावासों के संचालकों से इस परीक्षा से सम्बधित आवेदन-पत्र प्राप्त कर उसे निर्धारित प्रारूप में भरकर वांछित योग्यताओं से सम्बधित प्रमाण पत्रों को सलंग्न करके अपने-अपने आवेदन पत्र समाज छात्रावासों के संचालकों के पास जमा करवा देवें।

बैठक में जालोर विकास अधिकारी सांवलाराम चौधरी, ओड़वाडा प्रधानाचार्य किशनाराम पटेल राखी, व्याख्याता मुकेश चौधरी रामा, व्यवसायी वीराराम चौधरी भोरड़ा, प्रकाश चौधरी रेवड़ा कलां, सेंट राजेश्वर स्कुल के प्रबंध निदेशक विनोद चौधरी मोतीसरी, केराराम चौधरी, मावाराम चौधरी, धीराराम सहित कई जने उपस्थित थे।

नया नारणावास में प्रशासन गांवों के संग अभियान का शिविर लगाया

जालोर, (निसं)। जालोर जिले के ग्राम पंचायत मुख्यालय नया नारणावास में मंगलवार को प्रशासन गांवों के संग शिविर का आयोजन किया गया।

प्रप्त जानकारी के अनुसार शिविर में जागनाथ मठ के महंत महेंद्र भारती , जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग , उपखण्ड अधिकारी चंपालाल जीनगर , नारणावास सरपंच जशोदा कंवर , जालोर प्रधान नारायण सिंह राजपुरोहित , तहसीलदार पदमा राम , जालोर विकास अधिकारी सावला राम चौधरी , अतिरिक विकास अधिकारी केवा राम , पीईईओ रतन सिंह राठौड़, रूप सिंह राठौड़ नारणावास, रसद विभाग की नमिता की मौजूदगी में आयोजित हुए शिविर में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

शिविर में पंचायती राज विभाग , चिकित्सा विभाग ,कृषि विभाग, विद्युत विभाग , राजस्व विभाग ,महिला एवं बाल विकास विभाग, जलदाय विभाग समेत कई विभागों के कार्मिक एवं अधिकारी मौजूद रहे।

शिविर को लेकर नारणावास पंचायत क्षेत्र के नारणावास , नया नारणावास व धवला के ग्रामीण अपने कार्य करवाने के लिए शिविर में पहुंचे। नारणावास सरपंच जशोदा कंवर व ग्राम विकास अधिकारी लच्छा राम प्रजापत ने बताया कि प्रशासन गांवों के संग अभियान में लोगों के पेंशन की स्वीकृतिया, पालनहार, मुख्यमंत्री आवास की स्वीकृतिया, शिविर में जारी किए गए एवं पेंशन के पीपीओ जारी किए गए।

इस मौके पर लोगों के आवासीय पुश्तैनी घरों के पट्टे 90 जारी किए गए साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृतिया 22 जारी की गई एवं नए जॉब कार्ड 16 जारी किए गए। साथ ही विभिन्न लाभकारी योजनाओं के आवेदन लिए गए। साथ ही शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी ।

इस अवसर पर मदन सिंह बालोत लच्छा राम धांधू, जितेंद्र त्रिवेदी ,उप सरपंच मनोहर सिंह आरआई मोहन सिंह , गणपत सिंह , महेंद्र जीनगर , काना राम , पाबु सिंह , विक्रम सिंह आदि की मौजूद रहे।

कई लोगों की समस्या का समाधान किया

रानी, (निसं)। प्रशासन गांवों के संग अभियान के तहत मंगलवार को ग्राम पंचायत बिजोवा में कैंप का आयोजन किया गया।

शिविर में मारवाड़ विधायक खुशवीर सिंह उपखण्ड अधिकारी रविकांत सिंह, तहसीलदार सुनीता चारण, विकास अधिकारी आवड़दान, प्रधान श्यामा कंवर, सरपंच भंवरी देवी सहित समस्त ब्लॉक लेवल अधिकारी उपस्थित रहे।

कैंप में राजस्व, पंचायती राज सहित अन्य सभी विभागों द्वारा आम जन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया गया।

उपखण्ड अधिकारी सिंह ने बताया कि कैंप की मुख्य उपलब्धि भगवानपुरा स्टेशन पर शमशान भूमि आवंटन रही। भगवानपुरा स्टेशन के ग्रामीण शमशान भूमि के लिए लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे जो की आज पूरी हुई।

इसके साथ ही राजस्व विभाग द्वारा सहमति से बंटवारे के 26, रास्ते के 16 , शुद्धि के 36, सीमांकन 27 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। राजस्व विभाग द्वारा 3० पट्टे, 2० जॉब कार्ड, 39 पीपीओ जारी किए गए।

कैंप के समापन पर उपखण्ड अधिकारी रविकांत सिंह द्वारा समस्त ग्रामीणों को वैक्सीन लगवाने, और मास्क का प्रयोग करने की अपील की।

जल संचय योजना की बैठक संपन्न

जालोर, (कासं)। जिला कलैक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में मंगलवार को राजीव गांधी जल संचय योजना की बैठक संपन्न हुई। जिला कलैक्टर ने राजीव गांधी जल संचय योजना से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही पूर्ण किए गए कार्यों को समयबद्ध रूप से राजीव गांधी जल संचय योजना पोर्टल पर अपलोड करने के साथ ही लक्ष्यानुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में डीएफओ यादवेन्द्र सिंह चूडावत, पीएचईडी एसई ताराचन्द कुलदीप, जिला परिषद के सोहम शर्मा, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

खेल जगत

निर्धारित समय पर दक्षिण अफ्रीका रवाना होगी भारतीय टीम : धूमल

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने मंगलवार को कहा कि भारत का दक्षिण अफ्रीका दौरा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा, बशर्ते वहां कोविड-19 का नया वैरिएंट मिलने के बाद स्थिति खराब न हो। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में दूसरा और आखिरी टेस्ट खेलना है, जिसके बाद टीम वहां से आठ या नौ दिसंबर को चार्टर्ड विमान से जोहानिसबर्ग के लिए रवाना होगी। धूमल ने भरोसा जताया कि दक्षिण अफ्रीका द्वारा तैयार जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में खिलाड़ी सुरक्षित रहेंगे। पहला टेस्ट जोहानिसबर्ग में 17 दिसंबर से खेला जाएगा।

धूमल ने कहा, हम उनके साथ खड़े हैं। बात सिर्फ इतनी है कि हम खिलाड़ियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। फिलहाल हमारे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जोहानिसबर्ग के लिए चार्टर्ड फ्लाइट की योजना है और खिलाड़ी जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहेंगे। खतरे से निपटने के लिए दक्षिण अफ्रीका के अंदर स्थलों के संभावित बदलाव पर धूमल ने कहा, हम लगातार क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के अधिकारियों के संपर्क में हैं। सीरीज को कोई नुकसान नहीं हो उसके लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे।

धोनी, रोहित, विराट रिटेन, नीलामी में उतरेंगे हार्दिक पांड्या और ईशान किशन

मुंबई, 30 नवम्बर। गत चैंपियन महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सुनील नारायण, आंद्रे रसेल और ग्लेन मैक्सवेल कुछ बड़े नामों में शुमार हैं जिन्हें मौजूदा फ्रेंचाइज़ी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के लिए बरक़रार रखने का फैसला किया है ज़बकि हार्दिक पांड्या और इशान किशन इस बार नीलामी में शामिल होंगे।

समझा जाता है कि अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद ख़ान ने सनराइज़र्स हैदराबाद के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है जिसमें उन्हें रिटेन किया जा रहा था। सनराइज़र्स हैदराबाद ने अब केन विलियम्सन के साथ साथ जम्मू-कश्मीर के युवा खिलाड़ी उमरान मलिक और अब्दुल समद को भी रिटेन कर लिया है। इसका मतलब साफ़ है कि विलियम्सन अब सनराइजर्स के स्थायी कप्तान हो सकते हैं।

मुंबई इंडियंस ने कीरोन पोलार्ड और सूर्यकुमार यादव को रिटेन कर लिया है, इससे पहले जसप्रीत बुमराह और रोहित शर्मा को भी एमआई ने बरक़रार रखा था। इसका मतलब ये हुआ कि हार्दिक पांड्या और इशान किशन इस बार नीलामी में शामिल हो सकते हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने भी तीन खिलाड़ियों को रिटेन करने का फैसला किया है, विराट कोहली और ग्लेन मैक्सवेल को तो पहले ही बेंगलुरु ने अपने साथ बरकरार रखा था। अब तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज भी आरसीबी के साथ ही रहेंगे।

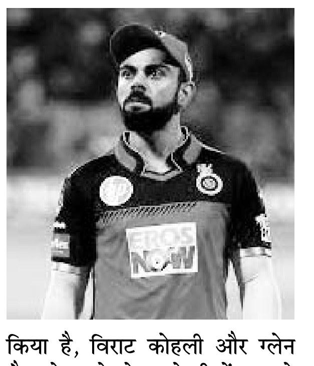

राजस्थान रॉयल्स ने संजू सैमसन को अपने साथ रखने की घोषणा की थी और अब जोस बटलर, जोफ्रा आर्चर और यशस्वी जायसवाल भी राजस्थान के साथ ही रहेंगे। पंजाब किंग्स ने अपने कप्तान लोकेश राहुल को खो दिया है लेकिन मयंक अग्रवाल और अर्शदीप सिंह को रिटेन करने का फैसला किया है। हालांकि अब तक सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफ़ी का फ़ाइनल छक्का लगाकर तमिलनाडु को चैंपियन बनाने वाले शाहरुख खान के बारे में कोई ख़बर नहीं मिली है। रिटेन किये गए खिलाड़ियों की सूची और टीमों के पास बचा पर्स इस प्रकार है :

चेन्नई सुपर किंग्स: रवींद्र जडेजा, महेंद्र सिंह धोनी, ऋतुराज गायकवाड़, मोइन अली

कोलकाता नाइट राइडर्स: सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, वरुण चक्रवर्ती, वेंकटेश अय्यर

सनराइज़र्स हैदराबाद: केन विलियम्सन, उमरान मलिक, अब्दुल समद

मुंबई इंडियंस: रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और कीरोन पोलार्ड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल, मोहम्मद सिराज

दिल्ली कैपिटल्स: ऋषभ पंत, पृथ्वी शॉ, अक्षर पटेल, एनरिक नोर्त्जे

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन, जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल

पंजाब किंग्स : मयंक अठावाल, अर्शदीप सिंह

शेष पर्स:

सीएसके: सभी चार खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 48 करोड़ रुपये शेष

केकेआर: सभी चार खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 48 करोड़ रुपये शेष

डीसी: सभी चार खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 48 करोड़ रुपये शेष

एसआरएच: तीन खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 57 करोड़ शेष

एमआई: सभी चार खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 48 करोड़ रुपये शेष

आरसीबी: तीन खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 57 करोड़ रुपये शेष

आरआर: तीन खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 57 करोड़ रुपये शेष

पीबीकेएस: दो खिलाड़ी रिटेन, नीलामी के लिए 66 करोड़ रुपये शेष

नई फ्रेंचाइज़ी के पास 1 दिसंबर से 25 दिसंबर तक तीन खिलाड़ियों (दो भारतीय और एक विदेशी) को साइन करने का समय है, जिन खिलाड़ियों को मौजूदा आठ मौजूदा फ्रेंचाइज़ी के द्वारा रिटेन नहीं किया गया है। उन्हें नई फ्रेंचाइज़ी अपने टीम में शामिल कर सकती है। आईपीएल की आठ मौजूदा टीमें अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन कर सकेंगी। दो अलग-अलग संयोजन के साथ टीमें रिटेंशन के लिए अपलाई कर सकती हैं : तीन भारतीय और एक विदेशी, या दो भारतीय और दो विदेशी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि भारतीय खिलाड़ी कैप्ड हैं या अनकैप्ड। नीलामी में राइट-टू-मैच कार्ड नहीं होंगे। प्रत्येक खिलाड़ी के पास यह फ़ैसला लेने का हक होगा कि वह उस फ्रेंचाइजी के साथ रहना चाहता है या नहीं...

हाल ही में आईपीएल ने नीलामी पर्स को बढ़ाकर 90 करोड़ रुपये कर दिया था, साथ ही विभिन्न रिटेंशन स्लैब भी सेट किए गए थे। मौजूदा फ्रेंचाइज़ी अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है जबकि दो नई अनाम फ्रेंचाइज़ी- जो लखनऊ और अहमदाबाद के रूप में है- वह मूल आठ टीमों के रिटेन करने के बाद प्लेयर पूल से तीन-तीन खिलाड़ी ख़रीद सकती हैं।

दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्रालय ने दी गारंटी, टीम इंडिया को ओमिक्रॉन वैरिएंट से कोई खतरा नहीं

जोहानिसबर्ग 30 नवम्बर। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने यहां सीरीज खेलने पहुंचेगी तो उसके लिए कंप्लीट जैव सुरक्षित माहौल (बायो-बबल) तैयार किया जाएगा। मंत्रालय ने साथ ही कोविड-19 का नया वैरिएंट मिलने के बावजूद ए टीम के दौरे से नहीं हटने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की तारीफ भी की। भारत ए मंगलवार से ब्लोमफोंटेन में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट खेलेगा। नयाओमिक्रॉनवैरिएंट मिलने के कारण वैश्विक चिंताओं के बावजूद भारतीय बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जारी रखने का फैसला किया है।

भारतीय सीनियर टीम भी 17 दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका में तीन टेस्ट खेलेगी, जिसके बाद इतने की वनडे इंटरनेशनल सीरीज और चार टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले भी होंगे। विराट कोहली और उनकी टीम नौ दिसंबर को यहां पहुंचेगी, लेकिन देश में कोविड का ओमिक्रॉन वैरिएंट मिलने के बाद दौरे को लेकर कुछ चिंताएं हैं। इस नए वैरिएंट के सामने आने के बाद कई देशों ने यात्रा पाबंदियां लगाई हैं। अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग विभाग (डर्का) जो देश का विदेश मंत्रालय है, ने कहा, भारतीय टीम के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण अफ्रीका सभी जरूरी एहतियाती कदम उठाएगा। दक्षिण अफ्रीका और भारत ए टीम के अलावा दोनों नेशनल टीम के लिए पूर्ण रूप से जैव सुरक्षित माहौल तैयार किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा, भारत ए टीम के दौरे को जारी रखकर एकजुटता दिखाने का भारत का फैसला कई देशों के विपरीत है, जिन्होंने अपनी सीमाओं को बंद करने और दक्षिण अफ्रीका से यात्रा को सीमित करने का फैसला किया है। मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका सरकार दौरा जारी रखने के लिए बीसीसीआई की सराहना करती है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट जोहानिसबर्ग में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट सेंचुरियन में 26 दिसंबर से होगा। तीन मैच केपटाउन में तीन जनवरी से खेला जाएगा। मंत्रालय ने कहा, भारतीय नेशनल टीम का दौरा दक्षिण अफ्रीका की इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की 30वीं वर्षगांठ भी होगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम कोरिया रवाना

बेंगलुरु, 30 नवंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम पांच से 12 दिसंबर तक होने वाले एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मंगलवार को कोरिया के डोंगहे के लिए रवाना हो गई। 2018 की उप विजेता टीम भारत इस सिंगल पूल टूर्नामेंट में चीन, कोरिया, जापान, थाईलैंड और मलेशिया के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करती नजर आएगी। भारत पांच दिसंबर को अपने शुरुआती मैच में थाईलैंड से भिड़ेगा, जबकि छह दिसंबर को उसका अगला मैच मलेशिया से होगा। फिर आठ दिसंबर को मेजबान एवं गत चैंपियन कोरिया के खिलाफ तीसरा मैच होगा। भारतीय टीम का नौ दिसंबर को चीन और 11 दिसंबर को आखिरी मुकाबला जापान से होगा। प्रतियोगिता का फाइनल 12 दिसंबर को पूल के टॉपर और दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम के बीच होगा।

उल्लेखनीय है कि बेंगलुरु में रिहैबिलिएटेशन कर रही नियमित कप्तान रानी रामपाल की अनुपस्थिति में गोलकीपर सविता पुनिया भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी। सविता ने इस पर कहा, निश्चित तौर पर पूरी टीम उत्साहित है। ओलंपिक के बाद यह हमारा पहला टूर्नामेंट है और हमारी जिम्मेदारी है कि हम टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करें। हमारे पास काफी युवा हैं जो टीम का हिस्सा हैं और वह अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करेंगे। उन्हें भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

सविता ने एक बयान में कहा, इसमें कोई शक नहीं कि हम शीर्ष रैंकिंग वाली टीम के रूप में मैदान पर उतरेंगे, लेकिन हम नहीं चाहते कि यह प्रतिष्ठा कोई अतिरिक्त दबाव डाले। हम केवल अपने मूल सिद्धांतों पर टिके रहना चाहते हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमने जो भी योजना बनाई है उसे ठीक से क्रियान्वित किया जाए। कोरिया जैसी टीम को घर में हराना मुश्किल है और पिछले संस्करण में भी हम फाइनल में उससे काफी करीब से हारे थे और इस बार भी मुझे उम्मीद है कि वह हमें चुनौती देगी। इस बीच टीम की उप कप्तान एवं अनुभवी डिफेंडर दीप ठोस एक्का ने कहा कि टीम ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करके गौरव प्राप्त करने के बाद आराम नहीं कर सकती। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह उनके आगे के सत्र के लिए एक नई शुरुआत होगी।

लियोनल मेसी ने रिकॉर्ड सातवीं बार जीता बैलोन डिओर अवॉर्ड, रॉबर्ट लेवेनडॉस्की से था मुकाबला

अर्जेन्टीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेस्सी ने इस खेल का सबसे बड़ा अवॉर्ड कहा जाने वाला बैलोन डिओर अवॉर्ड रिकॉर्ड सातवीं बार जीत लिया है। मेस्सी का मुकाबलारॉबर्ट लेवेनडॉस्की और जॉर्गिनो से था। मेस्सी ने इससे पहले 2009, 2010, 2011, 2012, 2015 और 2019 में इस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। मेस्सी ने कहा कि मैंने जब पिछली बार यह अवॉर्ड जीता था, तो मुझे लगा था यह आखिरी बार है। मेस्सी हाल में ही बार्सिलोना से हटकर पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) फुटबॉल क्लब से जुड़े हैं। मेस्सी ने पिछले साल जुलाई में अर्जेन्टीना को कोपा अमेरिका विनर बनवाने में अहम भूमिका निभाई थी।

रॉबर्ट लेवेनडॉस्की को बेस्ट स्ट्राइकर चुना गया है और उन्होंने बैलोन डिओर अवॉर्ड जीतने के लिए मेस्सी को बधाई दी है। मेस्सी ने कहा, यहां फिर से पहुंचकर बहुत अच्छा लग रहा है। दो साल पहले मुझे लगा था यह आखिरी मौका है मेरा। कोपा अमेरिका जीतना अहम रहा। मेस्सी के 613 प्वॉइंट्स थे, जबकि लेवेनडॉस्की के 580 प्वॉइंट्स थे। जॉर्गिनो के खाते में महज 460 प्वॉइंट्स आए। एलेक्सिया पेटुलास को महिला बैलोन डिओर खिताब से नवाजा गया।पिछले 10 साल में यह पहला मौका है, जब पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो इस अवॉर्ड की दौड़ में टॉप-3 में शामिल नहीं थे। बैलोन डिओर की रैंकिंग में वह छठे नंबर पर रहे।

स्टेफनी टेलर आईसीसी वनडे रैंकिंग में टॉप 10 में

दुबई, 30 नवंबर। वेस्ट इंडीज महिला क्रिकेट टीम की कप्तान स्टेफनी टेलर पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में संपन्न वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन की बदौलत वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंच गईं हैं।

तीन मैचों की सीरीज में एक शतक समेत कुल 125 रन बनाने की बदौलत वह तीन स्थानों के फायदा से नौंवे स्थान पर पहुंच गईं हैं। इसके अलावा उनकी टीम साथी हेले मैथ्यूज को वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में फायदा हुआ है। हेले पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में सात विकेट लेने के चलते दो स्थानों की छलांग से इंग्लैंड की कैथेरिन ब्रंट और ऑस्ट्रेलिया की जेस जोनासेन के साथ संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर पहुंच गईं हैं।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में भारत तीसरे नंबर पर

दुबई, 30 नवंबर। न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में पहला टेस्ट मैच ड्रॉ होने के बाद भारत आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2021-2023 चक्र की अंक तालिका में तीसरे नंबर पर खिसक गया है।

आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी अंक तालिका में भारत को नुकसान, जबकि पाकिस्तान को फायदा हुआ है। एक तरफ भारत जहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच ड्रॉ होने से अंक नहीं बटोर पाया, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान मेजबान बंगलादेश को उसी के घर पर पहले टेस्ट मैच में हरा कर 12 अंक लेकर 24 अंकों और 66.66 की जीत प्रतिशत के साथ अब भारत से आगे दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। भारत 30 अंकों और 50 की जीत प्रतिशत के साथ तीसरे नंबर पर है।

उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान दोनों मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में अपनी दूसरी सीरीज खेल रहे हैं। भारत ने इससे पहले अगस्त-सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी, जिसमें उसने दो मैच जीते थे, जबकि एक मैच ड्रॉ और एक इंग्लैंड ने जीता था। एक मैच कोरोना के कारण रद्द कर दिया गया था जो अब इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की आपसी सहमति के बाद भारत के अगले साल जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर खेला जाना है। इस मैच के बाद ही दोनों टीमों के बीच पिछली टेस्ट सीरीज का अंतिम नतीजा सामने आएगा। वहीं पाकिस्तान ने इससे पहले अगस्त में वेस्ट इंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट खेली थी, जिसमें उसने एक मैच जीता और एक हारा था। डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में इस वक्त श्रीलंका एक मैच जीत कर 100 की जीत प्रतिशत के साथ पहले नंबर पर है, हालांकि इसमें कोई दोराय नहीं है कि अभी इस तालिका में बहुत बदलाव होंगे। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूटीसी में हर टीम को प्रत्येक टेस्ट मैच जीतने पर 12 अंक मिलते हैं, जबकि मैच ड्रॉ होने पर चार और टाई होने पर छह अंक मिलते हैं।

अफगानिस्तान के मुख्य कोच के तौर पर अनुबंध नहीं बढ़ाएंगे लांस क्लूजनर

काबुल, 30 नवंबर। पूर्व दक्षिण अफ्रीकाई ऑलराउंडर लांस क्लूजनर ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में अनुबंध न बढ़ाने का फैसला किया है। उनका मौजूदा अनुबंध आगामी 31 दिसंबर को खत्म हो जाएगा।

क्लूजनर को दो वर्ष पहले सितंबर 2019 में इस पद पर नियुक्त किया गया था, जब फिल सिमंस ने वनडे विश्व कप 2019 के बाद टीम की कोचिंग छोड़ दी थी। क्लूजनर ने सोमवार को मीडिया में दिए बयान में कहा, टीम के साथ दो साल बिताने के बाद मैं कुछ यादगार पल अपने साथ ले जाऊंगा। जैसे ही मैं अफगानिस्तान क्रिकेट टीम और इसकी क्रिकेट संरचना से दूर होऊंगा मैं अपने कोचिंग करियर में अगले चरण और अवसरों को देखूंगा।

उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान ने क्लूजनर की कोचिंग में सभी प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम ने एक टेस्ट, छह में से तीन वनडे और 14 टी-20 मैचों में से नौ में जीत हासिल की है, जिसमें वेस्ट इंडीज और आयरलैंड के खिलाफ सीरीज जीत शामिल है। हाल ही समाप्त टी-20 विश्व कप में हालांकि उसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां वह अपने पांच सुपर 12 मैचों में से सिर्फ दो जीतकर नाकआउट की दौड़ से बाहर हो गई थी। क्लूजनर ने अपने 1996 से 2004 तक के करियर में 49 टेस्ट और 171 वनडे मैचों में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया और दोनों प्रारूपों में क्रमश: 1906 और 3576 रन तथा 80 और 192 विकेट लिए।

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल तीन दिसंबर को लेगी अहम फैसले

नयी दिल्ली, 30 नवंबर। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल अपनी तीन दिसंबर को होने वाली बैठक में कई अहम फैसले लेगी। इनमें विशेष तौर पर अहमदाबाद फ्रेंचाइजी का स्वामित्व हासिल करने वाले सीवीसी स्पोर्ट्स और आईपीएल 2022 के मीडिया अधिकारों का मुद्दा शामिल है।

यह बैठक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) से एक दिन पहले बुलाई गई है, जिसमें नई आईपीएल गवर्निंग काउंसिल बनाई जानी है। क्रिकबज के मुताबिक गवर्निंग काउंसिल को सीवीसी स्पोर्ट्स जैसे संवेदनशील मुद्दे पर फैसला करना होगा, जिसका नई आईपीएल फ्रेंचाइजी का स्वामित्व प्राप्त करना विवादों में आ गया है। बीसीसीआई की ओर से कल सीवीसी स्पोर्ट्स मामले को भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के समक्ष उठाए जाने की जानकारी सामने आई थी। समझा जाता है कि भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बीसीसीआई को इस मामले में एक समिति बनाने की सलाह दी है जो एक रिपोर्ट सौंपेगी और जिसे फिर गवर्निंग काउंसिल की बैठक में देखा जाएगा और अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उम्मीद है कि अगर आखिरी वक्त में कोई अप्रत्याशित बात सामने नहीं आती है तो गवर्निंग काउंसिल सीवीसी स्पोर्ट्स को अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के लिए औपचारिक मंजूरी दे देगी।

आईपीएल गवर्निंग काउंसिल को इसके अलावा मीडिया अधिकारों के टेंडर को भी अंतिम रूप देना होगा। बीसीसीआई पहले से ही इसको लेकर काफी लेट है। बीसीसीआई ने पहले एक बयान में कहा था कि 25 अक्टूबर को दो नई टीमों की बिक्री के तुरंत बाद टेंडर जारी हो जाएगा, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ है। अब गवर्निंग काउंसिल के मीडिया अधिकार टेंडर के कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को अंतिम रूप देने की उम्मीद है। समझा जाता है कि कर्नाटक से बृजेश पटेल और उत्तर पूर्व से खैरुल जमाल मजूमदार फिर से गवर्निंग काउंसिल के सदस्य चुने जाएंगे। वहीं बृजेश का आईपीएल के अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल एक और वर्ष के लिए बढ़ाया जाना तय है। यह भी पता चला है कि केवल इन्हीं दोनों ने गवर्निंग काउंसिल की सदस्यता के लिए नामांकन दाखिल किया है, जबकि प्रज्ञान ओझा खिलाड़ी संघ के प्रतिनिधि बने रहेंगे।

संतोष ट्रॉफी के लिए राजस्थान टीम घोषित

जयपुर, 30 नवंबर। सीनियर पुरुष राष्ट्रीय प्रतियोगिता संतोष ट्रॉफी के मैचों की मेजबानी राजस्थान ने जोरोशोरो से शुरू कर दी है। संतोष ट्रॉफी का 75वां संस्करण के पश्चिमी जोन के मुक़ाबले की मेजबानी राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन (आरएफए) द्वारा की जा रही है। जिसके मुकाबले पूर्णिमा यूनिवर्सिटी में 1 से 5 दिसम्बर के मध्य मैच खेले जाएंगे। जिनमें कप्तान के तौर पर मनिंदर सिंह, उप कप्तान के तौर पर चंद्रपाल सिंह के साथ दशरथ सिंह, युवराज सिंह, गजराज सिंह, अंकित शर्मा, अजय सैनी, करमजीत गुर्जर, त्रिलोक लोहार, इमरान खान, अमित गोदारा, सुधीर बेनीवाल, अल्ताफ हुसैन, असरत कुरेशी, हिमांशु राव, लक्ष्य गरसा, सरफराज सिसोदिया, साहिल खान, ट्विंकल सिंह, मनोज जाट, अनिल कुमावत और गौतम बिस्सा का चयन किया गया।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में सिंधू को मिला आसान ड्रॉ

बाली, 30 नवंबर । विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने मंगलवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के ड्रॉ घोषित किए। इंडोनेशिया के बाली में बुधवार से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में अनुभवी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को आसान ड्रॉ मिला है। वह ठ्रुप ए में ऑल इंडिया ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप की उप विजेता थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग, जर्मनी की इवोन ली और डेनमार्क की लिन क्रिस्टोफर्सन के साथ महिला एकल में स्पर्धा करती नजर आएंगी। सिंधु का इन तीनों खिलाड़ियों के खिलाफ और इस प्रतियोगिता में रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। वह इकलौती भारतीय हैं, जिन्होंने 2018 में पहली बार बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब जीता था। इसके बाद से अब तक कोई भी भारतीय यह खिताब जीत नहीं सका है। सिंधु के अलावा इस प्रतियोगिता में कुल सात भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी भाग लेंगे। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पुरुष युगल में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। यह पहली बार है कि प्रतियोगिता में भारत की युगल जोड़ी भाग लेगी। सात्विक-चिराग की जोड़ी का सामना दुनिया की नंबर एक जोड़ी मार्कस गिदोन और केविन सुकामुल्जो, किम एस्ट्रुप और एंडर्स रासमुसेन तथा ओलंपिक चैंपियनज जोड़ी ली यांग और वांग ची लिन से होगा। वहीं पहली बार बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल खेलने वाली अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की भारतीय महिला जोड़ी को नामी मत्सुयामा और चिहारू शिदा, गैब्रिएला और स्टेफनी स्टोएवा और क्लो बिर्च और लॉरेन स्मिथ के साथ ठ्रुप बी में रखा गया है।

पाकिस्तान के ख़िलाफ़ दूसरे टेस्ट के लिए शाकिब अल हसन की बंगलादेश टीम में वापसी

ढाका, 30 नवम्बर । पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पहले टेस्ट में हार झेलने के बाद बंगलादेश के लिए एक अच्छी ख़बर आ रही है, और वह ये कि दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन एक बार फिर टीम में वापसी कर रहे हैं। टी20 विश्वकप 2021 के दौरान शाकिब को हैम्सट्रिंग इंजरी हुई थी और उसके बाद से ही वह टीम से बाहर थे, पाकिस्तान के ख़िलाफ़ टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज़ में भी वह नहीं खेल पाए थे। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 4 दिसंबर से खेला जाएगा, पाकिस्तान फ़िलहाल 1-0 से सीरीज़ में आगे है। सोमवार को शाकिब फ़िटनेस टेस्ट में पूरी तरह फ़िट पाए गए जिसके बाद वह टीम का हिस्सा होंगे, बंगलादेश के लिए ये बेहद अच्छी ख़बर कही जा सकती है। शाकिब के अलावा तेज़ गेंदबाज़ तस्कीन अहमद भी दल में वापस जुड़ गए हैं, उन्हें पाकिस्तान के ख़िलाफ़ तीसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय के दौरान उंगली में चोट आई थी। 22 वर्षीय मोहम्मद नईम को भी टेस्ट दल का पहली बार हिस्सा बनाया गया है, नईम ने इससे पहले बंगलादेश के लिए 32 टी20 अंतर्राष्ट्रीय और दो वनडे खेला है। उन्होंने अपना आख़िरी प्रथम श्रेणी मैच फ़रवरी 2020 में खेला था, छह प्रथम श्रेणी मैचों में नईम ने अब तक 16.63 की औसत से रन बनाए हैं और इस दौरान उन्होंने महज़ एक अर्धशतक लगाया है।

परमाल के पंजे ने श्रीलंका को 204 पर समेटा

गाले, 29 नवम्बर। लेफ्ट आर्म स्पिनरों वीरासैमी परमॉल (35 रन पर पांच विकेट) और जोमेल वारिकन (50 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी से वेस्ट इंडीज ने श्रीलंका को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन मंगलवार को पहली पारी में 204 रन पर समेट दिया और फिर ठोस शुरुआत करते हुए अपनी पहली पारी में एक विकेट के नुकसान पर 69 रन बना लिए। विंडीज अभी पहली पारी में 135 रन से पीछे है। श्रीलंका ने कल के 34.4 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 113 रन से आगे खेलना शुरू किया।

पाकिस्तान ने बंगलादेश को आठ विकेट से पीटा

चटगांव, 30 नवम्बर । पाकिस्तान ने बंगलादेश को पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन मंगलवार को आठ विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

पाकिस्तान को जीत के लिए 202 रन का लक्ष्य मिला था जिसका पीछा करते हुए पाकिस्तान ने कल अपने सलामी बल्लेबाजों के बीच 109 रन कीओपनिंग साझेदारी के दम पर ठोस शुरुआत की थी। पाकिस्तान ने जीत के लिए शेष 93 रन आज दो विकेट गंवा कर जोड़ लिए। दोनों ओपनर स्कोर को 151 रन तक ले गए।

अब्दुल्लाह शफ़ीक़ 129 गेंदों में आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 73 रन बनाकर आउट हुए।

आईओएस ने भविष्य के स्टार्स सोनम मलिक, अंशु मलिक और आकाश कुमार के साथ साझेदारी की

नयी दिल्ली, 30 नवंबर । भारत के प्रमुख खेल प्रबंधन संगठनों में से एक आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्रा. लिमि. ने ओलंपिक पहलवान सोनम मलिक, विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में रजत पदक विजेता अंशु मलिक और विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता आकाश कुमार के साथ साझेदारी करने की घोषणा की है और इसी साझेदारी से इन युवा एथलीटों के साथ आगे वह एक लंबी सफल यात्रा की उम्मीद करते हैं।

19 वर्षीय सोनम सोनीपत की रहने वाली हैं जिन्होंने 2016 में रियो ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक को 2020 में दो बार हराकर सुर्खियां बटोरी थीं। सोनम ने भारत के लिए टोक्यो 2020 ओलंपिक में पदार्पण किया था। वह आईओएस के साथ अपने नए गठबंधन के लिए उत्साहित हैं और उन्होंने कहा, आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के साथ एथलीटों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिनमें से कुछ शीर्ष स्तर के ओलंपियन और पैरालिंपियन हैं। मैंने उनके काम को करीब से देखा है और मैं उनके द्वारा किए गए काम की सराहना करती हूं। अब मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि उनके पास मेरे लिए क्या है।''

हरियाणा के जींद से ताल्लुक रखने वाली अंशु मलिक ने इस साल की शुरुआत में विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय पहलवान बनकर सुर्खियां बटोरीं थीं । नॉर्वे के ओस्लो में 2021 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के 57 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतने वाली अंशु ने आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के साथ अपने जुड़ाव पर खुशी व्यक्त की और कहा, ''एक एथलीट के रूप में मेरे लिए मेरा खेल और मेरा प्रशिक्षण ही मेरी प्राथमिकता है। लेकिन एक प्रबंधन टीम का होना भी महत्वपूर्ण है जो एक एथलीट के आवश्यक व्यावसायिक कार्य की देखरेख करती है और मैं इसके लिए अपनी टीम के एक हिस्से के रूप में आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट को पाकर खुश हूं।'' आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट ने 21 वर्षीय मुक्केबाज आकाश कुमार का भी स्वागत किया, जिन्होंने हाल ही में सर्बिया के बेलठोड में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए कांस्य पदक जीता था। विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता ने ओलंपिक रजत पदक विजेता योएल फिनोल सहित कई अनुभवी खिलाड़ियों के खिलाफ शानदार जीत के बाद अपनी पहली ही चैंपियनशिप में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

युवा एथलीटों की नई तिकड़ी के साथ साझेदारी की हालिया घोषणा के बाद, आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्रा लिमिटेड के सीओओ राहुल त्रेहान ने कहा, ''युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतना अच्छा प्रदर्शन करते देखना हमेशा खुशी की बात होती है। सोनम ने 19 साल की उम्र में ओलंपिक में डेब्यू किया और अंशु और आकाश ने अपने-अपने विश्व चैंपियनशिप में पदक जीते, यह दर्शाता है कि हमारे युवा हर खेल में भारत के स्तर को ऊंचा करने के लिए कितने प्रतिबद्ध हैं। हम यहां इन एथलीटों के व्यावसायिक विकास और प्रबंधन में अपना योगदान देकर उनकी प्रतिबद्धता को पूरा करने में उनकी मदद करने के लिए हैं। हम उनकी मदद करने के लिए अपनी भूमिका निभाने के लिए तत्पर हैं ताकि वे अपने खेल में आगे बढ़ना जारी रखते हैं।

आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के पास काफी सारे शीर्ष श्रेणी के एथलीट मौजूद हैं , जिनमें एमसी मैरी कॉम (मुक्केबाजी), विजेंदर सिंह (मुक्केबाजी) जैसे ओलंपिक पदक विजेता शामिल हैं। मनप्रीत सिंह (हॉकी), सैखोम मीराबाई चानू (भारोत्तोलन), लवलीना बोरगोहेन (मुक्केबाजी), और पैरालंपिक पदक विजेता जैसे निषाद कुमार (हाई जंप), मनोज सरकार (बैडमिंटन) आदि हैं । आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट उन विशिष्ट प्रतिभाओं का भी प्रबंधन करता है जिन्होंने हमारे देश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है जिसमें हिमा दास (एथलेटिक्स), रानी रामपाल (हॉकी) आदि शामिल हैं।

वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि हालिया वर्षों में ब्राज़ील के एमेज़ॉन क्षेत्र की पक्षी प्रजातियों के साथ कुछ अजीब घट रहा है। ना केवल पक्षियों की संख्या कम हो रही है बल्कि उनके शरीर का आकार भी घट रहा है। मुख्य शोधकर्ता, लूसिएना स्टेट युनिवर्सिटी के विटेक जिरिनैक ने बताया, ''हमने देखा कि कुछ संवेदनशील प्रजातियों का ही नहीं बल्कि हरेक प्रजाति के पक्षियों का आकार कम हो रहा है।'' जिरिनैक का यह शोध हाल ही में जर्नल साईन्स एडवान्सेज़ में छपा है। जिरिनैक के सुपरवाइज़र फिलिप स्टोफर ने कहा कि, इस शोध में जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वो यह कि यह सब विश्व के सर्वाधिक संरक्षित ट्रॉपिकल वर्षावनों में हो रहा है। शोध में 40 साल की अवधि में 77 प्रजातियों का अध्ययन किया गया। चित्र में नज़र आ रहा पक्षी, रिंग्ड एन्टपिपिट भी शोध में शामिल था। इस अवधि में वर्षावनों का तापमान भी बढ़ा है। शोध में सामने आया कि पक्षियों का तेजी से उद्विकास हो रहा है, शायद इसलिए क्योंकि छोटे पक्षी ज्यादा अच्छी तरह उष्मा उत्सर्जित करते हैं। युनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन के ब्रायन वीक्स इस अध्ययन में शामिल नहीं थे, पर वे उत्तरी अमेरिका में प्रवासी पक्षियों की 50 प्रजातियों पर शोध कर चुके हैं, जिसमें उन्होंने भी यही पाया कि लगभग सभी प्रजातियों का आकार कम हो रहा है। इन दोनों अध्ययनों से इस बात की पुष्टि होती है कि दुनियाभर के पक्षी, चाहे वे प्रवासी हों या ना हों, उनका आकार बदल रहा है और इसका कारण है गर्म होती जलवायु। वीक्स कहते हैं, ''इस प्रकार के परिवर्तन हम सबके लिए चिंताजनक हैं।''

सरकार फिर से किसान नेताओं से बातचीत शुरु करेगी

सरकार ने बातचीत के लिए संयुक्त किसान मोर्चा से 5 किसान नेताओं के नाम मांगे

नई दिल्ली, 30 नवम्बर। किसान नेता दर्शन पाल ने कहा कि मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) और अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए एक समिति गठित करने के लिए केंद्र ने संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) से पांच नाम मांगे हैं। इसका फैसला किसान संघों संयुक्त इकाई यानी संयुक्त किसान मोर्चा (एस.के.एम. अपनी 4 दिसंबर की बैठक में करेगी।

यह कदम संसद के दोनों सदनों द्वारा तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को निरस्त करने के लिए एक विधेयक पारित करने के एक दिन बाद आया है, जिसके खिलाफ किसान एक साल से विरोध कर रहे हैं।

पाल ने बताया, "आज, केंद्र ने एसकेएम से उस समिति के लिए पांच नाम मांगे हैं जो फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) के मुद्दे पर विचार करेगी। हमने अभी तक नामों पर फैसला नहीं किया है। हम इसे 4 दिसंबर की बैठक में तय करेंगे।"

एसकेएम, 40 से अधिक फार्म यूनियनों की एक संयुक्त शाखा है, जो कि एम.एस.पी. के लिए कानूनी गारंटी सहित तीन कृषि कानूनों और उनकी अन्य मांगों के खिलाफ किसानों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है।

इस महीने की शुरुआत में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि शून्य बजट आधारित कृषि को बढ़ावा देने, देश की बदलती जरूरतों के अनुसार फसल पैटर्न बदलने और एम.एस.पी. को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के विषयों पर निर्णय लेने के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा।

उन्होंने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के दौरान यह घोषणा की जिसमें उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने का फैसला किया है, जो पिछले एक साल से किसानों के विरोध के केंद्र में थे।

- **भारतीय किसान यूनियन के नेता जोगेन्द्र नैन ने कहा कि, प्रधानमंत्री को हमारी ओर से जो छः मांगें भेजी गई थी, उस पर फैसले की घड़ी का इंतजार करें और शांति बनाए रखें। नैन ने कहा कि, हम किसान अपनी मांगे मनवाने के लिए आए हैं न कि सरकार से टकराने के लिए।**

जोगेंद्र सिंह नैन बीकेयू जींद ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा जो भी कॉल देगा, उसका हम पूरा पालन करेंगे। मुकदमे वापिस किए जाए। जिन किसानों की आंदोलन के दौरान जान गई है, उन परिवारों को मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी दिल्ली कूच के दौरान जो ट्रैक्टर थानों में बंद है उन्हें छोड़ा जाए। नैन ने किसानों को कहा कि प्रधानमंत्री को जो छह मांगें भेजी गई थी, उस पर फैसले की घड़ी का इंतजार करें और शांति बनाए रखे। नैन ने कहा कि हम अपनी मांगे मनवाने के लिए आए हैं न कि सरकार से टकराने के लिए। राजनीतिक पार्टियां हमें भड़काने की कोशिश करेंगी।

पत्रकारों ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रखी जाए। उनका कहना है कि सरकार ने पत्रकारों का वार्षिक अधिस्वीकरण जारी करना भी रोक रखा है और जो पत्रकार सरकार विरोधी प्रश्न पूछते हैं या सरकार की नीतियों व निर्णयों के खिलाफ लिखते हैं उनसे छुटकारा पाने की भी एक प्रक्रिया भी चल रही है।

पत्रकारों के अधिस्वीकरण के नवीनीकरण की प्रक्रिया नवम्बर माह में शुरू हो जाती हैं, लेकिन प्रैस इन्फोर्मेशन ब्यूरो (पी.आई.बी.) ने पंजीकरण या अधीस्वीकरणों के नवीनीकरण के लिए अपनी वैबसाइट के एक्सैस को ब्लॉक कर दिया है तथा इसके इच्छुक पत्रकारों से कहा गया है कि पत्रकारों और संगठनों की सरकार द्वारा स्क्रीनिंग के लिए वर्ष 2021 के ही पास मार्च माह के अंत तक वैध माने जाएंगे।

ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण की समीक्षा रिपोर्ट तीन सप्ताह में पेश होगी

केन्द्र सरकार ने तीन सदस्यीय समिति गठित ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण के मानकों की विस्तृत अध्ययन एवं समीक्षा रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा

नई दिल्ली, 30 नवम्बर। केंद्र सरकार ने देश में इकोनोमिकली वीकर सैक्शन (ई.डब्ल्यु.एस.) आरक्षण के मानकों की समीक्षा के लिए मंगलवार को तीन सदस्यीय समिति गठित की। इसका प्रमुख पूर्व वित्त सचिव अजय भूषण पांडेय को बनाया गया है। सरकार ने समिति से आग्रह किया है कि, कमेटी तीन सप्ताह में काम पूरा कर रिपोर्ट पेश करे। गौरतलब है कि, गत गुरुवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि उसने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्युएस) के लिए निर्धारित आठ लाख रुपये की वार्षिक आय सीमा के मानदंड पर फिर से विचार करने का फैसला किया है। इस संबंध में चार सप्ताह में निर्णय लिया जाएगा। ईडब्ल्यूएस आरक्षण के मानदंडों की समीक्षा के लिए समिति का गठन इसी सिलसिले में अगला कदम माना जा रहा है। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ को आश्वासन दिया था कि नीट प्रवेश के लिए काउंसलिंग चार सप्ताह की अवधि के लिए स्थगित कर दी जाएगी, जब तक कि ईडब्ल्यूएस मानदंड पर नया निर्णय नहीं लिया जाता है। उन्होंने कहा, मुझे यह कहने का निर्देश है कि सरकार ने मानदंडों पर फिर से विचार करने का फैसला किया है, हम चार सप्ताह के भीतर फैसला करेंगे।

- **गौरतलब है कि, सुप्रीम कोर्ट ने 8 लाख की सालाना आय वाले व्यक्ति को आर्थिक रूप से कमजोर मानने पर एतराज जाहिर किया था और सरकार को ई.डब्ल्यु.एस. आरक्षण के मानकों की समीक्षा करने का निर्देश दिया था।**
- **इस समिति का प्रमुख पूर्व वित्त सचिव अजय भूषण पांडेय को बनाया गया है।**
- **सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि क्या हर माह 70 हजार रुपये कमाने वाले को आर्थिक रूप से कमजोर माना जा सकता है।**

पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण प्रगतिशील और व्यावहारिक आरक्षण है और एकमात्र सवाल यह है कि यह किस तरह से लागू हो। याचिकाकर्ताओं के वकील अरविंद दातार ने कहा कि सवाल यह है कि क्या प्रति माह 70,000 रुपये की आय को ईडब्ल्यूएस कहा जा सकता है। सीमा मुद्दे के पहलू पर न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि इस पर काम किया जा सकता है।

सांभर में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया जा रहा है। बताया गया कि अभी तक कौवों के अलावा गेटर कुकलू, स्पोर्टटेड आउल, तोते, नोरदन शाउलर, कॉमन टिल, चील, रूफस ट्रीपी व एशियन कोयल बर्ड फ्लू के कारण मौत का शिकार हो चुके हैं।

निलंबित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से "वॉक्आउट" तथा पूरे दिन की बैठक का बहिष्कार किया। उन्होंने गांधी जी की मूर्ति के पास विरोध-प्रदर्शन भी किया। कांग्रेस के नेतृत्व में हुये इस वॉक्आउट में तृणमूल कांग्रेस पहले तो शामिल नहीं हुई, लेकिन बाद में वह गांधी मूर्ति पर किये गये विरोध-प्रदर्शन में शामिल हो गई।

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने कक्ष में दिन में दूसरी बार एक सर्वदलीय मीटिंग आयोजित की, जिसमें यह महसूस किया गया कि पूरे सत्र के लिये किया गया निलम्बन उचित नहीं है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मीटिंग में कहा कि पूरे सत्र का बहिष्कार करने से कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा, बल्कि विपक्ष को जनता के व्यापक हित के मुद्दों को उठाना चाहिये।

तृणमूल कांग्रेस के दो सांसदों के अलावा अन्य सभी निलम्बित सांसद राज्यसभा के सभापति एम. वैंकेय्या नायडू को पत्र लिखेंगे तथा पत्र में सरकार द्वारा किये गये "प्रक्रिया के खुले एवं साफ उल्लंघनों" तथा "चयनाधारित सोच" के मुद्दे उठायेंगे, जिन पर सुबह सदन में खड़गे ने भी उल्लेखनीय प्रकाश डाला था।

राष्ट्रीय राजमार्ग 8 पर ट्रेलर-कार की टक्कर, तीन की मौत, 7 घायल

कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त, ट्रेलर सड़क से नीचे पलटा

राजसमन्द, 30 नवम्बर (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 8 पर दिवेर थानांतर्गत दराड़ा के समीप एक होटल के पास मोड़ पर मंगलवार सुबह पौने 8 बजे उदयपुर की तरफ से आ रही कार की सामने से आ रहे ट्रेलर से जोरदार टक्कर हो गई जिसमे कार में सवार 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और सात लोग गम्भीर रुप से घायल हो गए जिन्हें एम्बुलेंस की सहायता से राजसमंद के जिला अस्पताल भेजा गया।

इधर मृतको के शवों को देवगढ़ सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया गया है। दुर्घटना के बाद दिवेर पुलिस ने ग्रामीणों, राहगीरों और क्रेन की सहायता से तत्काल प्रभाव से कार में फंसे घायलों ओर मृतकों को बाहर निकलवाकर मार्ग खुलवाया।

दिवेर थानाधिकारी दिलीप सिंह के अनुसार गुजरात की तरफ से हरियाणा पासिंग एक जिनोन कार (कैम्पर टाइप) आ रही थी जिसमे भटिंडा, पंजाब के 10 दोस्त सवार थे जो कि सम्भवतः पर्यटक थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और ट्रेलर भी सड़क से एक तरफ खड्डे में पलट गया। कार में सवार सभी लोग उसमें बुरी तरह फंस गए जिससे तीन लोगों की तो मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही दिवेर थानाधिकारी दिलीप सिंह मय जाप्ता के मौके पर पहुँचे ओर तत्काल प्रभाव से क्रेन मंगवाई। ट्रेलर चालक के मामूली चोंटे आई जिसे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। वही मौके पर ही मृत तीनों जनों के शवों को देवगढ़ सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया ओर पुलिस ने परिजनों को सूचित किया। पुलिस ने बताया कि मृतको ओर घायलों के परिजनों के भटिंडा, पंजाब से यहां पहुँचने के बाद ही सभी लोगो की सही पहचान हो पाएगी।

मृतकों में जस्सा सिंह, सरणजीत सिंह, रामा सभी निवासी भटिंडा, पंजाब शामिल है। वहीं घायलों में सतपाल सिंह, सुखंदी, नवदीप सिंह, अमनदीप सिंह, गुरविंदर सिंह, बलविंदर सिंह व एक अन्य जिसका नाम नही पता चला सभी निवासी भटिंडा, पंजाब शामिल है।

- **घायलों को जिला अस्पताल भेजा और मृतकों के शवों को देवगढ़ सी.एच.सी. की मोर्चरी में रखवाया गया।**

संयुक्त किसान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं। मोर्चा के सूत्रों ने कहा कि हालाँकि यह मुद्दा एस.के.एम. में विचाराधीन है कि आगामी विधानसभा चुनावों में किसान संगठन भाग लें अथवा नहीं, लेकिन अभी तक मोर्चा ने चुनावों में कूदने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है।

हालाँकि एस.के.एम. के नेताओं की एक मीटिंग दिल्ली के किसी एक सीमा पर शनिवार को होगी, जिसमें आंदोलन को समाप्त करने के बारे में विचार किया जायेगा, क्योंकि सोमवार को, संसद में तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का विधेयक पारित हो गया है, लेकिन "किसान एकता मोर्चा" जो एस.के.एम. की इन्टरनैट-उपस्थिति को संचालित करता है, ने मंगलवार को ट्वीट किया कि अगर किसानों को एम.एस.पी. की कानूनी गारंटी मिल जाती है तो किसान दिल्ली की सीमाओं की घेराबंदी को हटाकर, अपने-अपने घर लौट सकते हैं।

ट्वीट में कहा गया, "कृषि कानूनों की वापसी के बाद, इस आंदोलन को समाप्त करने के लिए, किसानों की माँग है- एम.एस.पी. की (कानूनी) गारंटी। सरकार को इस माँग पर ध्यान देकर इसे पूरा करना चाहिये।"

किन्तु अन्य किसान नेताओं का कहना है कि वे बुधवार की मीटिंग में इस बात पर जोर देंगे कि सरकार उन 700 किसानों के परिवारों को हर्जाना दे, जिन्होंने दिल्ली की सीमाओं पर अपनी जान गँवाई हैं तथा इसके अलावा दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा तथा पंजाब में किसानों के खिलाफ लगे क्रिमिनल केस वापस लिये जायें।

उत्तराखण्ड देवस्थान बोर्ड भंग हुआ

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पर यह बोर्ड भंग करने के लिए भारी दबाव था

देहरादून, 30 नवम्बर (वार्ता)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को देवस्थानम प्रबंधन परिषद (बोर्ड) भंग करने की घोषणा कर दी।

धामी ने टिवटर पर लिखा आप सभी की भावनाओं, तीर्थपुरोहितों, हक-हकूकधारियों के सम्मान एवं चारधाम से जुड़े सभी लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए मनोहर कांत ध्यानी जी की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने देवस्थानम बोर्ड अधिनियम वापस लेने का फैसला किया है।

उल्लेखनीय है कि, तत्कालीन त्रिवेंद्र सिंह रावत के मुख्यमंत्रित्व वाली राज्य सरकार ने राज्य के गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ सहित 53 देवस्थानों के प्रबंधन के लिये बोर्ड का गठन किया था। जिसका लगातार तीर्थ पुरोहितों और हकूकधारियों द्वारा विरोध किया जा रहा था। त्रिवेंद्र को मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने का कारण भी मुख्य रूप से इसी फैसले को समझा जा रहा था।

- **गौरतलब है कि, गत मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने देवस्थान बोर्ड का गठन किया था और माना जाता है कि उनका मुख्यमंत्री पद भी इसी फैसले की वजह से भाजपा हाईकमान ने छीन लिया था।**
- **मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तीर्थ पुरोहितों और हकूकधारियों द्वारा लगातार किये जा रहे विरोध और आगामी चुनावों को देखते हुये देवस्थान बोर्ड को तत्काल प्रभाव से भंग करने का फैसला किया है।**

धामी की आज की घोषणा के बाद राज्य भर के तीर्थ पुरोहितों में प्रसन्नता का माहौल है। जबकि विपक्षी दलों ने इसे देर आये, दुरुस्त आये की संज्ञा देते हुये आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिकोण इस फैसले को बताया है।

उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप ने देवस्थानम बोर्ड को भंग किए जाने को राज्य की भाजपा सरकार के मुंह पर करारा तमाचा बताया है।

धीरेंद्र ने कहा कि जिस तरह राज्य सरकार ने इस मसले को झूठी शान का मुद्दा बनाया हुआ था, उससे स्पष्ट हो गया कि यह इस सरकार की बेवकूफी थी। साथ ही, तीर्थ पुरोहितों की मांग को दरकिनार कर जिस तरह सरकार अपनी तानाशाही दिखाने में लगी थी वह उसका मूर्खतापूर्ण कदम था।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव को देखते हुए सरकार अपने फैसले बदल रही है और सरकार को अगर रोलबैक सरकार कहा जाए तो कोई गलत नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अब राज्य में चुनाव में मात्र तीन महीने रह गए हैं और कोई शक नहीं जिस दिन भी राज्य में चुनाव होंगे भाजपा कि राज्य में करारी हार होगी।

प्रदेश कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने पंडा, पुरोहित, हक़ हकूकधारियों को बधाई देते हुये कहा कि प्रचंड बहुमत के अहंकार में डूबी भाजपा सरकार को आज दो वर्ष बाद इस कानून पर रोल बैक करते हुए देवस्थानम बोर्ड भंग करने की घोषणा करनी पड़ी। यह लोकतंत्र व जनता की जीत है।

कश्मीर में देवी दुर्गा की 1300 साल पुरानी मूर्ति मिली

श्रीनगर , 30 नवंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को मध्य कश्मीर में बडगाम जिले के खाग इलाके से देवी दुर्गा की 1300 साल पुरानी एक प्राचीन मूर्ति बरामद की।

पुलिस ने बताया कि उन्होंने खाग से एक प्राचीन मूर्ति बरामद की और उसके बाद जम्मू-कश्मीर सरकार के अभिलेखागार, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की एक टीम को जांच के लिए बुलाया गया। पुलिस के मुताबिक पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने मूर्ति की जांच करने के बाद बताया कि वह लगभग सातवीं ईस्वी (लगभग 1300 साल पुरानी) में निर्मित देवी दुर्गा की मूर्ति है। पुलिस ने एक बयान जारी करके बताया कि मूर्ति को काले पत्थर पर उकेरा गया है। यह मूर्ति देवी दुर्गा की है, जो सिंह सिंहासन पर विराजमान हैं, मूर्ति का बांया हाथ कंधे से गायब है और दाहिने हाथ में कमल है। मूर्ति निर्माण में गांधार कला शैली का प्रभाव है।

'क्रिप्टो करेन्सी के विज्ञापन पर रोक नहीं लगेगी'

नयी दिल्ली, 30 नवंबर (वार्ता)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज राज्य सभा में कहा कि देश में आभासी मुद्रा (क्रिप्टोकरेंसी) से संबंधित विधेयक कैबिनेट की मंजूरी के बाद आयेगी लेकिन क्रिप्टो को लेकर विभिन्न माध्यमों पर आ रहे विज्ञापनों पर रोक लगाने का निर्णय अभी नहीं लिया गया है।

सीतारमण ने प्रश्नकाल के दौरान सदन में पूरक प्रश्नों के उत्तर में कहा कि यह एक जोखिम भरा है और यह पूरी तरह से नियामक फ्रेमवर्क भी नहीं है। इसके विज्ञापनों पर रोक लगाने का निर्णय भी नहीं लिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक और सेबी के माध्यम से लोगों में इसके प्रति जागरुकता लाने की कोशिश की गयी है। उन्होंने कहा कि आभासी मुद्राओं से अवांछित गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकता है, इसलिए इस पर करीबी निगरानी की जायेगी। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए एक विधेयक लाने की तैयारी कर रही है जिसमें पुराने विधेयक के साथ ही नये प्रावधान भी होंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि कहा कि नॉन फंगिबल टोकन्स (एनएफटी) के नियम पर भी चर्चा की जायेगी। भारतीय जनता पार्टी के सुशील कुमार मोदी द्वारा इस संबंध में पूछे गये पूरक प्रश्न पर उन्होंने कहा कि एनएफटी के नियम पर भी चर्चा ही जायेगी।

- **वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि, सरकार क्रिप्टो करेन्सी पर एक विधेयक लाने की तैयारी कर रही है जिसमें पुराने विधेयक के साथ ही नये प्रावधान भी होंगे।**

बंगाल के भाजपा नेता ने ममता बनर्जी पर तंज कसा

भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा, सोनिया गांधी का समय पूरा हो चुका है, अब ममता बनर्जी विपक्ष का नेतृत्व करना चाहती हैं

कोलकाता, 30 नवम्बर। टी.एम.सी. प्रमुख व बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के केंद्रीय राजनीति में सक्रिय होने को देखते हुए भाजपा ने कांग्रेस पर तंज किया है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व बंगाल के नेता दिलीप घोष ने कांग्रेस-तृणमूल के बीच बढ़ते फासले को लेकर कहा कि सोनिया गांधी का समय पूरा हो चुका है। अब ममता बनर्जी विपक्ष का नेतृत्व करना चाहती हैं।

घोष ने यह भी कहा कि विपक्ष का ये नाटक काफी पुराना है। विपक्ष की हर पार्टी चाहती है कि वह नेतृत्व करे। ममता बनर्जी भी विपक्ष की नेता बनना चाहती हैं। दरअसल ममता बनर्जी बीते कुछ महीनों से दिल्ली से लेकर कोलकाता तक राष्ट्रीय राजनीति के मुद्दे पर सक्रिय हैं। मंगलवार से वह तीन दिनी मुंबई दौरे पर हैं। जहां वह शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, राकांपा प्रमुख शरद पवार व अन्य नेताओं से मिलकर भाजपा के खिलाफ विपक्ष को लामबंद करने का प्रयास करेंगी। हालांकि अभी ममता ने कांग्रेस से दूरी बनाए रखी है।

सोमवार से शुरू हुए शीतकालीन सत्र को लेकर भी कांग्रेस और टी.एम.सी. के बीच खींचतान खुलकर सामने आई है। इससे पहले भी दोनों के बीच दूरियां काफी बढ़ी हुई थीं। कांग्रेस नेताओं के तेजी से टी.एम.सी. के दामन थामने से दोनों के रिश्तों में खटास आई है। ऐसे में टी.एम.सी. ने तो संसद सत्र को लेकर कांग्रेस द्वारा बुलाई गई बैठक में हिस्सा लिया और न ही केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस समेत दूसरी पार्टियों के साथ शामिल हुई। कांग्रेस ने यह बैठक शीतकालीन सत्र को लेकर विपक्ष की साझा रणनीति बनाने के लिए बुलाई थी।

- **उन्होंने आगे कहा कि, यह नाटक बहुत पुराना है, हर छोटी से छोटी पार्टी की यही महत्वाकांक्षा है कि वह विपक्ष का नेतृत्व करे**
- **गौरतलब है कि, ममता बनर्जी एक संयुक्त विपक्ष मोर्चा खड़ा करने की कवायद में जुटी हुई हैं लेकिन वे इस पूरी कवायद से कांग्रेस को बिल्कुल अलग-थलग छोड़ देना चाहती हैं।**

उधर, कांग्रेस की तरफ से टी.एम.सी. पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। पिछले दिनों कांग्रेस ने कहा था कि टी.एम.सी. किसानों के मुद्दे पर मिली जीत का श्रेय लेने की कोशिश कर रही है जबकि वह इस लड़ाई में कहीं थी ही नहीं। कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी का कहना है कि टी.एम.सी. और भाजपा ने अंदरूनी सांठ-गांठ कर रखी है। टी.एम.सी. डबल गेम खेल रही है।

इसी साल अगस्त में टी.एम.सी. प्रमुख ममता बनर्जी और कांग्रेसी की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी के बीच में मुलाकात हुई थी। तब दोनों की ही तरफ से बातचीत सकारात्मक दिशा में बढ़ने का संकेत मिला था। तब ममता बनर्जी ने कहा था कि केंद्र सरकार के खिलाफ सभी विपक्षी दलों को एकजुट होना चाहिए, लेकिन उसके बाद कांग्रेस टी.एम.सी. करीब आने की बजाए दूर होते जा रहे हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी दो दिन के दौरे पर मंगलवार को मुंबई पहुंची। ममता बनर्जी के इस दौरे के बाद से एक बार फिर से भाजपा के खिलाफ तीसरे मोर्चे की चर्चा तेज हो गई है। मुंबई पहुंची ममता बनर्जी नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के मुखिया शरद पवार से बुधवार को मुलाकात करेंगी। शरद पवार से मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में ऐसी चर्चा शुरू हो गई है कि ममता बनर्जी कांग्रेस से दूरी बनाते हुए क्षेत्रीय दलों को एकजुट करने का प्रयास कर रही हैं।

महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री और एनसीपी के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक ने मंगलवार को पुष्टि की कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार दोपहर को राकांपा प्रमुख शरद पवार से मुलाकात करेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक मलिक ने कहा ममता दीदी महाराष्ट्र के दौरे पर हैं और कल दोपहर 3 बजे शरद पवार से मुलाकात करेंगी। हालांकि मलिक ने ममता के इस यात्रा को सद्भावना यात्रा करार देते हुए कहा कि एनसीपी प्रमुख से मुलाकात के बाद वह मीडिया से बात करेंगी और मीटिंग के बारे में जानकारी साझा करेंगी।

मलिक ने कहा कि हर पार्टी को अपना आधार बढ़ाने का प्रयास करने का पूरा अधिकार है, लेकिन कांग्रेस को बाहर रखकर भाजपा के विरोधियों को एकजुट करना असंभव है। मलिक ने कहा बंगाल के बाहर टी.एम.सी. का विस्तार हो रहा है और यह हर राजनीतिक दल का अधिकार है। हालांकि, हम मानते हैं कि कांग्रेस को छोड़कर एक संयुक्त विपक्षी मोर्चा संभव नहीं है।

महासचिव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन तक पहुंच नहीं बन पाती और हिंदी भाषी क्षेत्रों से आने वालों के लिए भाषा की भी समस्या हो जाती है।

अब यह देखना है कि राहुल गांधी जीती मक्खी निगलते हैं या वेणुगोपाल का समर्थन करना जारी रखते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908